

<mark>...Folio.....</mark>2





"Allah" is To Be Read As Allaahu.S.w.t....likewise in

Hindi, Bengali, Urdu, Mandarin,



An Excellent Example



OA Al-Mumtahana (60:4)



قَدْ كَانَتْ لَكُمْ أُسُوَةٌ حَسَنَةٌ فِي ﴿

إِبْرُهِيمَ وَٱلذِينَ مَعَهُۥٓ إِدْ قَالُوا لِقَوْمِهِمْ

إِتَا بُرَءًوُّا مِنكُمْ وَمِمَّا تَعْبُدُونَ مِن

دُونِ ٱللهِ كَفَرْتَا بِكُمْ وَبَدَا بَيْنَنَا

وَبَيْنَكُمُ ٱلْعَدُونُ وَٱلْبَعْضَاءُ أَبَدًا حَتَّى



تؤمنوا بالله وحده آلا قول إبرهيم لأبيه لأستغفرن لك وما أملك لك مِنَ الله مِن شَىْء رَبّنَا عَلَيْكَ تَوكَلنَا وَإِلَيْكَ أَنْبنَا وَإِلَيْكَ الْمَصِيرُ

میں ساتھیوں کے ان اور میں ابراہیم حضرت لیے تمہارے (امسلمانو) ★
ہم کہ دیا کہہ برملا سے قوم اپنی نے سب ان جبکہ ہے، نمونہ بہترین
سے سب ان ہو کرتے عبادت سوا کے الله تم کی جن جن اور سے تم
کی الله تم تک جب ہیں منکر (کے عقائد) تمہارے ہم ہیں۔ بیزار بالکل
بغض لیے کے ہمیشہ میں تم میں ہم لاؤ نہ ایمان پر وحدانیت
ہوئی سے باپ اپنے تو بات اتنی کی ابراہیم لیکن ہوگئی ظاہر وعداوت
لیے تمہارے اور گا کروں ضرور استغفار لیے تمہارے میں کہ تھی
ہمارے اے نہیں۔ بھی کچھ اختیار کا چیز کسی سامنے کے الله مجھے
رجوع طرف ہی تیری اور ہے کیا بھروسہ نے ہم پر تجھی پروردگار
ہے لوٹنا طرف ہی تیری اور ہیں کرتے

★ Indeed there has been an excellent example for you in

Ibrahim (Abraham) and those with him, when they said to



their people: "Verily, we are free from you and whatever you worship besides Allah, we have rejected you, and there has started between us and you, hostility and hatred for ever, until you believe in Allah Alone," except the saying of Ibrahim (Abraham) to his father: "Verily, I will ask for forgiveness (from Allah) for you, but I have no power to do anything for you before Allah." Our Lord! In You (Alone) we put our trust, and to You (Alone) we turn in repentance, and to You (Alone) is (our) final Return,

★ তোমাদের জন্য নিশ্চয়ই উত্তম আদর্শ রয়েছে ইব্রাহীমের ও তাঁর
সঙ্গে যারা ছিল তাদের মধ্যে — যখন তারা তাদের লোকদলকে
বলেছিল — "নিশ্চয় আমরা দায়শূন্য তোমাদের থেকে, আর
আল্লাহ্কে বাদ দিয়ে তোমরা যার উপাসনা কর তার থেকে,
আমরা তোমাদের প্রত্যাখ্যান করেছি, কাজেই আমাদের মধ্যে ও
 তোমাদের মধ্যে শত্রুতা ও হিংসা-বিদ্বেষ চিরদিনের জন্য শুরু
হয়েছে যতক্ষণ না তোমরা আল্লাহ্তে — তাঁর একত্বে— বিশ্বাস না
কর।" তবে তাঁর পিতৃপুরুষের প্রতি ইব্রাহীমের বক্তব্য ছিল — "আমি
নিশ্চয় তোমার জন্য ক্ষমাপ্রার্থনা করব, আর আল্লাহ্র কাছ থেকে

তোমার জন্য অন্য কোনো কিছুতে আমার ক্ষমতা নেই।" "আমাদের

<mark>...Folio.....</mark>5



প্রভূ তোমার উপরেই আমরা নির্ভর করছি, আর তোমারই কাছে আমরা ফিরছি, আর তোমার কাছেই তো প্রত্যাবর্তন।

★ तुम लोगों के लिए इबराहीम में और उन लोगों में जो उसके साथ थे अच्छा आदर्श है, जबिक उन्होंने अपनी क़ौम के लोगों से कह दिया कि "हम तुमसे और अल्लाह से हटकर जिन्हें तुम पूजते हो उनसे विरक्त है। हमने तुम्हारा इनकार किया और हमारे और तुम्हारे बीच सदैव के लिए वैर और विद्वेष प्रकट हो चुका जब तक अकेले अल्लाह पर तुम ईमान न लाओ।" इूबराहीम का अपने बाप से यह कहना अपवाद है कि "मैं आपके लिए क्षमा की प्रार्थना अवश्य करूँगा, यद्यपि अल्लाह के मुक़ाबले में आपके लिए मैं किसी चीज़ पर अधिकार नहीं रखता।" "ऐ हमारे रब! हमने तुझी पर भरोसा किया और तेरी ही ओर रुजू हुए और तेरी ही ओर अन्त में लौटना हैं। -



وَإِسْحُقَ وَيَعْقُوبَ وَٱلنَّسِبَاطَ كَاثُوا ۗ



هُودًا أَوْ تَصَارَىٰ قُلْ ءَأَنتُمْ أَعْلَمُ أَمْ اللهُ وَمَنْ أَظْلَمُ مِمِّن كَتَمَ شَهَدَةً عِندَهُ، مِنَ اللهِ وَمَا اللهُ بِعْفِلٍ عَمَا تعْمَلُون

علیہم) کیا تم کہتے ہو کہ ابراہیم اور اسماعیل اور اسحاق اور یعقوب ★ اور ان کی اولاد یہودی یا نصرانی تھے؟ کہہ دو کہ کیا تم (السلام یا الله تعالیٰ؟ الله کے پاس شہادت چھپانے والے سے ،زیادہ جانتے ہو زیادہ ظالم اور کون ہے؟ اور الله تمہارے کاموں سے غافل نہیں

★ Or say you that Ibrahim (Abraham), Isma'il (Ishmael), Ishaque (Isaac), Ya'qub (Jacob) and Al-Asbat [the twelve sons of Ya'qub (Jacob)] were Jews or Christians? Say, "Do you know better or does Allah (knows better... that they all were Muslims)? And who is more unjust than he who conceals the testimony [i.e. to believe in Prophet Muhammad Peace be upon him when he comes, written in their Books. (See Verse

7:157)] he has from Allah? And Allah is not unaware of what



you do."

★ অথবা তোমরা কি বলো যে ইব্রাহীম ও ইসমাইল ও ইসহাক ও ইয়াকুব এবং বিভিন্ন গোত্রেরা ইহুদী অথবা খ্রীষ্টান ছিলেন? বলো -- "তোমরা কি বেশি জানো, না আল্লাহ্? আর তাঁর চাইতে কে বেশি অন্যায় করছে যে গোপন করছে সেই সাক্ষ্য যা আল্লাহ্র কাছ থেকে সে পেয়েছে? আর তোমরা যা করছ সে সন্বন্ধে আল্লাহ্ বেখেয়াল নন।

★ या तुम कहते हो कि इबराहीम और इसमाईल और इसहाक़ और याक़ूब और उनकी संतान सब के सब यहूदी या ईसाई थे? कहो, "तुम अधिक जानते हो या अल्लाह? और उससे बढ़कर ज़ालिम कौन होगा, जिसके पास अल्लाह की ओर से आई हुई कोई गवाही हो, और वह उसे छिपाए? और जो कुछ तुम कर रहे हो, अल्लाह उससे बेखबर नहीं है।"







کے (علیہ السلام) اور وفادار ابراہیم ★ صحیفوں میں تھا

- ★ And of Ibrahim (Abraham) who fulfilled (or conveyed) all that (what Allah ordered him to do or convey),
- ★ এবং ইব্রাহীম সন্বন্ধে যিনি সম্পূর্ণরূপে প্রতিপালন করেছিলেন ---
 - ★ और इबराहीम की (िकताबों में हैं), जिसने अल्लाह की बन्दगी का)
 पूरा-पूरा हक अदा कर दिया?



★ Ash-Shura (42:13)



شَرَعَ لَكُم مِّنَ ٱلدِّينِ مَا وَصَي ٰ بِهِۦ *



الله تعالیٰ نے تمہارے لیے وہی دین مقرر کردیا ہے جس کے قائم کرنے ★
(بذریعہ وحی) کو حکم دیا تھا اور جو(علیہ السلام) کا اس نے نوح
اور جس کا تاکیدی حکم ہم نے ،ہم نے تیری طرف بھیج دی ہے
کہ اس دین ، کو دیا تھا(علیہم السلام) ابراہیم اور موسیٰ اور عیسیٰ
کو قائم رکھنا اور اس میں پھوٹ نہ ڈالنا جس چیز کی طرف آپ
الله تعالیٰ ، مشرکین پر گراں گزرتی ہے(ان) انہیں بلا رہے ہیں وہ تو
جسے چاہتا ہے اپنا برگزیدہ بناتا ہے اور جو بھی اس کی طرف رجوع
کرے وہ اس کی صحیح دہ نمائی کرتا ہے

★ He (Allah) has ordained for you the same religion (Islam)



which He ordained for Nuh (Noah), and that which VVe have inspired in you (O Muhammad SAVV), and that which VVe ordained for Ibrahim (Abraham), Musa (Moses) and 'lesa (Jesus) saying you should establish religion (i.e. to do what it orders you to do practically), and make no divisions in it (religion) (i.e. various sects in religion). Intolerable for the Mushrikun, is that to which you (O Muhammad SAVV) call them. Allah chooses for Himself whom He wills, and guides unto Himself who turns to Him in repentance and in obedience.

★ তিনি তোমাদের জন্য সেই ধর্ম থেকে বিধান দিচ্ছেন যার দ্বারা তিনি নূহকে নির্দেশ দিয়েছিলেন, আর যা আমরা তোমার কাছে প্রত্যাদেশ করছি, আর যার দ্বারা আমরা ইব্রাহীমকে ও মূসাকে ও জুসাকে নির্দেশ দিয়েছিলাম এই বলে — "ধর্মকে কায়েম করো, আর এতে একে-অন্যে বিচ্ছিন্ন হয়ো না।" মুশরিকদের জন্য এ বড় কঠিন ব্যাপার যার প্রতি তুমি তাদের আহ্বান করছ। আল্লাহ্ যাকে ইচ্ছা করেন তাকে তাঁর কারণে নির্নাচিত করেন, আর তাঁর দিকে পরিচালিত করেন তাকে যে ফেরে।



★ उसने तुम्हारे लिए वही धर्म निर्धारित किया जिसकी ताकीद उसने नूह को की थी।" और वह (जीवन्त आदेश) जिसकी प्रकाशना हमने तुम्हारी ओर की है और वह जिसकी ताकीद हमने इबराहीम और मूसा और ईसा को की थी यह है कि "धर्म को क़ायम करो और उसके विषय में अलग-अलग न हो जाओ।" बहुदेववादियों को वह चीज़ बहुत अप्रिय है, जिसकी ओर तुम उन्हें बुलाते हो। अल्लाह जिसे चाहता है अपनी ओर छाँट लेता है और अपनी ओर का मार्ग उसी को दिखाता है जो उसकी ओर रुजू करता है



★ Al-Hajj (22:78)



وَجُهدُوا فِي اللهِ حَقَّ جِهَادِهِۦ هُوَ أَجْتَبَىٰكُمْ وَمَا جَعَلَ عَلَيْكُمْ فِي ٱلدِّينِ مِنْ حَرَجٍ مِّلَهُ أَبِيكُمْ إِبْرُهِيمَ هُوَ

سَمَّنَكُمُ المُسْلِمِينَ مِن قُبْلُ وَفِي هَٰذَا



لِيَكُونَ ٱلرَّسُولُ شَهِيدًا عَلَيْكُمْ وَتَكُونُو شُهَدَاءَ عَلَى ٱلنَّاسِ فَأَقِيمُوا ٱلصَّلُوٰة وَءَاتُوا ٱلرَّكُوٰة وَأَعْتَصِمُوا بِٱللهِ هُوَ مَوْلَنَكُمْ فَنِعْمَ ٱلْمَوْلَىٰ وَنِعْمَ ٱلنَّصِيرُ

اور الله کی راہ میں ویسا ہی جہاد کرو جیسا جہاد کا حق ہے۔ اسی ★
نے تمہیں برگزیدہ بنایا ہے اور تم پر دین کے بارے میں کوئی تنگی
اسی الله ، کا قائم رکھو(علیہ السلام) دین اپنے باپ ابراہیم،نہیں ڈالی
نے تمہارا نام مسلمان رکھا ہے۔ اس قرآن سے پہلے اور اس میں بھی
تاکہ پیغمبر تم پر گواہ ہو جائے اور تم تمام لوگوں کے گواہ بن جاؤ۔
پس تمہیں چاہئے کہ نمازیں قائم رکھو اور زکواۃ ادا کرتے رہو اور الله
وہی تمہارا ولی اور مالک ہے۔ پس کیا ہی اچھا ،کو مضبوط تھام لو

★ And strive hard in Allah's Cause as you ought to strive (with sincerity and with all your efforts that His Name should be superior). He has chosen you (to convey His Message of

Islamic Monotheism to mankind by inviting them to His



religion, Islam), and has not laid upon you in religion any hardship, it is the religion of your father Ibrahim (Abraham) (Islamic Monotheism). It is He (Allah) Who has named you Muslims both before and in this (the Quran), that the Messenger (Muhammad SAVV) may be a witness over you and you be witnesses over mankind! So perform As-Salat (Iqamat-as-Salat), give Zakat and hold fast to Allah [i.e. have confidence in Allah, and depend upon Him in all your affairs] He is your Maula (Patron, Lord, etc.), what an Excellent Maula (Patron, Lord, etc.) and what an Excellent Helper!

★ আর আল্লাহ্র পথে জিহাদ করো যেভাবে তাঁর পথে জিহাদ করা কর্তব্য। তিনি তোমাদের মনোনীত করেছেন, তবে তিনি তোমাদের উপরে ধর্মের ব্যাপারে কোনো কাঠিন্য আরোপ করেন নি। তোমাদের পিতৃপুরুষ ইব্রাহীমের ধর্মমত। তিনি তোমাদের নামকরণ করেছেন 'মুসলিম', — এর আগেই আর এতেও, যেন এই রসূল তোমাদের জন্য একজন সাক্ষী হতে পারেন এবং তোমরাও জনগণের জন্য সাক্ষী হতে পার। অতএব তোমরা নামায় अससलाह কায়েম করবে ও যাকাত আদায় করবে এবং আল্লাহ্কে শক্ত

করে ধরে থাকবে। তিনিই তোমাদের অভিভাবক, সুতরাং কত



উত্তম এই অভিভাবক এবং কত উত্তম এই সাহায্যকারী।

* और परस्पर मिलकर जिहाद करो अल्लाह के मार्ग में, जैसा कि जिहाद का हक़ है। उसने तुम्हें चुन लिया है - और धर्म के मामले में तुमपर कोई तंगी और किठनाई नहीं रखी। तुम्हारे बाप इबराहीम के पंथ को तुम्हारे लिए पसन्द किया। उसने इससे पहले तुम्हारा नाम मुस्लिम (आज्ञाकारी) रखा था और इस ध्येय से - तािक रसूल तुमपर गवाह हो और तुम लोगों पर गवाह हो। अतः नमाज़ अससलाह का आयोजन करो और ज़कात दो और अल्लाह को मज़बूती से पकड़े रहो। वही तुम्हारा संरक्षक है। तो क्या ही अच्छा संरक्षक है और क्या ही अच्छा सहायक।



★ An-Nisaa (4:125)



وَمَنْ أَحْسَنُ دِينًا مِّمِّنْ أَسْلُمَ وَجُهَهُ وَ لِلهِ وَهُوَ مُحُسِنٌ وَٱتّبَعَ مِلَةَ إِبْرُهِيهِ

حَنِيفًا وَاتَّخَدُ اللَّهُ إِبْرُهِيمَ خَلِيلًا



،لا أحد أحسن دينًا ممن انقاد بقلبه وسائر جوارحه لله تعالى وحده ★ مائلا عن العقائد الفاسدة و، واتبع دين إبراهيم وشرعه،وهو محسن -عليه الصلاة والسلام- وقد اصطفى الله إبراهيم الشرائع الباطلة إثبات صفة الخُلة لله ، وفي هذه الآية واتخذه صفيّاً من بين سائر خلقه والاصطفاء، وهي أعلى مقامات المحبة-تعالى-

باعتبار دین کے اس سے اچھا کون ہے؟ جو اپنے کو الله کے تابع کر ★ ساتھ ہی یکسوئی والے ابراہیم کے دین کی ،دے اور ہو بھی نیکو کار کو الله تعالیٰ نے اپنا (علیہ السلام) پیروی کر رہا ہو اور ابراہیم دوست بنا لیا ہے

और दीन (धर्म) की स्पष्ट से उस व्यक्ति से अच्छा कौन हो सकता है, जिसने अपने आपको अल्लाह के आगे झुका दिया और इबराहीम के तरीक़े का अनुसरण करे, जो सबसे कटकर एक का हो गया था? अल्लाह ने इबराहीम को अपना घनिष्ठ मित्र बनाया था

* And who can be better in religion than one who submits his face (himself) to Allah (i.e. follows Allah's Religion of Islamic

Monotheism); and he is a Muhsin (a good-doer - see V. 2:112).



And follows the religion of Ibrahim (Abraham) Hanifa (Islamic Monotheism – to worship none but Allah Alone). And Allah did take Ibrahim (Abraham) as a Khalil (an intimate friend).

★ আর আল্লাহ্রই যা-কিছু আছে মহাকাশমন্ডলে ও যা-কিছু
পৃথিবীতে। আর আল্লাহ্ হচ্ছেন সব-কিছুরই বেষ্টনকারী।



★ Al-Ahzaab (33:35)



إنَّ ٱلمُسْلِمِينَ وَٱلمُسْلِمَٰتِ وَٱلمُوْمِنِينَ

وَٱلمُؤْمِنَٰتِ وَٱلقَٰنِتِينَ وَٱلقَٰنِتَٰتِ

وَٱلصَّدِقِينَ وَٱلصَّدِقَتِ وَٱلصَّرِينَ

وَٱلصِّرِاتِ وَٱلخَشِعِينَ وَٱلخَشِعَتِ

والمتصدقين والمتصدقت والصبين



وَٱلصَّئِمَٰتِ وَٱلحَّفِظِينَ قُرُوجَهُمْ وَٱلحَّفِظتِ وَٱلدِّكِرِينَ ٱللهَ كَثِيرًا وَٱلدَّكِرَٰتِ أَعَدَّ ٱللهُ لَهُم مَعْفِرَةً وَأَجْرًا

والمصرّقين والمصرّقات والمطيعين ،إن المنقادين لأوامر الله والمنقادات لله والصابرين ، والصادقين في أقوالهم والصادقات،لله ورسوله والمطيعات والخائفين من ،عن الشهوات وعلى الطاعات وعلى المكاره والصابرات والصائمين في ، والمتصدقين بالفرض والنقل والمتصدقات،الله والخائفات وعن ، والحافظين فروجهم عن الزنى ومقدماته،الفرض والنقل والصائمات والذاكرين الله كثيرًا بقلوبهم وألسنتهم و،كشف العورات والحافظات وهو الجنة، أعد الله لهؤلاء مغفرة لذنوبهم وثوابًا عظيمًا،الذاكرات

بےشک مسلمان مرد اور مسلمان عورتیں مومن مرد اور مومن عورتیں ہفرماں برداری کرنے والے مرد اور فرمانبردار عورتیں راست باز مرد اور مرد اور صبر کرنے والے مرد اور صبر کرنے والی عورتیں خیرات کرنے والی کرنے والے مرد اور عاجزی کرنے والی عورتیں خیرات کرنے والی عورتیں

روزے رکھنے والے مرد اور ،الے مرد اور خیرات کرنے والی عورتیں



روزے رکھنے والی عورتیں اپنی شرمگاہ کی حفاظت کرنے والے مرد اور حفاظت کرنے والے مرد اور حفاظت کرنے و اور خکر کرنے و مغفرت اور بڑا ثواب تیار (وسیع) لئے الله تعالیٰ نے(سب کے) الیاں ان کر رکھا ہے

★ मुस्लिम पुरुष और मुस्लिम स्त्रियाँ, ईमानवाले पुरुष और ईमानवाली स्त्रियाँ, निष्ठापूर्वक आज्ञापालन करनेवाले पुरुष और निष्ठापूर्वक आज्ञापालन करनेवाली स्त्रियाँ, सत्यवादी पुरुष और सत्यवादी स्त्रियाँ, धैर्यवान पुरुष और धैर्य रखनेवाली स्त्रियाँ, विनम्रता दिखानेवाले पुरुष और विनम्रता दिखानेवाली स्त्रियाँ, सदक़ा (दान) देनेवाले पुरुष और सदक़ा देनेवाली स्त्रियाँ, रोज़ा रखनेवाले पुरुष और रोज़ा रखनेवाली स्त्रियाँ, अपने गुप्तांगों की रक्षा करनेवाले पुरुष और रक्षा करनेवाली स्त्रियाँ और अल्लाह को अधिक याद करनेवाले पुरुष और याद करनेवाली स्त्रियाँ इनके लिए अल्लाह ने क्षमा और बड़ा प्रतिदान तैयार कर रखा है

* Verily, the Muslims (those who submit to Allah in Islam) men and women, the believers men and women (who believe in Islamic Monotheism), the men and the women who are obedient (to Allah), the men and women who are truthful (in

their speech and deeds), the men and the women who are



patient (in performing all the duties which Allah has ordered and in abstaining from all that Allah has forbidden), the men and the women who are humble (before their Lord Allah), the men and the women who give Sadaqat (i.e. Zakat, and alms, etc.), the men and the women who observe Saum (fast) (the obligatory fasting during the month of Ramadan, and the optional Nawafil fasting), the men and the women who quard their chastity (from illegal sexual acts) and the men and the women who remember Allah much with their hearts and tongues (while sitting, standing, lying, etc. for more than 300 times extra over the remembrance of Allah during the five compulsory congregational prayers) or praying extra additional Nawafil prayers of night in the last part of night, etc.) Allah has prepared for them forgiveness and a great reward (i.e. Paradise).

নিশ্চয়ই মুসলিম পুরুষ ও মুসলিম নারী এবং মুমিন পুরুষ ও মুমিন নারী, এবং অনুগত পুরুষ ও অনুগত নারী, আর সত্যনিষ্ট পুরুষ ও সত্যনিষ্ট নারী, আর অধ্যবসায়ী পুরুষ ও অধ্যবসায়ী

নারী, আর বিনয়ী পুরুষ ও বিনয়ী নারী আর দানশীল পুরুষ ও



দানশীল নারী, আর রোযাদার পুরুষ ও রোযাদার নারী, আর
নিজেদের আবরুরক্ষাকারী পুরুষ ও রক্ষাকারী নারী, আর
আল্লাহ্কে বহুলভাবে স্মরণকারী পুরুষ ও স্মরণকারী নারী -আল্লাহ্ এদের জন্য ব্যবস্থা করেছেন পরিত্রাণ ও এক বিরাট
প্রতিদান।



* Yunus (10:105)

بس<u>اراللهم</u> اللحيمان

وَأَنْ أَقِمْ وَجُهَكَ لِلدِّينِ حَنِيقًا وَلَا * تَكُونَنَّ مِنَ ٱلمُشْرِكِينَ

اور کبھی ، دین کی طرف کرلینا(اس) اور یہ کہ اپنا رخ یکسو ہو کر 🖈 مشرکوں میں سے نہ ہونا

* "And (it is inspired to me): Direct your face (O Muhammad SAVV) entirely towards the religion Hanifa (Islamic

Monotheism, i.e. to worship none but Allah Alone), and never

be one of the Mushrikun (those who ascribe partners to



Allah, polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who worship others along with Allah).

্ব আর তোমার মুখ ধর্মের প্রতি একনিষ্ঠভাবে প্রতিষ্ঠিত রাখো, আর কখনো মুশরিকদের অন্তর্ভুক্ত হয়ো না।

* और यह कि हर ओर से एकाग्र होकर अपना रुख़ इस धर्म की ओर कर लो और मुशरिक़ों में कदापि सम्मिलित न हो,



* Yunus (10:106)



کوئی نفع پہنچا سکے اور نہ کوئی ضرر پہنچا سکے۔ پھر اگر ایسا کیا

اور الله کو چھوڑ کر ایسی چیز کی⁄عبادت مت کرنا جو تجھ کو نہ ★



تو تم اس حالت میں ظالموں میں سے ہو جاؤ گے

★ "And invoke not besides Allah, any that will neither profit you, nor hurt you, but if (in case) you did so, you shall certainly be one of the Zalimun (polytheists and wrong-doers)."

★ আর আল্লাহ্কে ছেড়ে দিয়ে অন্যকে ডেকো না যে তোমার উপকারও করে না ও অপকারও করে না, কেননা তুমি যদি তা করো তাহলে তুমি তো সে-ক্ষেত্রে অন্যায়কারীদের মধ্যেকার হবে।

★ और अल्लाह से हटकर उसे न पुकारो जो न तुम्हें लाभ पहुँचाए और न तुम्हें हानि पहुँचा सके और न तुम्हारा बुरा कर सके, क्योंकि यदि तुमने ऐसा किया तो उस समय तुम अत्याचारी होगे



★ Yunus (10:107)



وَإِن يَمْسَسُكَ ٱللهُ بِضُرٌّ فَلَا كَاشِفَ

لهُۥٓ إِلَّا هُوَ وَإِن يُرِدُكَ بِخَيْرٍ فَلَا رَآدٌ



لِفَضْلِهِۦٓ يُصِيبُ بِهِۦ مَن يَشَآءُ مِنْ عِبَادِهِۦ وَهُوَ ٱلْعَقُورُ ٱلرّحِيمُ

اور اگر تم کو الله کوئی تکلیف پہنچائے تو بجز اس کے اور کوئی ★ اس کو دور کرنے والا نہیں ہے اور اگر وہ تم کو کوئی خیر پہنچانا وہ اپنا فضل اپنے ،چاہے تو اس کے فضل کا کوئی ہٹانے والا نہیں بندوں میں سے جس پر چاہے نچھاور کردے اور وہ بڑی مغفرت بڑی رحمت والا ہے

★ And if Allah touches you with hurt, there is none who can remove it but He; and if He intends any good for you, there is none who can repel His Favour which He causes it to reach whomsoever of His slaves He will. And He is the Oft-Forgiving, Most Merciful.

★ আর আল্লাহ্ যদি কোনো আঘাত দিয়ে আমাকে পীড়ন করেন তাহলে তিনি ছাড়া এ মোচনকারী আর কেউ নেই, আর তিনি যদি তোমাকে চান ভাল করতে তাহলে তাঁর প্রাচুর্য রদ হবার নয়। তিনি

তা আনয়ন করেন তাঁর দাসদের মধ্যের যার প্রতি ইচ্ছা করেন।



আর তিনিই তো পরিত্রাণকারী, অফুরন্ত ফলদাতা।

★ यदि अल्लाह तुम्हें किसी तकलीफ़ में डाल दे तो उसके सिवा कोई उसे दूर करनेवाला नहीं। और यदि वह तुम्हारे लिए किसी भलाई का इरादा कर ले तो कोई उसके अनुग्रह को फेरनेवाला भी नहीं। वह इसे अपने बन्दों में से जिस तक चाहता है, पहुँचाता है और वह अत्यन्त क्षमाशील, दयावान है।"



* Yunus (10:108)



قلْ یَأْیُهَا اُلتَاسُ قَدْ جَآءَکُمُ اُلْحَقُ ﴿ مَن رَبِّکُمْ فَمَن اَهْتَدَی فَاتِمَا یَهْتَدِی فَمَن اَهْتَدَی فَاتِمَا یَهْتَدِی لِنَقْسِهِ وَمَن ضَلَ قُاتِمَا یَضِلُ عَلَیْهَا لِنَقْسِهِ وَمَن ضَلَ قُاتِمَا یَضِلُ عَلَیْهَا



تمہارے پاس حق تمہارے رب کی طرف اآپ کہہ دیجئے کہ اے لوگو ٭ اس لیے جو شخص راہ راست پر آجائے سو وہ ،سے پہنچ چکا ہے اپنے واسطے راہ راست پر آئے گا اور جو شخص بے راہ رہے گا تو اس کا بے راہ ہونا اسی پر پڑے گا اور میں تم پر مسلط نہیں کیا گیا

★ . Say: "O you mankind! Now truth (i.e. the Quran and Prophet Muhammad SAVV), has come to you from your Lord. So whosoever receives guidance, he does so for the good of his own self, and whosoever goes astray, he does so to his own loss, and I am not (set) over you as a Wakil (disposer of affairs to oblige you for guidance)."

বলো — "ওহে মানবগোষ্ঠি। নিশ্চয়ই তোমাদের প্রভুর কাছ থেকে তোমাদের কাছে সত্য এসেছে, সেজন্যে যে কেউ সৎপথ অবলন্বন করে সে নিঃসন্দেহ তার নিজের জন্যেই সৎপথে বিচরণ করে, আর যে ভ্রান্তপথ ধরে সে নিঃসন্দেহ তার নিজের বিরুদ্ধেই ভ্রান্তপথে চলে। আর আমি তোমাদের উপরে তো কার্যনির্বাহক

कह दो, "ऐ लोगों। तुम्हारे पास तुम्हारे रब की ओर से सत्य आ चुका है। अब जो कोई मार्ग पर आएगा, तो वह अपने ही लिए मार्ग पर आएगा, और जो कोई पथभ्रष्ट होगा तो वह अपने ही बुरे के लिए पथभ्रष्टि होगा। मैं तुम्हारे ऊपर कोई हवालेदार तो हूँ नहीं।"



* Yunus (10:109)



وَٱتّبِعْ مَا يُوحَى َ إِلَيْكَ وَٱصْبِرْ حَتَى ۗ ★ يَحْكُمَ ٱللهُ وَهُوَ خَيْرُ ٱلحِّكِمِينَ

اور آپ اس کی اتباع کرتے رہیے جو کچھ آپ کے پاس وحی بھیجی جاتی ہے اور صبر کیجئے یہاں تک کہ الله فیصلہ کردے اور وہ سب فیصلہ کرنے والوں میں اچھا ہے

* And (O Muhammad SAVV), follow the inspiration sent unto you, and be patient till Allah gives judgement. And He is the

Best of judges.



- আর তোমার কাছে যা প্রত্যাদিষ্ট হয়েছে তারই অনুসরণ করো,
 তবে অধ্যবসায় চালিয়ে যাও যে পর্যন্ত না আল্লাহ্ বিধান দেন,
 আর তিনিই সর্বোত্তম বিধানকর্তা।
- ★ जो कुछ तुमपर प्रकाशना की जा रही है, उसका अनुसरण करो और धैर्य से काम लो, यहाँ तक कि अल्लाह फ़ैसला कर दे, और वह सबसे अच्छा फ़ैसला करनेवाला है



★ At-Tawba (9:114)



وَمَا كَانَ اَسْتِعْفَارُ إِبْرُهِيمَ لِأَبِيهِ إِلَّا عَن مَّوْعِدَةٍ وَعَدَهَا إِيّاهُ فُلْمًا تَبَيّنَ اَهُ: أَنّهُ عَدُمُ لِللهِ تَرَا مِنْهُ لِنَ الْرُاهِ

لأوة حليم



کا آپنے باپ کے لیے دعائے مغفرت مانگنا وہ (علیہ السلام) اور آبراہیم * صرف وعدہ کے سبب سے تھا جو انہوں نے اس سے وعدہ کرلیا تھا۔ پھر جب ان پر یہ بات ظاہر ہوگئی کہ وہ الله کا دشمن ہے تو وہ بڑے نرم (علیہ السلام) واقعی ابراہیم،اس سے محض بے تعلق ہوگئے دل اور برد بار تھے

* And [Ibrahim's (Abraham)] invoking (of Allah) for his father's forgiveness was only because of a promise he [Ibrahim (Abraham)] had made to him (his father). But when it became clear to him [Ibrahim (Abraham)] that he (his father) is an enemy to Allah, he dissociated himself from him. Verily Ibrahim (Abraham) was Al-Awwah (has fifteen different meanings but the correct one seems to be that he used to invoke Allah with humility, glorify Him and remember Him much), and was forbearing. (Tafsir Al-Qurtubi).

★ আর ইব্রাহীমের তাঁর পিতার জন্যে ক্ষমা প্রার্থনা করা শুধু এজন্য ছাড়া অন্য কারণে নয় যে একটি অঙ্গীকার যা তিনি ওর সন্বন্ধে

ওয়াদা করেছিলেন। কিন্তু যখন এটি তাঁর কাছে পরিস্কার করা



হল যে সে নিঃসন্দেহ আল্লাহ্র একজন শত্রু তখন তিনি ওর থেকে নির্লিপ্ত হয়ে গেলেন। নিঃসন্দেহ ইব্রাহীম ছিলেন কোমল হৃদয়ের, সহনশীল।

★ इबराहीम ने अपने बाप के लिए जो क्षमा की प्रार्थना की थी, वह तो केवल एक वादे के कारण की थी, जो वादा वह उससे कर चुका था। फिर जब उसपर यह बात खुल गई कि वह अल्लाह का शत्रु है तो वह उससे विरक्त हो गया। वास्तव में, इबराहीम बड़ा ही कोमल हृदय, अत्यन्त सहनशील था



* Aal-i-Imraan (3:17)



الصبرين والصدقين والقنتين * والمُنفقين والمُسْتَغفرين بالأسْحَارِ

وعلى ما يصيبهم ، وعن المعاصي،هم الذين اتصفوا بالصبر على الطاعات ★



، وبالصدق في الأقوال والأفعال وبالطاعة التامة،من أقدار الله المؤلمة وبالاستغفار في آخر الليل؛ لأنه منطِنّة القبول ،وبالإنفاق سرا وعلانية واحابة الدعاء

جو صبر کرنے والے اور سچ بولنے والے اور فرمانبرداری کرنے والے اور ★ الله کی راہ میں خرچ کرنے والے اور پچھلی رات کو بخشش مانگنے والے ہیں

★ ये लोग धैर्य से काम लेनेवाले, सत्यवान और अत्यन्त आज्ञाकारी है, ये ((अल्लाह के मार्ग में) खर्च करते और रात की अंतिम घड़ियों में क्षमा की प्रार्थनाएँ करते हैं

★ (They are) those who are patient ones, those who are true (in Faith, words, and deeds), and obedient with sincere devotion in worship to Allah. Those who spend [give the Zakat and alms in the Way of Allah] and those who pray and beg Allah's Pardon in the last hours of the night.

🖈 "ধৈর্যশীল, আর সত্যপরায়ণ আর অনুগত, আর দানশীল, আর

প্রাতে পরিত্রাণ প্রার্থী।"





★ अल्लाह ने गवाही दी कि उसके सिवा कोई पूज्य नहीं; और फ़रिश्तों ने



और उन लोगों ने भी जो न्याय और संतुलन स्थापित करनेवाली एक सत्ता को जानते है। उस प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी के सिवा कोई पूज्य नहीं

★ Allah bears witness that La ilaha illa Huwa (none has the right to be worshipped but He), and the angels, and those having knowledge (also give this witness); (He is always) maintaining His creation in Justice. La ilah illa Huwa (none has the right to be worshipped but He), the All-Mighty, the All-Wise.

★ আল্লাহ্ সাক্ষ্য দিচ্ছেন যে তিনি ছাড়া আর কোনো উপাস্য নেই, আর ফিরিশ্তারাও, আর জ্ঞানের অধিকারীরা ন্যায়ে অধিষ্ঠিত হয়ে। তিনি ছাড়া কোনো উপাস্য নেই, মহাশক্তিশালী, পরমজ্ঞানী।





لهُ، قنِتُونَ

ولله وحده كل مَن في السموات والأرض من الملائكة والإنس والجن و ، . كل هؤلاء منقادون لأمره خاضعون لكماله،الحيوان والنبات والجماد

اور زمین وآسمان کی ہر ہر چیز اس کی ملکیت ہےاور ہر ایک اس ★ کے فرمان کے ماتحت ہے

★ आकाशों और धरती में जो कोई भी उसी का है। प्रत्येक उसी के निष्ठावान आज्ञाकारी है

★ To Him belongs whatever is in the heavens and the earth. All are obedient to Him.

আর যারা রয়েছে মহাকাশমন্ডলীতে ও পৃথিবীতে তারা তাঁরই।
 সবাই তাঁর প্রতি আজ্ঞাবহ।



★ Az-Zumar (39:9)

بساالله اللاحمان اللاجيماء

أُمَّنْ هُوَ قَنِتٌ عَانَاءَ ٱليُّلِ سَاجِدًا

وَقَائِمًا يَحْدَرُ ٱلْءَاخِرَةَ وَيَرْجُواْ رَحْمَةً

رَبِّهِۦ فُلْ هَلْ يَسْتَوِى ٱلذِينَ يَعْلَمُونَ

وَٱلذِينَ لَا يَعْلَمُونَ إِتَمَا يَتَذَكَّرُ أُولُوا ۗ

ألألئب

يقضي ، أم من هو عابد لربه طائع له،أهذا الكافر المتمتع بكفره خير لله ويأمّل رحمة ، يخاف عذاب الآخرة،ساعات الليل في القيام والسجود لله هل يستوي الذين يعلمون ربهم ودينهم الحق و:-أيها الرسول- ربه؟ قل إنما يتذكر ويعرف الفرق الذين لا يعلمون شيئًا من ذلك؟ لا يستوون أصحاب العقول السليمة

بھلا جو شخص راتوں کے اوقات سجدے اور قیام کی حالت میں 🛨 آخرت سے ڈرتا ہو اور اپنے رب کی رحمت کی ، گزارتا ہو(عبادت میں)

بتاؤ (اور جو اس کے برعکس ہو برابر ہو سکتے ہیں) ،امید رکھتا ہو



تو علم والے اور بے علم کیا برابر کے ہیں؟ یقیناً نصیحت وہی حاصل (اپنے رب کی طرف سے) کرتے ہیں جو عقلمند ہوں۔

(क्या उक्त व्यक्ति अच्छा है) या वह व्यक्ति जो रात की घड़ियों में सजदा करता और खड़ा रहता है, आख़िरत से डरता है और अपने रब की दयालुता की आशा रखता हुआ विनयशीलता के साथ बन्दगी में लगा रहता है? कहो, "क्या वे लोग जो जानते है और वे लोग जो नहीं जानते दोनों समान होंगे? शिक्षा तो बुद्धि और समझवाले ही ग्रहण करते है।"

★ Is one who is obedient to Allah, prostrating himself or standing (in prayer) during the hours of the night, fearing the Hereafter and hoping for the Mercy of his Lord (like one who disbelieves)? Say: "Are those who know equal to those who know not?" It is only men of understanding who will remember (i.e. get a lesson from Allah's Signs and Verses).

★ সে কি যে রাতের প্রহরগুলোতে সিজদাবনত হয়ে ও দাঁড়িয়ে আনুগত্য করে, পরকাল সম্বন্ধে সাবধানতা অবলম্বন করে এবং তার প্রভুর অনুগ্রহ কামনা করে? বলো -- "যারা জানে আর যারা

জানে না তারা কি একসমান? নিঃসন্দেহ বোধশক্তিসম্পন্ন

<mark>...Folio.....36</mark>







* Al-Bagara (2:238)



حَفِظُوا عَلَى ٱلصَّلُواتِ وَٱلصَّلُواةِ *
الوُسْطَى وَقُومُوا لِلهِ قَنِتِينَ

على الصلوات الخمس المفروضة بالمداومة على -أيها المسلمون- حافظوا ★ وحافظوا على الصلاة ،أدائها في أوقاتها بشروطها وأركانها وواجباتها ، وقوموا في صلاتكم مطيعين لله،المتوسطة بينها وهي صلاة العصر خاشعين ذليلين

بالخصوص درمیان والی نماز کی اور الله ،نمازوں کی حفاظت کرو تعالیٰ کے لئے باادب کھڑے رہا کرو

🖈 सदैव नमाज़ो अससलाह की और अच्छी अससलाह की पाबन्दी करों 🕏

और अल्लाह के आगे पूरे विनीत और शान्तभाव से खड़े हुआ करो



★ Guard strictly (five obligatory) As-Salawat (the prayers) especially the middle Salat (i.e. the best prayer - 'Asr). And stand before Allah with obedience [and do not speak to others during the Salat (prayers)].



★ Ibrahim (14:35)



وَإِذْ قَالَ إِبْرَهِيمُ رَبِّ اجْعَلْ هَٰذَا البَلدَ ءَامِنًا وَأَجْنُبْنِي وَبَنِيَّ أَن تَعْبُدَ

ألأصنام

میرے اے کہ کہا نے انہوں جب (کرو یاد بھی دعا یہ کی ابراہیم) ★



کو اولاد میری اور مجھے اور بنادے، والا امن کو شہر اس اپروردگار دے۔ پناہ سے پرستی بت

And (remember) when Ibrahim (Abraham) said: "O my Lord!

Make this city (Makkah) one of peace and security, and keep

me and my sons away from worshipping idols.

★ আর স্মরণ কর। ইব্রাহীম বলেছিলেন -- "আমার প্রভু। এই শহরটাকে নিরাপদ করো, আর আমাকে ও আমার সন্তান-সন্ততিকে পুতুল প্রতিমা পূজা-অর্চনা থেকে রক্ষা করো।

★ याद करो जब इबराहीम ने कहा था, "मेरे रब! इस भूभाग (मक्का) को शान्तिमय बना दे और मुझे और मेरी सन्तान को इससे बचा कि हम मुर्तियों को पुजने लग जाए

O⊿

★ At-Tawba (9:70)

ألم يأتِهم نبأ الذين مِن قبلهم

قُوْمِ ثُوحٍ وَعَادٍ وَتُمُودَ وَقُوْمٍ إِبْرَاهِيمَ



وَأَصْحَابِ مَدْيَنَ وَالْمُؤْتَفِكَاتِ

أتنهُمْ رُسُلُهُم بِالبَيِّنَاتِ فَمَا كَانَ اللهُ لِيَظْلِمَهُمْ وَلَكِن كَاثُوا أَنقُسَهُمْ

يَظلِمُونَ

- ★ 在他们以前逝去的民族,有努哈的宗族,阿德人和赛莫德人,易卜拉欣的宗族,麦德彦的居民和被倾覆的城市的居民,难道那些人的消息没有来临他们吗?那些人的使者们昭示他们许多明证,故真主不致于亏枉他们,但他们自欺了。
- اور نوح قوم پہنچیں، نہیں خبریں کی لوگوں پہلے سے اپنے انہیں کیا ★ الٹی) مؤتفکات اہل اور مدین اہل اور ابراہیم قوم اور ثمود اور عاد لے دلیلیں پیغمبر کے ان پاس کے ان کی، (والے رہنے کے بستیوں ہوئی خود نے انہوں بلکہ کرے ظلم پر ان کہ تھا نہ ایسا الله پہنچے، کر کیا ظلم اوپر اپنے ہی
- ★ Has not the story reached them of those before them? The people of Nuh (Noah), 'Ad, and Thamud, the people of Ibrahim (Abraham), the dwellers of Madyan (Midian) and the cities overthrown [i.e. the people to whom Lout (Lot) preached], to

them came their Messengers with clear proofs. So it was



not Allah Who wronged them, but they used to wrong themselves.

তাদের কাছে কি তাদের পূর্বে যারা ছিল তাদের সংবাদ আসে নি

-- নূহ্-এর লোকদের ও 'আদ-এর ও ছামূদের, আর ইব্রাহীমের
সম্প্রদায়ের ও মাদয়ানের বাসিন্দাদের ও বিধবস্ত শহরগুলোর?

ওদের কাছে ওদের রসূলগণ এসেছিলেন স্পষ্ট প্রমাণ নিয়ে।

কাজেই আল্লাহ্ তো ওদের উপরে অবিচার করার জন্য নন, কিন্তু

ওরা ওদের নিজেদেরই প্রতি জুলুম করেছিল।

★ क्या उन्हें उन लोगों का वृतान्त नहीं पहुँचा जो उनसे पहले गुज़रे - नूह के लोगो का, आद और समूद का, और इबराहीम की क़ौम का और मदयनवालों का और उन बस्तियों का जिन्हें उलट दिया गया? उसके रसूल उनके पास खुली निशानियाँ लेकर आए थे, फिर अल्लाह ऐसा न था कि वह उनपर अत्याचार करता, किन्तु वे स्वयं अपने-आप पर अत्याचार कर रहे थे







وَقَالُوا ٱتَّخَدَ ٱللهُ وَلدًا سَبْحُنَهُۥ بَلَ لهُۥ مَا فِى ٱلسَّمُوٰتِ وَٱلأَرْضِ كُلُّ لهُۥ قَنِتُونَ قَنِتُونَ

تنزّه الله ، اتخذ الله لنفسه ولدًا وقالت اليهود والنصارى والمشركون ★ بل كل مَن في السموات والأرض ملكه ، عن هذا القول الباطل-سبحانه- مسخّرون تحت تدبيره، وهم جميعًا خاضعون له،وعبيده

وہ پاک ہے زمین (نہیں بلکہ) ،یہ کہتے ہیں کہ الله تعالیٰ کی اولاد ہے ★ و آسمان کی تمام مخلوق اس کی ملکیت میں ہے اور ہر ایک اس کافرمانبردار ہے

* कहते हैं, अल्लाह औलाद रखता है – महिमावाला है वह। (पूरब और पश्चिम हीं नहीं, बल्कि) आकाशों और धरती में जो कुछ भी है, उसी का है। सभी उसके आज्ञाकारी है

★ And they (Jews, Christians and pagans) say: Allah has begotten a son (children or offspring). Glory be to Him

(Exalted be He above all that they associate with Him). Nay,



to Him belongs all that is in the heavens and on earth, and all surrender with obedience (in worship) to Him.

আর তারা বলে -- "আল্লাহ্ একটি ছেলে গ্রহণ করেছেন" । তাঁরই মহিমা হোক। বরং মহাকাশমন্ডলে ও পৃথিবীতে যা-কিছু আছে সে-সব তাঁরই, সবাই তাঁর আজ্ঞা পালনকারী।



★ Aal-i-Imraan (3:33)



إِنَّ ٱللهَ ٱصْطَفَىٰ ءَادَمَ وَتُوحًا وَءَالَ * إِبْرُهِيمَ وَءَالَ عَلَى ٱلْعُلْمِينَ ﴾ ﴿ إِبْرُهِيمَ وَءَالَ عِمْرُنَ عَلَى ٱلْعُلْمِينَ ﴾ ﴿

کے خاندان اور (علیہ السلام) ابراہیم، کو(علیہ السلام) کو اور نوح

الله تعالىٰ

...Folio.....43



تمام جہان کے لوگوں میں سے ادم 🖈

عمران کے خاندان کو منتخب فرما لیا

★ अल्लाह ने आदम, नूह, इबराहीम की सन्तान और इमरान की सन्तान को सारे संसार की अपेक्षा प्राथमिकता देकर चुना

★ Allah chose Adam, Nuh (Noah), the family of Ibrahim (Abraham) and the family of 'Imran above the 'Alamin (mankind and jinns) (of their times).

★ আল্লাহ্ নিশ্চয়ই আদম ও নূহ্ ও ইব্রাহীমের বংশধর, আর ইমরানের পরিবারকে মানবগোষ্ঠীর মধ্যে উচ্চ মর্যাদা দিয়েছিলেন,

★ Al-Hadid (57:26)

بس<u>االلهم</u> الرحمن

وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا نُوحًا وَإِبْرُهِيمَ وَجَعَلْنَا فَ دُرِّتُهُمَا أَلْنُهُمَّ وَأَلْكَتْبُ وُمِنْهُم



مُهْتَدِ وَكَثِيرٌ مِنْهُمْ فُسِقُونَ

بھیجا (پیغمبر بنا کر) کو(علیہ السلام) بیشک ہم نے نوح اور ابراہیم ہ اور ہم نے ان دونوں کی اولاد میں پیغمبری اور کتاب جاری رکھی تو ان میں سے کچھ تو راہ یافتہ ہوئے اور ان میں سے اکثر بہت نافرمان رہے

★ And indeed, We sent Nuh (Noah) and Ibrahim (Abraham), and placed in their offspring Prophethood and Scripture, and among them there is he who is guided, but many of them are Fasiqun (rebellious, disobedient to Allah).

আর আমরা ইতিপূর্বে নূহ্কে ও ইব্রাহীমকে পাঠিয়েছিলাম, আর তাঁদের বংশধরদের মধ্যে নবুওৎ ও গ্রন্থ সংস্থাপন করেছিলাম, কাজেই তাদের কেউ-কেউ ছিল সৎপথপ্রাপ্ত, কিন্ত তাদের অধিকাংশই ছিল সত্যত্যাগী।

★ हमने नूह और इबराहीम को भेजा और उन दोनों की सन्तान में पैग़म्बरी और क़िताब रख दी। फिर उनमें से किसी ने तो संमार्ग अपनायाः किन्तु

उनमें से अधिकतर अवज्ञाकारी थे





★ Al-Ahzaab (33:7)



وَإِدْ أَخَدْنَا مِنَ ٱلنِّيِّيِّ نَ مِيثَقَهُمْ ﴿ وَإِدْ أَخَدْنَا مِنَ ٱلنِّيِّ إِنَ مِيثَقَهُمْ

وَمِنكَ وَمِن ثُوحٍ وَإِبْرُهِيمَ وَمُوسَىٰ وَمُوسَىٰ وَمِنْكُمْ وَعِيسَى ٱبْنِ مَرْيَمَ وَأَخَذْنَا مِنْهُم

مِّيثُقًا عَلِيظًا

آپ سے اور (بالخصوص) جب کہ ہم نے تمام نبیوں سے عہد لیا اور ★
نوح سے اور ابراہیم سے اور موسیٰ سے اور مریم کے بیٹے عیسیٰ سے
پختہ عہد لیا(پکا اور) اور ہم نے ان سے،

* And (remember) when We took from the Prophets their covenant, and from you (O Muhammad SAW), and from

Nuh (Noah), Ibrahim (Abraham), Musa (Moses), and 'lesa

(Jesus), son of Maryam (Mary). We took from them a



strong covenant.

★ আর স্মরণ কর৷ আমরা নবীদের থেকে তাঁদের অঙ্গীকার গ্রহণ করেছিলাম, আর তোমার কাছ থেকেও, আর নূহ ও ইব্রাহীম ও মূসা ও মরিয়ম-পুত্র ঈসার কাছ থেকে, আর তাঁদের কাছ থেকে আমরা গ্রহণ করেছিলাম এক জোরালো অংগীকার --

★ और याद करो जब हमने निबयों से वचन लिया, तुमसे भी और नूह और इबराहीम और मूसा और मरयम के बेटे ईसा से भी। इन सबसे हमने ढ़ढ़ वचन लिया,



★ An-Nisaa (4:125)



وَمَنْ أَحْسَنُ دِينًا مِّمِّنْ أَسْلُمَ وَجُهَهُ وَ لِلهِ وَهُوَ مُحُسِنُ وَٱتَّبَعَ مِلَةَ إِبْرُهِيهِ

حَنِيفًا وَاتَّخَدُ اللَّهُ إِبْرُهِيمَ خَلِيلًا



الا أحد أحسن ديئًا ممن انقاد بقلبه وسائر جوارحه لله تعالى وحده ★ مائلا عن العقائد الفاسدة و، واتبع دين إبراهيم وشرعه،وهو محسن حاليه الصلاة والسلام- وقد اصطفى الله إبراهيم الشرائع الباطلة إثبات صفة الخُلة لله ، وفي هذه الآية واتخذه صفيًا من بين سائر خلقه والاصطفاء، وهي أعلى مقامات المحبة -تعالى -

باعتبار دین کے اس سے اچھا کون ہے؟ جو اپنے کو الله کے تابع کر ★ ساتھ ہی یکسوئی والے ابراہیم کے دین کی ،دے اور ہو بھی نیکو کار کو الله تعالیٰ نے اپنا (علیہ السلام) پیروی کر رہا ہو اور ابراہیم دوست بنا لیا ہے

★ और दीन (धर्म) की स्पष्ट से उस व्यक्ति से अच्छा कौन हो सकता है, जिसने अपने आपको अल्लाह के आगे झुका दिया और इबराहीम के तरीक़े का अनुसरण करे, जो सबसे कटकर एक का हो गया था? अल्लाह ने इबराहीम को अपना घनिष्ठ मित्र बनाया था

* And who can be better in religion than one who submits his face (himself) to Allah (i.e. follows Allah's Religion of Islamic

Monotheism); and he is a Muhsin (a good-doer - see V. 2:112).



And follows the religion of Ibrahim (Abraham) Hanifa (Islamic Monotheism – to worship none but Allah Alone). And Allah did take Ibrahim (Abraham) as a Khalil (an intimate friend).

আর আল্লাহ্রই যা-কিছু আছে মহাকাশমন্ডলে ও যা-কিছু
 পৃথিবীতে। আর আল্লাহ্ হচ্ছেন সব-কিছুরই বেষ্টনকারী।



★ An-Nisaa (4:126)



وَلِلهِ مَا فِي ٱلسَّمُوٰتِ وَمَا فِي *

ٱلأَرْضِ وَكَانَ ٱللهُ بِكُلِّ شَيْءٍ مُحِيطًا

. فهي ملك له تعالى وحده،ولله جميع ما في هذا الكون من المخلوقات ★ لا يخفى عليه شيء من أمور خلقه،وكان الله تعالى بكل شيء محيطا

آسمانوں اور زمین میں جو کچھ ہے سب الله ہی کا ہے اور الله تعالیٰ 🖈



ہر چیز کو گھیرنے والا ہے

★ जो कुछ आकाशों में और जो कुछ धरती में है, वह अल्लाह ही का है और अल्लाह हर चीज़ को घेरे हुए है

- ★ And to Allah belongs all that is in the heavens and all that is in the earth. And Allah is Ever Encompassing all things.
 - ★ আর নারীদের সন্বন্ধে তারা তোমার কাছে সিদ্ধান্ত চায়। বলো —
 "আল্লাহ্ তাদের সন্বন্ধে তোমাদের কাছে সিদ্ধান্ত দিয়েছেন, আর যা
 তোমাদের কাছে কিতাবখানিতে বর্ণনা করা হয়েছে নারীদের এতীম
 সন্তানদের সন্বন্ধে, যাদের তোমরা দিতে চাও না তাদের জন্য
 নির্ধারিত প্রাপ্য, অথচ তোমরা ইচ্ছা করো যে তাদের তোমরা বিয়ে
 করবে, আর সন্তানসন্ততিদের মধ্যের দুর্বলদের সন্বন্ধে, আর যেন
 এতীমদের প্রতি ন্যায়বিচার করা তোমরা কায়েম করো।" আর
 ভালো বিষয়ের যা-কিছু তোমরা করো, নিঃসন্দেহ আল্লাহ্ সেসন্বন্ধে হচ্ছেন সর্বজ্ঞাতা।

*







إِنَّ إِبْرُهِيمَ كَانَ أُمَّةً قَانِتًا لِلهِ حَنِيقًا وَلَمْ يَكُ مِنَ ٱلمُشْرِكِينَ

لا يميل عن ، وكان طائعا خاضعًا لله،إن إبراهيم كان إمامًا في الخير ★ ، وكان شاكرًا لنعم الله عليه،دين الإسلام موحِّدًا لله غير مشرك به وآتيناه ، وهو الإسلام، وأرشده إلى الطريق المستقيم،اختاره الله لرسالته والولد ،في الدنيا نعمة حسنة من الثناء عليه في الآخِرين والقدوة به وإنه عند الله في الآخرة لمن الصالحين أصحاب المنازل العالية،الصالح

یےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ ★ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

★ निश्चय ही इबराहीम की स्थिति एक समुदाय की थी। वह अल्लाह का आज्ञाकारी और उसकी ओर एकाग्र था। वह कोई बहुदेववादी न था

* Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah,

Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of

those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters,



disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah).

★ নিঃসন্দেহ ইব্রাহীম ছিলেন এক সম্প্রদায়, আল্লাহ্র অনুগত, একনিষ্ঠ। আর তিনি বহুখোদাবাদীদের অন্তর্ভুক্ত ছিলেন না, --



* An-Nahl (16:121)

بس<u>االلهم</u> الرحمن

شَاكِرًا لِأَنْعُمِهِ ٱجْتَبَىٰهُ وَهَدَىٰهُ إِلَىٰ *

صرط مستقيم

لا يميل عن ، وكان طائعا خاضعًا لله،إن إبراهيم كان إمامًا في الخير ★
، وكان شاكرًا لنعم الله عليه،دين الإسلام موحِّدًا لله غير مشرك به
وآتيناه ، وهو الإسلام، وأرشده إلى الطريق المستقيم،اختاره الله لرسالته
والولد ،في الدنيا نعمة حسنة من الثناء عليه في الآخِرين والقدوة به

ا وإنه عند الله في الآخرة لمن الصالحين أصحاب المنازل العالية،الصالح





الله نے انہیں اپنا برگزیدہ کر ،الله تعالیٰ کی نعمتوں کے شکر گزار تھے 🖈 لیا تھا اور انہیں راہ راست سجھا دی تھی

वह उसके (अल्लाह के) उदार अनुग्रहों के प्रति कृतज्ञता दिखलानेवाला
 था। अल्लाह ने उसे चुन लिया और उसे सीधे मार्ग पर चलाया

★ (He was) thankful for His (Allah's) Graces. He (Allah) chose him (as an intimate friend) and guided him to a Straight Path (Islamic Monotheism, neither Judaism nor Christianity).

> ★ তাঁর অনুগ্রহাবলীর জন্য কৃতজ্ঞ। তিনি তাঁকে পরিচালিত করেছিলেন সহজ-সঠিক পথের দিকে।



* An-Nahl (16:122)



وَءَاتَيْنَهُ فِي الدُّنْيَا حَسَنَةً وَإِنَّهُۥ



فِي ٱلْءَاخِرَةِ لَمِنَ ٱلصَّلِحِينَ

- لا يميل عن ، وكان طائعا خاضعًا لله،إن إبراهيم كان إمامًا في الخير ★
 ، وكان شاكرًا لنعم الله عليه،دين الإسلام موحِّدًا لله غير مشرك به
 وآتيناه ، وهو الإسلام، وأرشده إلى الطريق المستقيم،اختاره الله لرسالته
 والولد ،في الدنيا نعمة حسنة من الثناء عليه في الآخِرين والقدوة به
 وإنه عند الله في الآخرة لمن الصالحين أصحاب المنازل العالية،الصالح
- ہم نے اسے دنیا میں بھی بہتری دی تھی اور بےشک وہ آخرت میں ★ بھی نیکوکاروں میں ہیں
- * और हमने उसे दुनिया में भी भलाई दी और आख़िरत में भी वह अच्छे पूर्णकाम लोगों मे से होगा
- ★ And We gave him good in this world, and in the Hereafter he shall be of the righteous.
 - ★ আর আমরা তাঁকে দুনিয়াতে কল্যাণ দিয়েছিলাম, আর তিনি
 পরকালেও নিশ্চয়ই হচ্ছেন সাধুপুরুষদের অন্তর্ভুক্ত।



जो बिलकुल एक ओर का हो गया था और बहुदेववादियों में से न था।"

★ Then, We have inspired you (O Muhammad SAW saying):



"Follow the religion of Ibrahim (Abraham) Hanifa (Islamic Monotheism – to worship none but Allah) and he was not of the Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers, etc.).

★ অতঃপর আমরা তোমার কাছে প্রত্যাদেশ দিয়েছিলাম এই বলে --"একনিষ্ঠ ইব্রাহীমের ধর্মমতের অনুসরণ কর, আর তিনি বহুখোদাবাদীদের মধ্যেকার ছিলেন না।"



* An-Nahl (16:124)



إِتمَا جُعِلَ ٱلسِّبْتُ عَلَى ٱلذِينَ ﴿
الْحُتِلَقُوا فِيهِ وَإِن رَبِّكَ لَيَحْكُمُ بَيْنَهُمْ ﴿
يَوْمَ ٱلْقِيلَمَةِ فِيمَا كَاثُوا فِيهِ يَخْتَلِقُونَ ﴿
يَوْمَ ٱلْقِيلَمَةِ فِيمَا كَاثُوا فِيهِ يَخْتَلِقُونَ

واختاروه بدل يوم الجمعة الذي أُمِروا بتعظيمه،اختلفوا فيه على نبيهم

إنما جعل الله تعظيم يوم السبت بالتفرغ للعبادة فيه على اليهود الذين



ليحكم بين المختلفين يوم القيامة فيما اختلفوا -أيها الرسول- فإن ربك ويجازي كلا بما يستحقه،فيه على نبيهم

ہفتے کے دن کی عظمت تو صرف ان لوگوں کے ذمے ہی ضروری کی بات یہ ہے کہ آپ کا ،گئی تھی جنہوں نے اس میں اختلاف کیا تھا پروردگار خود ہی ان میں ان کے اختلاف کا فیصلہ قیامت کے دن کرے گا

- ★ 'सब्त' तो केवल उन लोगों पर लागू हुआ था जिन्होंने उसके विषय में विभेद किया था। निश्चय ही तुम्हारा रब उनके बीच क़ियामत के दिन उसका फ़ैसला कर देगा, जिसमें वे विभेद करते रहे है
- ★ The Sabbath was only prescribed for those who differed concerning it, and verily, your Lord will judge between them on the Day of Resurrection about that wherein they used to differ.
- ★ নিঃসন্দেহ সাব্বাতের নিয়ম ধার্য করা হয়েছিল কেবল তাদের জন্য যারা এ-সন্বন্ধে মতভেদ করেছিল। আর তোমার প্রভু অবশ্যই

তাদের মধ্যে কিয়ামতের দিনে মীমাংসা করে দেবেন যে-বিষয়ে





، أما هدايتهم فعلى الله وحده، وقد بلغت، فما عليك إلا البلاغ اللين



وهو أعلم بالمهتدين،فهو أعلم بمن ضلّ عن سبيله

اپنے رب کی راہ کی طرف لوگوں کو حکمت اور بہترین نصیحت کے ★ یقینا آپ کا ،ساتھ بلایئے اور ان سے بہترین طریقے سے گفتگو کیجئے رب اپنی راہ سے بہکنے والوں کو بھی بخوبی جانتا ہے اور وہ راہ یافتہ لوگوں سے بھی پورا واقف ہے

★ अपने रब के मार्ग की ओर तत्वदर्शिता और सदुपदेश के साथ बुलाओ और उनसे ऐसे ढंग से वाद विवाद करो जो उत्तम हो। तुम्हारा रब उसे भली-भाँति जानता है जो उसके मार्ग से भटक गया और वह उन्हें भी भली-भाँति जानता है जो मार्ग पर है

★ Invite (mankind, O Muhammad SAVV) to the Way of your Lord (i.e. Islam) with wisdom (i.e. with the Divine Inspiration and the Quran) and fair preaching, and argue with them in a way that is better. Truly, your Lord knows best who has gone astray from His Path, and He is the Best Aware of those who are guided.

🖈 তোমার প্রভুর রাস্তায় আহ্বান করো জ্ঞান ও সুষ্ঠু উপদেশের দ্বারা,

<mark>...Folio.....</mark>60



আর তাদের সাথে পর্যালোচনা কর এমনভাবে যা শ্রেষ্ঠ। নিঃসন্দেহ তোমার প্রভু স্বয়ং ভাল জানেন তাকে যে তাঁর পথ থেকে ভ্রষ্ট হয়েছে, আর তিনি ভাল জানেন সৎপথাবলন্বীদের।



* An-Nahl (16:126)



وَإِنْ عَاقَبْتُمْ فُعَاقِبُواْ بِمِثْلِ مَا * عُوقِبْتُم بِهِ وَلَئِن صَبَرْتُمْ لَهُوَ خَيْرٌ عُوقِبْتُم لِهُوَ خَيْرٌ

لِلصبرينَ

فلا تزيدوا عما ، القصاص ممن اعتدوا عليكم-أيها المؤمنون- وإن أردتم ★ وفي الآخرة بالأ، ولئن صبرتم لهو خير لكم في الدنيا بالنصر،فعلوه بكم جر العظيم

اور اگر بدلہ لو بھی تو بالکل اتنا ہی جتنا صدمہ تمہیں پہنچایا گیا

ہو اور اگر صبر کرلو تو بےشک صابروں کے لئے یہی بہتر ہے



और यदि तुम बदला लो तो उतना ही जितना तुम्हें कष्ट पहुँचा हो, किन्तु यदि तुम सब्र करो तो निश्चय ही यह सब्र करनेवालों के लिए ज़्यादा अच्छा है

* And if you punish (your enemy, O you believers in the Oneness of Allah), then punish them with the like of that with which you were afflicted. But if you endure patiently, verily, it is better for As-Sabirin (the patient ones, etc.).

★ আর যদি তোমরা আঘাত দাও তবে আঘাত দিয়ো যেমন তোমাদের আঘাত দেওয়া হয়েছিল তেমনিভাবে। আর যদি তোমরা অধ্যাবসায় অবলম্বন কর সেটি তাহলে অধ্যবসায়ীদের জন্য আরো

ভাল।



وَأَصْبِرْ وَمَا صَبْرُكَ إِلَّا بِٱللهِ وَلَا حَلَىٰ ﴿ تَحْزُنْ عَلَيْهِمْ وَلَا تَكُ فِى ضَيْقٍ مِّمًا يَمْكُرُونَ

على ما أصابك مِن أذى في الله حتى يأتيك -أيها الرسول- واصبر ★
ولا تحزن ، فهو الذي يعينك عليه ويثبتك، وما صبرك إلا بالله،الفرج
ولا تغتم مِن مكرهم وكيدهم؛ ،على مَن خالفك ولم يستجب لدعوتك
فإن ذلك عائد عليهم بالشر والوبال

آپ صبر کریں بغیر توفیق الہی کے آپ صبر کر ہی نہیں سکتے اور ★ ان کے حال پر رنجیدہ نہ ہوں اور جو مکر وفریب یہ کرتے رہتے ہیں ان سے تنگ دل نہ ہوں

सब्र से काम लो - और तुम्हारा सब्र अल्लाह ही से सम्बद्ध है - और
 उन पर दुखी न हो और न उससे दिल तंग हो जो चालें वे चलते है

* And endure you patiently (O Muhammad SAVV), your patience is not but from Allah. And grieve not over them

(polytheists and pagans, etc.), and be not distressed because



of what they plot.

শ্রু আর তুমি অধ্যবসায় অবলন্বন কর, আর তোমার অধ্যবসায় আল্লাহ্ থেকে বৈ নয়, আর তুমি তাদের কারণে আফসোস করো না, আর তুমি মনঃক্ষুন্ন হয়ো না তারা যা চক্রান্ত করে সেজন্য।

* _____

* An-Nahl (16:128)

بساراللهم اللاحمان

إِنَّ ٱللهَ مَعَ ٱلذِينَ ٱتَّقُوا وَٱلذِينَ *

هُم مُحْسِنُونَ

إن الله سبحانه وتعالى مع الذين اتقوه بامتثال ما أمر واجتناب ما نهى ومع الذين يحسنون أداء فرائضه والقيام بحقوقه ولزوم ،بالنصر والتأييد بعونه وتوفيقه ونصره،طلعته

یقین مانو کہ الله تعالیٰ پرہیزگاروں اور نیک کاروں کے ساتھ ہے 🖈





🖈 निश्चय ही, अल्लाह उनके साथ है जो डर रखते है और जो उत्तमकार है

Truly, Allah is with those who fear Him (keep their duty unto Him), and those who are Muhsinun (good-doers, - see the footnote of V. 9:120).

★ নিঃসন্দেহ আল্লাহ্ তাদের সাথে রয়েছেন যারা ধর্মপরায়ণতা অবলম্বন করে ও যারা স্বয়ং সৎকর্মপরায়ণ।



★ Al-A'laa (87:14)



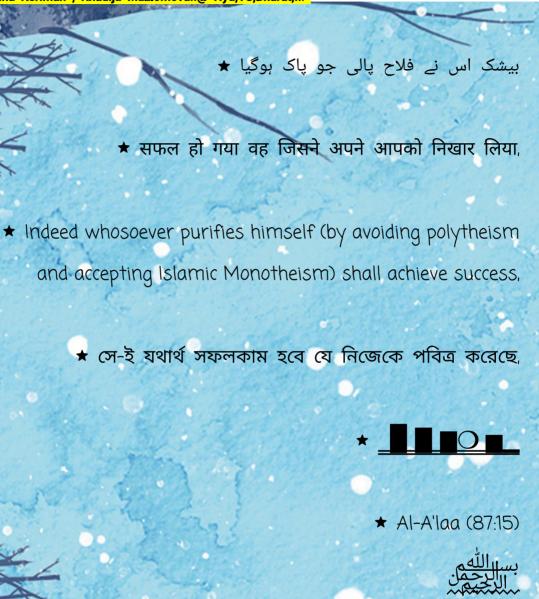
قد أقلح من تزكي *

فوحَده ودعاه ، وذكر الله،قد فاز من طهر نفسه من الأخلاق السيئة * وأقام الصلاة في أوقاتها؛ ابتغاء رضوان الله وامتثالا ،وعمل بما يرضيه

لشرعه







وَدُكرَ أَسْمَ رَبِّهِ عُصليٰ *

فوحّده ودعاه ، وذكر الله،قد فاز مَن طهر نفسه من الأخلاق السيئة ★ وأقام الصلاة في أوقاتها؛ ابتغاء رضوان الله وامتثالا ،وعمل بما يرضيه

لشرعه



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLA AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

اور جس نے اپنے رب کا نام یاد رکھا اور نماز پڑھتا رہا ★

* और अपने रब के नाम का स्मरण किया, अतः नमाज़ अससलाह अदा की

★ And remembers (glorifies) the Name of his Lord (worships none but Allah), and prays (five compulsory prayers and Nawafil additional prayers).

★ এবং তার প্রভুর নাম স্মরণ করে, আর নামায अससलाह পড়ে।



بَلْ تُؤْثِرُونَ ٱلْحَيَوٰةَ ٱلدُنْيَا *

ِ تفضِّلون زينة الحياة الدنيا على نعيم الآخرة−أيها الناس− إنكم ★

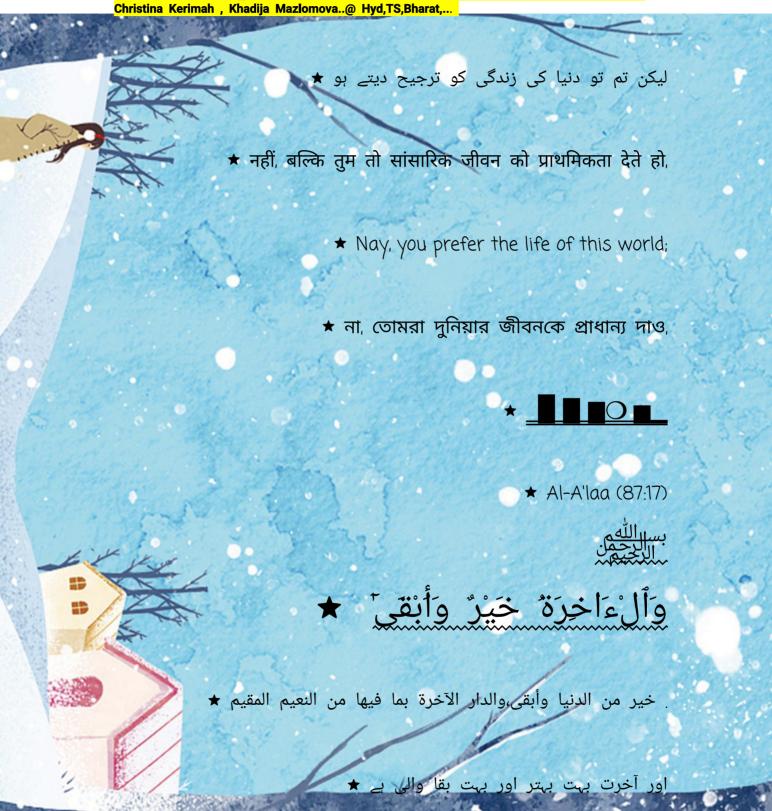


ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah∰, Hanifa (i.e. to worship none but Allah∰), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah∰, and those who joined partners with Allah∰).

Beta AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

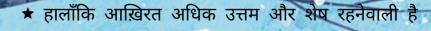




ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLA AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...



- ★ Although the Hereafter is better and more lasting.
 - 🖈 অথচ পরকালই বেশি ভাল ও দীর্ঘস্থায়ী।



★ Al-A'laa (87:18)



إنّ هٰذَا لَفِي ٱلصّحُفِ ٱلأُولِيٰ *

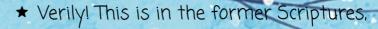
إن ما أخبرتم به في هذه السورة هو مما ثبت معناه في الصُحف اله . وهي صُحف إبراهيم وموسى عليهما السلام،أنزلت قبل القرآن

یہ باتیں پہلی کتابوں میں بھی ہیں 🖈

निस्संदेह यही बात पहले की किताबों में भी है







🖈 নিঃসন্দেহ এইসব আছে পূর্ববর্তী ধর্মগ্রন্থে --



★ Al-A'laa (87:19)



صُحُف إِبْرُهِيمَ وَمُوسَىٰ *

إن ما أخبرتم به في هذه السورة هو مما ثبت معناه في الصُحف التي ★ . وهي صُحف إبراهيم وموسى عليهما السلام،أنزلت قبل القرآن

میں کتابوں کی موسیٰ اور ابراہیم (یعنی) ★

★ इबराईम और मूसा की किताबों में

★ The Scriptures of Ibrahim (Abraham) and Musa (Moses).







* Al-Bagara (2:124)

بساراللهم الرجيمان

وَإِذِ ٱبْتَلَىٰ إِبْرَٰهِۦمَ رَبُهُۥ بِكِلِمَٰتٍ ۗ فأتمّهُن قالَ إِتِى جَاعِلُكَ لِلنّاسِ إِمَامًا قالَ وَمِن دُرِّيْتِي قالَ لا يَنَالُ عَهْدِي

ألظلمين

، حين اختبر الله إبراهيم بما شرع له من تكاليف-أيها النبي-واذكر ★ قال إني جاعلك قدوة للناس: قال الله له فأدّاها وقام بها خير قيام فأجابه الله سبحانه أنه ، ربِّ اجعل بعض نسلي أئمة فضلا منك إبراهيم لا تحصل للظالمين الإمامة في الدين

آزمایا اور انہوں نے سب کو پورا کردیا تو اللّٰہ نے فرمایا کہ میں

...Folio.....71



ب ایراہم ﴿علیہ السلام *

، اور میری اولاد کو: عرض کرنے لگے،تمہیں لوگوں کا امام بنا <mark>دوں گا</mark> فرمایا میرا وعدہ ظالموں سے نہیں

और याद करो जब इबराहीम की उसके रब से कुछ बातों में परीक्षा ली तो उसने उसको पूरा कर दिखाया। उसने कहा, "मैं तुझे सारे इनसानों का पेशवा बनानेवाला हूँ।" उसने निवेदन किया, " और मेरी सन्तान में भी।" उसने कहा, "ज़ालिम मेरे इस वादे के अन्तर्गत नहीं आ सकते।"

★ And (remember) when the Lord of Ibrahim (Abraham) [i.e., Allah] tried him with (certain) Commands, which he fulfilled. He (Allah) said (to him), "Verily, I am going to make you a leader (Prophet) of mankind." [Ibrahim (Abraham)] said, "And of my offspring (to make leaders)." (Allah) said, "My Covenant (Prophethood, etc.) includes not Zalimun (polytheists and wrong-doers)."

আর স্মরণ করো। ইব্রাহীমকে তাঁর প্রভু কয়েকটি নির্দেশ দ্বারা
 পরীক্ষা করলেন, আর তিনি সেগুলো সম্পাদন করলেন। তিনি
 বললেন -- "আমি নিশ্চয়ই তোমাকে মানবজাতির জন্য ইমাম

করতে যাচ্ছি।" তিনি বললেন -- "আর আমার বংশধরগণ থেকে?"

<mark>...Folio.....7</mark>2



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah∰, Hanifa (i.e. to worship none but Allah∰), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah∰, and those who joined partners with Allah∰).

Beta AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

তিনি বললেন -- "আমার অঙ্গীকার অন্যায়কারীদের উপরে বর্তায়

না।"



* Al-Bagara (2:125)



وَإِدْ جَعَلْنَا ٱلْبَيْتَ مَثَابَةً لِلنَّاسِ وَأَمْنًا * وَٱتْخِدُوا مِن مَقَامٍ إِبْرَهِ مَ مُصَلِّى وَعَهِدْتَا إِلَى إِبْرَهِ مَ وَإِسْمَعِيلَ أَن وَعَهِدْتَا إِلَى إِبْرَهِ مَ وَإِسْمَعِيلَ أَن طَهِرَا بَيْتِيَ لِلطَّائِفِينَ وَٱلْعَكِفِينَ وَٱلْعَكِفِينَ وَٱلْعَكِفِينَ وَٱلْعَكِفِينَ وَٱلْمُحُودِ وَالْرُكَعِ ٱلسُّجُودِ

ثم يرجعون ، يأتونه، حين جعلنا الكعبة مرجعًا للناس-أيها النبي- واذكر ★ ومجمعًا لهم في الحج والعمرة والطواف و، ثم يعودون إليه،إلى أهليهم اتخِذوا من مقام ؛ وقلنا للا يُغِير عليهم عدو فيه، وأمنًا لهم،الصلاة

وهو الحجر الذي وقف عليه إبراهيم عند ،إبراهيم مكانًا للصلاة فيه



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah), Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

أن طهرا بيتي من كل : وأوحينا إلى إبراهيم وابنه إسماعيل بنائه الكعبة أو الاعتكاف في ،رجس ودنس؛ للمتعبدين فيه بالطواف حول الكعبة والصلاة فيه،المسجد

،ہم نے بیت الله کو لوگوں کے لئے ثواب اور امن وامان کی جگہ بنائی ★

﴾ ہم نے ابراہیم ﴿علیہ السلام،تم مقام ابراہیم کو جائے نماز مقرر کرلو

سے وعدہ لیا کہ تم میرے گھر کو طواف ﴾اور اسماعیل ﴿علیہ السلام

کرنے والوں اور اعتکاف کرنے والوں اور رکوع سجدہ کرنے والوں کے

لئے یاک صاف رکھو

* और याद करो जब हमने इस घर (काबा) को लोगों को लिए केन्द्र और शान्तिस्थल बनाया - और, "इबराहीम के स्थल में से किसी जगह को निमाज़ अससलाह की जगह बना लो!" - और इबराहीम और इसमाईल को ज़िम्मेदार बनाया। "तुम मेरे इस घर को तवाफ़ करनेवालों और एतिकाफ़ करनेवालों के लिए और रुकू और सजदा करनेवालों के लिए पाक-साफ़ रखो।"

* And (remember) when We made the House (the Ka'bah at Makkah) a place of resort for mankind and a place of safety.

And take you (people) the Magam (place) of Ibrahim



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

(Abraham) [or the stone on which Ibrahim (Abraham) stood while he was building the Ka'bah] as a place of prayer (for some of your prayers, e.g. two Rak'at after the Tawaf of the Ka'bah at Makkah), and We commanded Ibrahim (Abraham) and Isma'il (Ishmael) that they should purify My House (the Ka'bah at Makkah) for those who are circumambulating it, or staying (I'tikaf), or bowing or prostrating themselves (there, in prayer).

★ আর চেয়ে দেখো! আমরা গৃহকে মানুষের জন্য সম্মেলনস্থল ও
 নিরাপত্তা-স্থান বানিয়েছিলাম। আর "মক্কাম-ই-ইব্রাহীমকে
উপাসনা-ভূমি করো।" আর আমরা ইব্রাহীম ও ইসমাইলের প্রতি
 নির্দেশ দিয়েছিলাম -- "আমার গৃহ পবিত্র করে রেখো
 তওয়াফকারীদের ও ই'তিকাফকারীদের ও রুকু-সিজদাকারীদের
 জন্য।"







ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah).

BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. \$By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

وَإِذْ قُالَ إِبْرَهِ مَ رَبِّ أَجْعَلْ هَٰذَا لَهُ بَلِدًا عَامِنًا وَأَرْزُقْ أَهْلُهُ مِنْ الْتُمَرَّتِ مَن عَامَنَ مِنْهُم بِاللهِ وَالْيَوْمِ الْعَاجِرِ مَنْ عَامَنَ مِنْهُم بِاللهِ وَالْيَوْمِ الْعَاجِرِ قَالَ وَمَن كَفَرَ قُلْمَتِّعُهُ وَلِيلًا ثُمَّ قَالَ وَمَن كَفَرَ قُلْمَتِّعُهُ وَلِيلًا ثُمَّ قَالَ وَمَن كَفَرَ قُلْمَتِعُهُ وَلِيلًا ثُمَّ قَالَ وَمِنْسَ أَضْطُرُهُ وَ إِنْسَ أَلْمَصِيرُ الْمَصِيرُ الْمَصِيرُ

بلدًا آمنًا "مكة" ربِ اجعل: حين قال إبراهيم داعيًا-أيها النبي- واذكر ★ وخُصَ بهذا الرزق مَن آمن ، وارزق أهله من أنواع الثمرات،من الخوف ومن كفر منهم فأرزقه في الدنيا : قال الله منهم بالله واليوم الآخر وبئس المرجع ووأمتعه متاعًا قليلا ثم ألجئه مرغمًا إلى عذاب النار المقام هذا المصير

تو اس جگہ کو امن والا شہر بنا ا اے پروردگار،جب ابراہیم نے کہا اور یہاں کے باشندوں کو جو الله تعالیٰ پر اور قیامت کے دن پر اور یہاں کی روزیاں دے الله تعالیٰ نے فرمایا،ایمان رکھنے والے ہوں ا

پھر انہیں آگ کے عذاب کی ،میں کافروں کو بھی تھوڑا فائدہ دوں گا



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLA Lalanus Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

یہ پہنچنے کی جگہ بری ہے،طرف بےبس کردوں گا

* और याद करो जब इबराहीम ने कहा, "ऐ मेरे रब! इसे शान्तिमय भू-भाग बना दे और इसके उन निवासियों को फलों की रोज़ी दे जो उनमें से अल्लाह और अन्तिम दिन पर ईमान लाएँ।" कहा, "और जो इनकार करेगा थोड़ा फ़ायदा तो उसे भी दूँगा, फिर उसे घसीटकर आग की यातना की ओर पहुँचा दूँगा और वह बहुत-ही बुरा ठिकाना है!"

★ And (remember) when Ibrahim (Abraham) said, "My Lord, make this city (Makkah) a place of security and provide its people with fruits, such of them as believe in Allah and the Last Day." He (Allah) answered: "As for him who disbelieves, I shall leave him in contentment for a while, then I shall compel him to the torment of the Fire, and worst indeed is that destination!"

আর স্মরণ করো৷ ইব্রাহীম বললেন -- "আমার প্রভু৷ এটিকে তুমি নিরাপদ নগর বানাও, আর এর লোকদের ফলফসল দিয়ে জীবিকা দান করো -- তাদের যারা আল্লাহ্তে ও আখেরাতের

দিনে ঈমান এনেছে।" তিনি বললেন -- "আর যে অবিশ্বাস পোষণ



بیشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے. وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

করবে তাকে আমি ক্ষণেকের জন্য ভোগ করতে দেব, তারপর তাড়িয়ে নেব আগুনের শাস্তির দিকে, আর নিকৃষ্ট গন্তব্যস্থল।"



* Al-Bagara (2:127)



وَإِذْ يَرْفُعُ إِبْرُهِ مُ القواعِدَ مِنَ *
الْبَيْتِ وَإِسْمُعِيلُ رَبِّنَا تَقْبَلُ مِنَّا إِتْكَ
الْبَيْتِ وَإِسْمُعِيلُ رَبِّنَا تَقْبَلُ مِنَّا إِتْكَ
الْبَيْتِ وَإِسْمُعِيلُ الْعَلِيمُ

وهما ، حين رفع إبراهيم وإسماعيل أسس الكعبة-أيها النبي- واذكر * إنك أنت ، ربنا تقبل منا صالح أعمالنا ودعاءنا يدعوان الله في خشوع العليم بأحوالهم،السميع لأقوال عبادك

کعبہ کی بنیادیں ﴾ اور اسماعیل ﴿علیہ السلام﴾ ابراہیم ﴿علیہ السلام ★ ااور دیواریں اٹھاتے جاتے تھے اور کہتے جارہے تھے کہ ہمارے پروردگار

تو ہی سننے والا اور جاننے والا ہے،تو ہم سے قبول فرما



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

- और याद करो जब इबराहीम और इसमाईल इस घर की बुनियादें उठा रहे थे, (तो उन्होंने प्रार्थना की), "ऐ हमारे रब! हमारी ओर से इसे स्वीकार कर ले, निस्संदेह तू सुनता-जानता है
- ★ And (remember) when Ibrahim (Abraham) and (his son) Isma'il (Ishmael) were raising the foundations of the House (the Ka'bah at Makkah), (saying), "Our Lord! Accept (this service) from us. Verily! You are the All-Hearer, the All-Knower."
- ★ আর স্মরণ করো। ইব্রাহীম গৃহের ভিত্তি গেথেঁ তুললেন, আর ইসমাইল। "আমাদের প্রভু। আমাদের থেকে তুমি গ্রহণ করো। নিঃসন্দেহ তুমি নিজেই সর্বশ্রোতা, সর্বজ্ঞাতা।



رَبِّنَا وَأَجْعَلْنَا مُسْلِمَيْنَ لَكَ وَمِنَ ﴿ دُرِيَّتِنَا أُمَّةً مُسْلِمَةً لَكَ وَأُرِنَا مَنَاسِكِنَا وَتُبْ عَلَيْنَا إِنْكَ أَنْتَ ٱلتَّوَّابُ ٱلرّحِيمُ

واجعل من ذريتنا ، منقادَيْن لأحكامك،ربنا واجعلنا ثابتَيْن على الإسلام ★
. وتجاوز عن ذنوبنا، وبصِّرْنا بمعالم عبادتنا لك، بالإيمان،أمة منقادة لك
. إنك أنت كثير التوبة والرحمة لعبادك

ہمیں اپنا فرمانبردار بنا لے اور ہماری اولاد میں سے اِاے ہمارے رب ★
بھی ایک جماعت کو اپنی اطاعت گزار رکھ اور ہمیں اپنی عبادتیں
تو توبہ قبول فرمانے والا اور رحم ،سکھا اور ہماری توبہ قبول فرما
وکرم کرنے والا ہے

★ ऐ हमारे रब! हम दोनों को अपना आज्ञाकारी बना और हमारी संतान में से अपना एक आज्ञाकारी समुदाय बना; और हमें हमारे इबादत के तरीक़े बता और हमारी तौबा क़बूल कर। निस्संदेह तू तौबा क़बूल करनेवाला, अत्यन्त दयावान है

★ "Our Lord! And make us submissive unto You and of our



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

offspring a nation submissive unto You, and show us our Manasik (all the ceremonies of pilgrimage – Hajj and 'Umrah, etc.); and accept our repentance. Truly, You are the One Who accepts repentance, the Most Merciful.

★ "আমাদের প্রভু\ আর তোমার প্রতি আমাদের মুসলিম করে রেখো, আর আমাদের সন্তানসন্ততিদের থেকে তোমার প্রতি মুসলিম উম্মৎ, আর আমাদের উপাসনা-প্রণালী আমাদের দেখিয়ে দাও, আর আমাদের তওবা কবুল করো, নিঃসন্দেহ তুমি নিজেই তওবা কবুলকারী, অফুরন্ত ফলদাতা।



* Al-Bagara (2:129)



رَبّنَا وَأَبْعَثْ فِيهِمْ رَسُولًا مِنْهُمْ *
يَتْلُوا عَلَيْهِمْ ءَايْتِكَ وَيُعَلِّمُهُمُ ٱلْكِتَّبِ

وَٱلحِكَمَةُ وَيُرْكِيهِمْ إِنْكَ أَنْتَ ٱلْعَزِيرُ



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah), Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

ألحكيم

ربنا وابعث في هذه الأمة رسولا من ذرية إسماعيل يتلو عليهم آياتك إنك أنت ويطهرهم من الشرك وسوء الأخلاق،ويعلمهم القرآن والسنة الحكيم الذي يضع الأشياء في ،العزيز الذي لا يمتنع عليه شيء مواضعها

ان میں انہی میں سے رسول بھیج جو ان کے پاس اِاے ہمارے رب ★
، انہیں کتاب وحکمت سکھائے اور انہیں پاک کرے،تیری آیتیں پڑھے
یقینا تو غلبہ والا اور حکمت والا ہے

★ ऐ हमारे रब। उनमें उन्हीं में से एक ऐसा रसूल उठा जो उन्हें तेरी आयतें सुनाए और उनको किताब और तत्वदर्शिता की शिक्षा दे और उन (की आत्मा) को विकसित करे। निस्संदेह तू प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है

*Our Lord! Send amongst them a Messenger of their own (and indeed Allah answered their invocation by sending Muhammad Peace be upon him), who shall recite unto them

Your Verses and instruct them in the Book (this Quran) and

Al-Hikmah (full knowledge of the Islamic laws and



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLA AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

jurisprudence or wisdom or Prophethood, etc.), and sanctify them. Verily! You are the All-Mighty, the All-Wise."

ত্থামাদের প্রভু। তাদের মাঝে তাদের থেকে রসূল উত্থাপন করো
যিনি তোমার প্রত্যাদেশসমূহ তাদের কাছে পড়ে শোনাবেন, আর
তাদের শেখাবেন ধর্মগ্রন্থ ও জ্ঞান-বিজ্ঞান, আর তাদের পবিত্র
করবেন। নিশ্চয়ই তুমি নিজেই মহাশক্তিশালী, পরমজ্ঞানী।"



* Al-Baqara (2:130)



ولقد ، إلا سفيه جاهل-وهو الإسلام- ولا أحد يُعرض عن دين إبراهيم ★



بیشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat....

اخترناً إبراهيم في الدنيا نبيًا ورسولا وإنه في الآخرة لمن الصالحين الذين لهم أعلى الدرجات

ہم نے ،دین ابراہیمی سے وہی بےرغبتی کرے گا جو محض بےوقوف ہو ۔ تو اسے دنیا میں بھی برگزیدہ کیا تھا اور آخرت میں بھی وہ نیکوکاروں میں سے ہے

★ कौन है जो इबराहीम के पंथ से मुँह मोड़े सिवाय उसके जिसने स्वयं को पतित कर लिया? और उसे तो हमने दुनिया में चुन लिया था और निस्संदेह आख़िरत में उसकी गणना योग्य लोगों में होगी

* And who turns away from the religion of Ibrahim (Abraham)

(i.e. Islamic Monotheism) except him who befools himself?

Truly, We chose him in this world and verily, in the Hereafter he will be among the righteous.

★ আর যে ইব্রাহীমের ধর্মমত থেকে অপসৃত হয় সে ছাড়া আর কে নিজেকে নির্বোধ বানায়? আর অবশ্যই আমরা তাঁকে এই দুনিয়াতে মনোনীত করেছিলাম, আর নিঃসন্দেহে তিনি আখেরাতে হবেন

ধার্মিকদের অন্যতম।



یےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hvd,TS,Bharat....



★ When his Lord said to him, "Submit (i.e. be a Muslim)!" He



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

said, "I have submitted myself (as a Muslim) to the Lord of the 'Alamin (mankind, jinns and all that exists)."

★ স্মরণ করো। তাঁর প্রভু তাঁকে বললেন -- "ইসলাম গ্রহণ করো।"
তিনি বললেন -- "আমি সমস্ত সৃষ্টজগতের প্রভুর কাছে আত্মসমর্পণ
করছি।"



* Al-An'aam (6:161)



قُلْ إِتنِي هَدَانِي رَبِّي إِلَىٰ صِرَاطٍ

مُسْتَقِيمٍ دِينًا قِيَمًا مِلَّةَ إِبْرَاهِيمَ حَنِيقًا

ً وَمَا كَانَ مِنَ الْمُشْرِكِينِ

你说:我的主己指引我一条正路,即正教,崇正的易卜拉欣的宗教。他不是以物配主的人。

ہے بتادیا راستہ سیدھا ایک نے رب میرے کو مجھ کہ دیجئے کہہ آپ ★



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

کا (السلام علیہ) ابراہیم ہے طریقہ جو ہے مستحکم دین ایک وہ کہ نہ سے میں والوں کرنے شرک وہ اور تھے۔ یکسو طرف کی الله جو تھے

Say (O Muhammad SAVV): "Truly, my Lord has guided me to a Straight Path, a right religion, the religion of Ibrahim (Abraham), Hanifa [i.e. the true Islamic Monotheism – to believe in One God (Allah i.e. to worship none but Allah, Alone)] and he was not of Al-Mushrikun (see V. 2:105)."

 ★ বলো -- "নিঃসন্দেহ আমার প্রভু আমাকে পরিচালনা করেছেন সহজ-সঠিক পথের দিকে -- এক সুষ্ঠাঙ্গ ধর্মে -- একনিষ্ঠ ইব্রাহীমের ধর্মমতে, আর তিনি বহুখোদাবাদীদের অন্তর্ভুক্ত ছিলেন না।"

★ कहो, "मेरे रब ने मुझे सीधा मार्ग दिखा दिया है, बिल्कुल ठीक धर्म, इबराहीम के पंथ की ओर जो सबसे कटकर एक (अल्लाह) का हो गया था और वह बहुदेववादियों में से न था।"





بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

* Al-Bagara (2:132)

بسااللهم اللحماد

وَوَصَى بِهَا إِبْرُهِ مُ بَنِيهِ وَيَعْقُوبُ ﴿
يُبَنِى إِنَ ٱللهَ ٱصْطُفَى لَكُمُ ٱلدِّينَ فَلَا يَبْنِى إِنَّ ٱللهَ ٱصْطُفَى لَكُمُ ٱلدِّينَ فَلَا يَبُنِى إِنَّ ٱللهَ ٱصْطُفَى لَكُمُ ٱلدِّينَ فَلَا تَمُونَ إِلَّا وَأَنتُم مُسْلِمُونَ مَسْلِمُونَ

يا :وحث إبراهيم ويعقوب أبناءهما على الثبات على الإسلام قائليْن ★ وهو دين الإسلام الذي جاء به -أبناءنا إن الله اختار لكم هذا الدين ولا يأتكم الموت ، فلا تفارقوه أيام حياتكم-محمد صلى الله عليه وسلم إلا وأنتم عليه

کہ ہمارے ،اسی کی وصیت ابراہیم اور یعقوب نے اپنی اولادکو کی 🖈 ا ا خبردار، الله تعالیٰ نے تمہارے لئے اس دین کو پسند فرمالیا ہےابچو تم مسلمان ہی مرنا

🖈 और इसी की वसीयत इबराहीम ने अपने बेटों को की और याक़ूब ने भी

(अपनी सन्तानों को की) कि, "ऐ मेरे बेटों! अल्लाह ने तुम्हारे लिए यही



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

दीन (धर्म) चुना है, तो इस्लाम (ईश-आज्ञापालन) को अतिरिक्त किसी और दशा में तुम्हारी मृत्यु न हो।"

★ And this (submission to Allah, Islam) was enjoined by Ibrahim (Abraham) upon his sons and by Ya'qub (Jacob), (saying), "O my sons! Allah has chosen for you the (true) religion, then die not except in the Faith of Islam (as Muslims - Islamic Monotheism)."

★ আর ইব্রাহীম তাঁর সন্তানদের এইটির ভারার্পণ করেছিলেন, আর ইয়াকুব। "হে আমার সন্তানসন্তি। নিশ্চয় আল্লাহ্ তোমাদের জন্য এই ধর্ম মনোনীত করেছেন, অতএব তোমরা প্রাণত্যাগ করো না তোমরা মুসলিম না হয়ে।"



امْ كُنتُمْ شَهْدَاءُ إِذْ حَضَرَ يَعْقُوبَ



بیشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے. وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah.

By

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

اَلْمَوْتُ إِذْ قَالَ لِبَنِيهِ مَا تَعْبُدُونَ مِنَ الْمُوْتُ إِلَّهَا وَاللهُ ءَابَائِكَ بَعْدِى قَالُوا نَعْبُدُ إِلْهَكَ وَإِللهُ ءَابَائِكَ إِلْهَكَ وَإِللهُ ءَابَائِكَ إِلْهَكَ وَإِللهُ عَابَائِكَ إِلْهًا وَحِدًا إِبْرَهِ مَ وَإِسْمُعِيلَ وَإِسْحُقَ إِلْهًا وَحِدًا وَتَحْنُ لُهُ مُسْلِمُونَ وَإِسْحُقَ إِلَّهًا وَحِدًا وَتَحْنُ لُهُ مُسْلِمُونَ

إذ جمع أبناءه ،أكنتم أيها اليهود حاضرين حين جاء الموتُ يعقوبَ ★
نعبد إلهك وإله آبائك إبراهيم :وسألهم ما تعبدون من بعد موتي؟ قالوا
ونحن له منقادون خاضعون،وإسماعيل وإسحاق إلهًا واحدًا

یعقوب کے انتقال کے وقت تم موجود تھے؟ جب انہوں (حضرت) کیا ٭ نے اپنی اولاد کو کہا کہ میرے بعد تم کس کی عبادت کرو گے؟ تو سب نے جواب دیا کہ آپ کے معبود کی اور آپ کے آباواجداد ابرہیم

﴾ اور اسحاق ﴿علیہ السلام﴾ اور اسماعیل ﴿علیہ السلام﴾ علیہ السلام
کے معبود کی جو معبود ایک ہی ہے اور ہم اسی کے فرمانبردار رہیں
گے

★ (क्या तुम इबराहीम के वसीयत करते समय मौजूद थे? या तुम मौजूद थे

जब याक़ूब की मृत्यु का समय आया? जब उसने बेटों से कहा, "तुम मेरे



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah). Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. \$\pi\$By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova.. \$\phi\$Hyd,TS,Bharat,...

पश्चात किसकी इबादत करोगे?" उन्होंने कहा, "हम आपके इष्ट-पूज्य और आपके पूर्वज इबराहीम और इसमाईल और इसहाक़ के इष्ट-पूज्य की बन्दगी करेंगे - जो अकेला इष्ट-पूज्य है, और हम उसी के आज्ञाकारी (मुस्लिम) हैं।"

* Or were you witnesses when death approached Ya'qub (Jacob)? When he said unto his sons, "What will you worship after me?" They said, "We shall worship your llah (God - Allah), the Ilah (God) of your fathers, Ibrahim (Abraham), Isma'il (Ishmael), Ishaque (Isaac), One Ilah (God), and to Him we submit (in Islam)."

* অথবা তোমরা কি প্রত্যক্ষদর্শী ছিলে যখন ইয়াকুবের মৃত্যু এসেছিল, যখন তিনি তাঁর সন্তানদের বলেছিলেন -- "তোমরা আমার পরে কার এবাদত করবে?" ওরা বলেছিল -- "আমরা এবাদত করব তোমার উপাস্যের ও তোমার পিতৃপুরুষ ইব্রাহীম ও ইসমাইল ও ইসহাকের উপাস্যের -- একক উপাস্যের, আর তাঁর কাছে আমরা মুসলিম।"





* Al-Bagara (2:134)

بس<u>االلهم</u> اللاجمان الرجيمان

تِلكَ أُمّةٌ قُدْ خَلَتْ لَهَا مَا كَسَبَتْ وَلَكُم مَّا كَسَبْتُمْ وَلَا تُسْ ُلُونَ عَمَّا كَانُوا ْ يَعْمَلُونَ كَانُوا ْ يَعْمَلُونَ

ولا تُسْأَلُون ، ولكم أعمَالكم، لهم أعمالهم،تلك أُمّة من أسلافكم قد مضَتْ * لا ، وكلُ سيجازى بما فعله، وهم لا يُسْأَلُون عن أعمالكم،عن أعمالهم ولا ينفعُ أحدًا إلا إيمانُه وتقواه،يؤاخذ أحد بذنب أحد

جو انہوں نے کیا وہ ان کے لئے ہے اور جو ،یہ جماعت تو گزر چکے تم کرو گے تمہارے لئے ہے۔ ان کے اعمال کے بارے میں تم نہیں پوچھے جاؤ گے

★ वह एक गिरोह था जो गुज़र चुका, जो कुछ उसने कमाया वह उसका है,
और जो कुछ तुमने कमाया वह तुम्हारा है। और जो कुछ वे करते रहे

उसके विषय में तुमसे कोई पूछताछ न की जाएगी



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

★ That was a nation who has passed away. They shall receive the reward of what they earned and you of what you earn. And you will not be asked of what they used to do.

★ এরা ঐসব লোক যারা গত হয়ে গেছে। তাদের জন্য আছে যা তারা অর্জন করেছিল আর তোমাদের জন্য যা তোমরা অর্জন করছ, আর তোমাদের জবাবদিহি করতে হবে না ওরা যা করছিল সে সন্বন্ধে।



★ Al-Bagara (2:135)



وَقَالُواْ كُوثُواْ هُودًا أَوْ تَصَرَىٰ ۗ ۗ تَهْتَدُواْ قُلْ بَلْ مِلَةَ إِبْرُهِۦمَ حَنِيقًا وَمَا كَانَ مِنَ ٱلْمُشْرِكِينَ



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

ادخلوا في دين وقالت اليهود لأمّة محمد صلى الله عليه وسلم * أيها - قل لهم وقالت النصارى لهم مثل ذلك،اليهودية تجدوا الهداية الذي مال عن كل ، ملة إبراهيم- جميعًا- بل الهداية أن نتبع:-الرسول وما كان من المشركين بالله تعالى،دين باطل إلى دين الحق

یہ کہتے ہیں کہ یہود و نصاری ٰ بن جاؤ تو ہدایت پاؤ گے۔ تم کہو ★ اور ابراہیم خالص الله کے ،بلکہ صحیح راہ پر ملت ابراہیمی والے ہیں پرستار تھے اور مشرک نہ تھے

★ वे कहते हैं, "यहूदी या ईसाई हो जाओ तो मार्ग पर लोगे।" कहो, "नहीं, बिल्क इबराहीम का पंथ अपनाओ जो एक (अल्लाह) का हो गया था, और वह बहुदेववादियों में से न था।"

★ And they say, "Be Jews or Christians, then you will be guided." Say (to them, O Muhammad Peace be upon him), "Nay, (VVe follow) only the religion of Ibrahim (Abraham), Hanifa [Islamic Monotheism, i.e. to worship none but Allah (Alone)], and he was not of Al-Mushrikun (those who worshipped others along with Allah - see V. 2:105)."

ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah∰, Hanifa (i.e. to worship none but Allah∰), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah∰, and those who joined partners with Allah∰).

Beta AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

আর তারা বলে -- "ইহুদীয় বা খ্রীষ্টান হও, তোমরা হেদায়ত পাবে।"
 তুমি বলো -- "বরং অনন্যচিত্ত ইব্রাহীমের ধর্মমত। আর তিনি
মুশরিকদের অন্তর্ভুক্ত ছিলেন না?"



* Al-Bagara (2:136)



قولوا عَامَنا بِاللهِ وَمَا أَنزِلَ إِلَيْنَا ★
وَمَا أُنزِلَ إِلَى إِبْرُهِ مَ وَإِسْمَعِيلَ
وَاسْحُقَ وَيَعْقُوبَ وَاللَّسْبَاطِ وَمَا
أُوتِى مُوسَى وَعِيسَى وَمَا أُوتِى
أُوتِى مُوسَى وَعِيسَى وَمَا أُوتِى
أُلْتِيوُنَ مِن رَبِّهِمْ لَا تُقْرِقُ بَيْنَ أَحَدِ
مِنْهُمْ وَنَحْنُ لِهُ مُسْلِمُونَ

وبما أنزل إلينا من القرآن الذي أوحاه الله إلى نبيه ،المعبود بحق

...Folio.....95

ب صدقنا بالله الواحد



الله اليهود والنصاري-أيها المؤمنون- قولوا 🖈

ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah), Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

وما أنزل من الصحف إلى إبراهيم ،ورسوله محمد صلى الله عليه وسلم وهم الأنبياء من ولد - وإلى يعقوب والأسباط،وابنيه إسماعيل وإسحاق وما أعطي -يعقوب الذين كانوا في قبائل بني إسرائيل الاثنتي عشرة وما أعطي الأنبياء جميعًا من ، وعيسى من الإنجيل،موسى من التوراة ونحن خاضعون لله ب، لا نفرق بين أحد منهم في الإيمان،وحي ربهم الطاعة والعبادة

تم سب کہو کہ ہم الله پر ایمان لائے اور اس چیز پر ااے مسلمانو ★
بھی جو ہماری طرف اتاری گئی اور جو چیز ابراہیم اسماعیل اسحاق
اور ان کی اولاد پر اتاری گئی اور جو کچھ (علیہم السلام) یعقوب
اور دوسرے انبیا (علیہما السلام) الله کی جانب سے موسیٰ اور عیسیٰ
دیئے گئے۔ ہم ان میں سے کسی کے درمیان فرق نہیں (علیہم السلام)
ہم الله کے فرمانبردار ہیں،کرتے

कहो, "हम ईमान लाए अल्लाह पर और उस चीज़ पर जो हमारी ओर से उतरी और जो इबराहीम और इसमाईल और इसहाक़ और याक़ूब और उसकी संतान की ओर उतरी, और जो मूसा और ईसा को मिली, और जो सभी नबियों को उनके रब की ओर से प्रदान की गई। हम उनमें से किसी के बीच अन्तर नहीं करते और हम केवल उसी के आज्ञाकारी हैं।" بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

★ Say (O Muslims), "We believe in Allah and that which has been sent down to us and that which has been sent down to Ibrahim (Abraham), Isma'il (Ishmael), Ishaque (Isaac), Ya'qub (Jacob), and to Al-Asbat [the twelve sons of Ya'qub (Jacob)], and that which has been given to Musa (Moses) and 'lesa (Jesus), and that which has been given to the Prophets from their Lord. We make no distinction between any of them, and to Him we have submitted (in Islam)."

★ তোমরা বলো — "আমরা আল্লাহ্তে ঈমান এনেছি, আর তাতে যা আমাদের জন্য নাযিল হয়েছে, আর যা নাযিল হয়েছিল ইব্রাহীমের কাছে, আর ইসমাইল ও ইসহাক, আর ইয়াকুব এবং বিভিন্ন গোত্রের কাছে, আর যা দেয়া হয়েছিল মূসাকে এবং ঈসাকে, আর যা সকল নবীদের তাঁদের প্রভুর কাছ থেকে দেয়া হয়েছিল।
 আমরা তাঁদের কোনো একজনের মধ্যেও পার্থক্য করি না। আর আমরা তাঁরই কাছে মুসলিম হচ্ছি।"

0

★ Al-Bagara (2:137)



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah , Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah , and those who joined partners with Allah),

Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah , Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

فَإِنْ ءَامَنُواْ بِمِثْلِ مَا ءَامَنتُم بِهِ۔ فقد أَهْنَدَواْ وَإِن تَوَلُواْ فَإِتْمَا هُمْ فِ شِقَاقٍ فُسَيَكُفِيكُهُمُ ٱللهُ وَهُوَ ٱلسّمِيعُ

مما ،فإنْ آمن الكفار من اليهود والنصارى وغيرهم بمثل الذي آمنتم به
وإن أعرضوا فإنما هم في خلا، فقد اهتدوا إلى الحق،جاء به الرسول
وهو ، شرّهم وينصرك عليهم-أيها الرسول- فسيكفيك الله،ف شديد
العليم بأحوالكم،السميع لأقوالكم

اور اگر منھ موڑیں تو ،اگر وہ تم جیسا ایمان لائیں تو ہدایت پائیں *
الله تعالی ان سے عنقریب آپ کی کفایت ،وہ صریح اختلاف میں ہیں
کرے گا اور وہ خوب سننے اور جاننے والا ہے

★ फिर यदि वे उसी तरह ईमान लाएँ जिस तरह तुम ईमान लाए हो, तो उन्होंने मार्ग पा लिया। और यदि वे मुँह मोड़े, तो फिर वही विरोध में

पड़े हुए है। अतः तुम्हारी जगह स्वयं अल्लाह उनसे निबटने के लिए



काफ़ी है; वह सब कुछ सुनता, जानता है

★ So if they believe in the like of that which you believe, then they are rightly guided, but if they turn away, then they are only in opposition. So Allah will suffice you against them. And He is the All-Hearer, the All-Knower.

 ★ এবার যদি তারা ঈমান আনত যেভাবে তোমরা তাঁর প্রতি ঈমান আনছো, তাহলে নিঃসন্দেহ তারা হেদায়ত পেতো, আর যদি তারা ফিরে যায় তাহলে অবশ্যই তারা বিরোধিতাতে নিময়। অতএব আল্লাহই তাদের বিরুদ্ধে তোমার জন্য যথেষ্ট, কারণ তিনিই সর্বশ্রোতা, সর্বজ্ঞাতা।





بیشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLA AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

صِبْغَةً وَتَحْنُ لَهُ عَبِدُونَ

فليس هناك أحسنُ مِن فطرة الله ،الزموا دين الله الذي فطركم عليه * فالزموها وقولوا نحن خاضعون مطيعون لربنا ،التي فطر الناس عليها في اتباعنا ملة إبراهيم

الله کا رنگ اختیار کرو اور الله تعالیٰ سے اچھا رنگ کس کا ہوگا؟ ہم ★ تو اسی کی عبادت کرنے والے ہیں

★ (कहो,) "अल्लाह का रंग ग्रहण करो, उसके रंग से अच्छा और किसका रंह हो सकता है? और हम तो उसी की बन्दगी करते हैं।"

★ [Our Sibghah (religion) is] the Sibghah (Religion) of Allah (Islam) and which Sibghah (religion) can be better than Allah's? And we are His worshippers. [Tafsir Ibn Kathir.]

"আল্লাহ্র রঙ। আর রঙের ক্ষেত্রে আল্লাহ্র চাইতে কে বেশী সুন্দর? আর আমরা তাঁরই উপাসনাকারী।"





بیشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLA AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

* Al-Bagara (2:139)

بسااللهم اللحمل

قلْ أَتْحَاجُونَنَا فِى ٱللهِ وَهُوَ رَبُنَا وَرَبُكُمْ وَلَنَا أَعْمَلْنَا وَلَكُمْ أَعْمَلُكُمْ وَنَحْنُ لَهُۥ مُخْلِصُونَ

، أتجادلوننا في توحيد الله والإخلاص له:-أيها الرسول لأهل الكتاب- قل ★
ولنا أعمالنا ولكم ، لا يختص بقوم دون قوم،وهو رب العالمين جميعًا
ولا نعبد ، ونحن لله مخلصو العبادة والطاعة لا نشرك به شيئًا،أعمالكم
أحدًا غيره

آپ کہہ دیجیئے کیا تم ہم سے الله کے بارے میں جھگڑتے ہو جو ہو ہم ہمارے لئے ہمارا اور تمہارا رب ہے ہمارے لئے ہمارا اور تمہارا رب ہے ہمات اسی کے لئے مخلص ہیں،تمہارے اعمال

🛨 कहो, "क्या तुम अल्लाह के विषय में हमसे झगड़ते हो, हालाँकि वही

हमारा रब भी है, और तुम्हारा रब भी? और हमारे लिए हमारे कर्म हैं



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

और तुम्हारे लिए तुम्हारे कर्म। और हम तो बस निरे उसी के है।"

★ Say (O Muhammad Peace be upon him to the Jews and Christians), "Dispute you with us about Allah while He is our Lord and your Lord? And we are to be rewarded for our deeds and you for your deeds. And we are sincere to Him in worship and obedience (i.e. we worship Him Alone and none else, and we obey His Orders)."

★ বলো -- "তোমরা কি আমাদের সঙ্গে আল্লাহ্র সন্বন্ধে হুজ্জত করছ অথচ তিনি আমাদের প্রভু, তোমাদেরও প্রভু? আর আমাদের কাজ আমাদের হবে, ও তোমাদের কাজ তোমাদের হবে। আর আমরা তাঁরই প্রতি একান্ত অনুরক্ত।"





وَاسْحَقَ وَيَعْقُوبَ وَٱلنَّسْبَاطَ كَاثُواْ هُودًا أَوْ نَصَرَىٰ قُلْ عَأْنَتُمْ أَعْلَمُ أَمْ اللهُ وَمَنْ أَطْلَمُ مِمَّن كَتَمَ شَهَدَةً عِندَهُ وَمَنَ الله وَمَا الله بِعْفِلٍ عَمّا عِندَهُ وَمِنَ اللهِ وَمَا الله بِعْفِلٍ عَمّا تَعْمَلُونَ

إن إبراهيم وإسماعيل وإسحاق ويعقوب :بل أتقولون مجادلين في الله له وهم الأنبياء الذين كانوا في قبائل بني إسرائيل الاثنتي -والأسباط كانوا على دين اليهود أو النصارى؟ وهذا كذب؛ -عشرة من ولد يعقوب -أيها الرسول قل لهم فقد بُعِثوا وماتوا قبل نزول التوراة والإنجيل أأنتم أعلم بدينهم أم الله تعالى؟ وقد أخبر في القرآن بأنهم كانوا ولا أحد أظلم منكم حين تخفون شهادة ثابتة عندكم ،حنفاء مسلمين وما الله بغافل عن وتدّعون خلافها افتراء على الله،من الله تعالى بل هو مُحْص لها ومجازيكم عليها،شيء من أعمالكم

علیہم) کیا تم کہتے ہو کہ ابراہیم اور آسماعیل اور اسحاق اور یعقوب 🖈 اور ان کی اولاد یہودی یا نصرانی تھے؟ کہہ دو کہ کیا تم (السلام

یا الله تعالیٰ؟ الله کے پاس شہادت چھپانے والے سے ،زیادہ جانتے ہو



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, diolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah).

BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. \$By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

زیادہ ظالم اور کون ہے؟ اور الله تمہارے کاموں سے غافل نہیں

★ या तुम कहते हो कि इबराहीम और इसमाईल और इसहाक़ और याक़ूब और उनकी संतान सब के सब यहूदी या ईसाई थे? कहो, "तुम अधिक जानते हो या अल्लाह? और उससे बढ़कर ज़ालिम कौन होगा, जिसके पास अल्लाह की ओर से आई हुई कोई गवाही हो, और वह उसे छिपाए? और जो कुछ तुम कर रहे हो, अल्लाह उससे बेखबर नहीं है।"

★ Or say you that Ibrahim (Abraham), Isma'il (Ishmael), Ishaque (Isaac), Ya'qub (Jacob) and Al-Asbat [the twelve sons of Ya'qub (Jacob)] were Jews or Christians? Say, "Do you know better or does Allah (knows better... that they all were Muslims)? And who is more unjust than he who conceals the testimony [i.e. to believe in Prophet Muhammad Peace be upon him when he comes, written in their Books. (See Verse 7:157)] he has from Allah? And Allah is not unaware of what you do."

\star অথবা তোমরা কি বলো যে ইব্রাহীম ও ইসমাইল ও ইসহাক ও

ইয়াকুব এবং বিভিন্ন গোত্রেরা ইহুদী অথবা খ্রীষ্টান ছিলেন? বলো



بیشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے. وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

— "তোমরা কি বেশি জানো, না আল্লাহ্? আর তাঁর চাইতে কে বেশি অন্যায় করছে যে গোপন করছে সেই সাক্ষ্য যা আল্লাহ্র কাছ থেকে সে পেয়েছে? আর তোমরা যা করছ সে সন্বন্ধে আল্লাহ্ বেখেয়াল নন।



* Al-Bagara (2:141)

بس<u>ارالله</u>م مرازجيمان

تِلكَ أُمّةٌ قَدْ خَلَتْ لَهَا مَا كَسَبَتْ *
وَلَكُم مَا كَسَبْتُمْ وَلَا تُسْ ُلُونَ عَمّا
كَاثُوا ْ يَعْمَلُونَ
كَاثُوا ْ يَعْمَلُونَ

ولا تُسْأَلُون ، لهم أعمالهم ولكم أعمالكم،تلك أُمّة من أسلافكم قد مضّت * وفي الآية قطع للتعلق بـ وهم لا يُسْأَلُون عن أعمالكم،عن أعمالهم وأن العبرة بالإيمان بالله ، وعدم الاغترار بالانتساب إليهم،المخلوقين وأن من كفر برسول منهم فقد كفر بسائر ، واتباع رسله،وعبادته وحده

الرسل



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

جو انہوں نے کیا ان کے لئے ہے اور جو تم ،یہ امت ہے جو گزرچکی ، تم ان کےاعمال کے بارے میں سوال نہ کئے جاؤ ،نے کیا تمہارے لئے ئے

- ★ वह एक गिरोह थो जो गुज़र चुका, जो कुछ उसने कमाया वह उसके लिए है और जो कुछ तुमने कमाया वह तुम्हारे लिए है। और तुमसे उसके विषय में न पूछा जाएगा, जो कुछ वे करते रहे है
- ★ That was a nation who has passed away. They shall receive the reward of what they earned, and you of what you earn. And you will not be asked of what they used to do.
- ★ এরা ঐসব লোক যারা গত হয়ে গেছে। তাদের জন্য আছে যা তারা অর্জন করেছিল, আর তোমাদের জন্য যা তোমরা অর্জন করছ, আর তোমাদের জবাবদিহি করতে হবে না ওরা যা করছিল সে-সন্বন্ধে।

<mark>...Folio.....</mark>106

یےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے. وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah∰, Hanifa (i.e. to worship none but Allah∰), and he was not one of those who were

Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah∰, and those who joined partners with Allah∰).

BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By

Christina Kerimah , Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

★ Al-Baqara (2:258)

بسراللهم اللهم

إبرة م ربى الدى يحى ويميت قال

أَنَا أَخْيَ وَأُمِيتُ قَالَ إِبْرُهِ مُ فَإِنَّ

أللهَ يَأْتِي بِٱلشَّمْسِ مِنَ ٱلْمَشْرِقِ فَأْتِ

بِهَا مِنَ ٱلمَعْرِبِ فَبُهِتَ ٱلذِي كَفَرَ

وَٱللهُ لَا يَهْدِي ٱلقَوْمَ ٱلظَّلِمِينَ

أعجب من حال هذا الذي جادل إبراهيم عليه -أيها الرسول- هل رأيت السلام في توحيد الله تعالى وربوبيته؛ لأن الله أعطاه المُلك فتجبّر ربي الذي يحيي الخلائق : من ربُك؟ فقال عليه السلام:وسأل إبراهيم أنا : قال، فهو المتفرد بالإحياء والإماتة، ويسلبها الحياة فتموت،فتحيا ، وأستبقي من أردت استبقاءه، أي أقتل من أردت قتْله،أحيي وأميت

فهل ، إن الله الذي أعبده يأتي بالشمس من المشرق_:فقال له إبراهيم



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah), Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

تستطيع تغيير هذه السُنّة الإلهية بأن تجعلها تأتي من المغرب؛ فتحيّر شأنه شأن الظالمين لا يهديهم الله إلى ،هذا الكافر وانقطعت حجته الحق والصواب

سے (علیہ السلام) کیا تونے اسے نہیں دیکھا جو سلطنت پا کر ابراہیم ★
نے (علیہ السلام) جب ابراہیم،اس کے رب کے بارے میں جھگڑ رہا تھا
وہ کہنے لگا ،کہا کہ میرا رب تو وہ ہے جو جلاتا ہے اور مارتا ہے
نے کہا الله تعالیٰ (علیہ السلام) ابراہیم،میں بھی جلاتا اور مارتا ہوں
سورج کو مشرق کی طرف سے لے آتا ہے تو اسے مغرب کی جانب
اور الله تعالیٰ ظالموں کو ،سے لے آ۔ اب تو وہ کافر بھونچکا رہ گیا
ہدایت نہیں دیتا

★ क्या तुमने उनको नहीं देखा, जिसने इबराहीम से उसके 'रब' के सिलिसिले में झगड़ा किया था, इस कारण कि अल्लाह ने उसको राज्य दे रखा था? जब इबराहीम ने कहा, "मेरा 'रब' वह है जो जिलाता और मारता है।" उसने कहा, "मैं भी तो जिलाता और मारता हूँ।" इबराहीम ने कहा, "अच्छा तो अल्लाह सूर्य को पूरब से लाता है, तो तू उसे पश्चिम से ले आ।" इसपर वह अधर्मी चिकत रह गया। अल्लाह ज़ालिम लोगों को सीधा मार्ग नहीं दिखाता ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah), Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. \$By

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

- ★ Have you not looked at him who disputed with Ibrahim (Abraham) about his Lord (Allah), because Allah had given him the kingdom? When Ibrahim (Abraham) said (to him): "My Lord (Allah) is He Who gives life and causes death." He said, "I give life and cause death." Ibrahim (Abraham) said, "Verily! Allah causes the sun to rise from the east; then cause it you to rise from the west." So the disbeliever was utterly defeated. And Allah guides not the people, who are Zalimun (wrong-doers, etc.).
- ★ তুমি কি তার কথা ভেবে দেখো নি যে ইব্রাহীমের সাথে তাঁর প্রভুর
 সম্বন্ধে ঝগড়া করছিল যেহেতু আল্লাহ্ তাঁকে রাজত্ব দিয়েছিলেন?
 স্মরণ করো৷ ইব্রাহীম বলেছিলেন -- "আমার প্রভু তিনি যিনি
 জীবনদান করেন এবং মৃত্যু ঘটান।" সে বলল -- "আমি জীবন
 দিয়ে রাখতে পারি এবং মৃত্যু ঘটাতে পারি।" ইব্রাহীম বলেছিলেন
 -- "আল্লাহ্ কিন্তু সূর্যকে পূর্বদিক থেকে নিয়ে আসেন তুমি তাহলে
 তাকে পশ্চিমদিক থেকে নিয়ে এস।" এইভাবে সে হেরে গেল যে
 অবিশ্বাস পোষণ করেছিল। আর আল্লাহ্ জুলুমকারী জাতিকে
 হেদায়ত করেন না।

رور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے۔

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, & Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christing Kerimah, Khadiia Mazlomova, Allah Bharat



<mark>...Folio.....</mark>110



An-Nahl (16:120)

ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah∰, Hanifa (i.e. to worship none but Allah∰), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah∰, and those who joined partners with Allah∰).

Beta AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...









...Folio.....112

Adh-Dhaariyat (51:25)



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

إِدْ دَخَلُواْ عَلَيْهِ فَقَالُواْ سَلَمًا قَالَ سَلَمٌ قَوْمٌ مُنكرُونَ

اور) ابراہیم نے جواب سلام دیا،وہ جب ان کے ہاں آئے تو سلام کیا ★ اجنبی لوگ ہیں(کہا یہ تو

★ When they came in to him, and said, "Salam, (peace be upon you)!" He answered; "Salam, (peace be upon you)," and said: "You are a people unknown to me,"

★ তারা যখন তাঁর দরবারে প্রবেশ করল তারা তখন বললে --"সালাম"। তিনিও বললেন -- "সালাম", অপরিচিত লোক।

क जब वे उसके पास आए तो कहा, "सलाम है तुमपर।" उसने भी कहा, "सलाम है आप लोगों पर भी।" (और जी में कहा) "ये तो अपरिचित लोग

हैं।"



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah), Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...



سَمِير٠

اپنے گھر والوں کی طرف گئے اور ایک (چپ چاپ جلدی جلدی) پھر ★ لائے(کا گوشت) فربہ بچھڑے

★ Then he turned to his household, so brought out a roasted calf [as the property of Ibrahim (Abraham) was mainly cows].

★ তিনি তখন তাঁর পরিবারের কাছে নীরবে ছুটলেন এবং একটি পুষ্ট বাছুর নিয়ে এলেন,

★ फिर वह चुपके से अपने घरवालों के पास गया और एक मोटा-ताज़ा बछड़ा (का भूना हुआ मांस) ले आया





ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah∰, Hanifa (i.e. to worship none but Allah∰), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah∰, and those who joined partners with Allah∰).

Beta AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...



<mark>...Folio.....</mark>115



بیشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

فَأُوْجَسَ مِنْهُمْ خِيفَةً قَالُواْ لَا تَخَفْ وَبَشَرُوهُ بِعُلْمٍ عَلِيمٍ

پھر تو دل ہی دل میں ان سے خوفزدہ ہوگئے انہوں نے کہا آپ خوف ★ کو ایک علم والے لڑکے (حضرت ابراہیم) نہ کیجئے۔ اور انہوں نے اس کی بشارت دی

★ Then he conceived a fear of them (when they ate not). They said: "Fear not." And they gave him glad tidings of an intelligent son, having knowledge (about Allah and His religion of True Monotheism).

সুতরাং তাদের সম্পর্কে তিনি ভয়় অনুভব করলেন। তারা বললে
 -- "ভয়় করো না।" পক্ষান্তরে তারা তাঁকে সুসংবাদ দিল এক
 জ্ঞানবান ছেলের।

★ फिर उसने दिल में उनसे डर महसूस किया। उन्होंने कहा, "डिरए नहीं।"
और उन्होंने उसे एक ज्ञानवान लड़के की मंगल-सूचना दी

<mark>...Folio.....</mark>116



یےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...



(Abraham) with glad tidings. They said: Salam (greetings or peace!) He answered, Salam (greetings or peace!) and he hastened to entertain them with a roasted calf.

★ আর আমাদের বাণীবাহকরা ইব্রাহীমের কাছে এসেছিলেন সুসংবাদ



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

নিয়ে, তারা বললে -- "সালাম"। তিনিও বললেন -- "সালাম", আর তিনি দেরি করলেন না একটি কাবাব করা গোরুর বাছুর আনতে।

★ और हमारे भेजे हुए (फ़रिश्ते) इबराहीम के पास शुभ सूचना लेकर पहुँचे। उन्होंने कहा, "सलाम हो!" उसने भी कहा, "सलाम हो।" फिर उसने कुछ विलम्भ न किया, एक भुना हुआ बछड़ा ले आया



★ Hud (11:74)



فَلَمّا دَهَبَ عَنْ إِبْرُهِيمَ ٱلرَّوْعُ ★ وَجَآءَتُهُ ٱلبُشْرَىٰ يُجِدِلْنَا فِي قَوْمٍ -

لوط

جب ابراہیم کا ڈر خوف جاتا رہا اور اسے بشارت بھی پہنچ چکی تو ٭ ہم سے قوم لوط کے بارے میں کہنے سننے لگے

<mark>...Folio.....</mark>118



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

- ★ Then when the fear had gone away from (the mind of)
 Ibrahim (Abraham), and the glad tidings had reached him, he
 began to plead with Us (Our Messengers) for the people of
 Lout (Lot).
- ★ তারপর যখন ইব্রাহীমের থেকে ভয় চলে গেল এবং তাঁর কাছে সুসংবাদ এল তখন তিনি আমাদের কাছে কাকুতি-মিনতি শুরু করলেন লূতের লোকদের সম্পর্কে।
- ★ फिर जब इबराहीम की घबराहट दूर हो गई और उसे शुभ सूचना भी मिली तो वह लूत की क़ौम के विषय में हम से झगड़ने लगा



یقیناً ابراہیم بہت تحمل والے نرم دل اور الله کی جانب جھکنے والے ★



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah∰, Hanifa (i.e. to worship none but Allah∰), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah∰, and those who joined partners with Allah∰).

Beta AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

★ Verily, Ibrahim (Abraham) was, without doubt, forbearing, used to invoke Allah with humility, and was repentant (to Allah all the time, again and again).

★ নিঃসন্দেহ ইব্রাহীম তো ছিলেন সহনশীল, কোমল হৃদয়, সতত প্রত্যাবর্তনকারী।

★ निस्संदेह इबराहीम बड़ा ही सहनशील, कोमल हृदय, हमारी ओर रुजू (प्रवृत्त) होनेवाला था



* Hud (11:76)



يَّابْرُهِيمُ أَعْرِضْ عَنْ هَٰذَآ

إِنَّهُ قَدْ جَاءَ أَمْرُ رَبِّكَ وَإِنَّهُمْ

<mark>...Folio.....</mark>120



یےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے. وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah∰, Hanifa (i.e. to worship none but Allah∰), and he was not one of those who were

Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah∰, and those who joined partners with Allah∰).

But the property of the partners with Allah∰.

Christina Kerimah , Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

ءَاتِيهِمْ عَدَابٌ غَيْرُ مَرْدُودٍ

آپ کے رب کا حکم آپہنچا ہے، اس خیال کو چھوڑ دیجئے!اے ابراہیم · اور ان پر نہ ٹالے جانے والا عذاب ضرور آنے والا ہے،

★ "O Ibrahim (Abraham)! Forsake this. Indeed, the Commandment of your Lord has gone forth. Verily, there will come a torment for them which cannot be turned back"

★ "হে ইব্রাহীম। এ থেকে ক্ষান্ত হও, নিঃসন্দেহ তোমাদের প্রভুর বিধান এসে পড়েছে, আর ওদের ক্ষেত্রে — শাস্তি তাদের উপরে আসবেই, তা ফেরানো যাবে না।"

* "ऐ ईबराहीम! इसे छोड़ दो। तुम्हारे रब का आदेश आ चुका है और निश्चय ही उनपर न टलनेवाली यातना आनेवाली है।"



Al-Bagara (2:260)



یےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے. وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah∰, Hanifa (i.e. to worship none but Allah∰), and he was not one of those who were

Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah∰, and those who joined partners with Allah∰).

BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By

Christina Kerimah , Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

وَإِذْ قَالَ إِبْرَاهِ مُ رَبِّ أُرِنِي كَيْفَ *
ثَخْى الْمَوْتِي قَالَ أُولَمْ تُؤْمِن قَالَ
بَلَى وَلَكِن لِيَطْمَئِنَ قَلِي قَالَ فَحُدْ
بَلَى وَلَكِن لِيَطْمَئِنَ قَلِي قَالَ فَحُدْ
أَرْبَعَةً مِّنَ الطَيْرِ فَصُرْهُنَ إِلَيْكَ ثُمّ
أَدْعُهُنَ عَلَى كُلِّ جَبَلِ مِنْهُنَ جُزْءًا ثُمّ
أَدْعُهُنَ يَأْتِينَكَ سَعْيًا وَأَعْلَمْ أَنَ اللّهَ
عَزِيرٌ حَكِيمٌ

فقال ، طلب إبراهيم من ربه أن يريه كيفية البعث-أيها الرسول- واذكر ، ولكن أطلب ذلك لأزداد يقينًا على يقيني، بلى: أوّلم تؤمن؟ قال:الله له ثم اجعل ، فخذ أربعة من الطير فاضممهن إليك واذبحهن وقطعهن:قال فنادى إبراهيم . ثم نادهن يأتينك مسرعات،على كل جبل منهن جزءًا . وإذا بها تأتي مسرعة، فإذا كل جزء يعود إلى موضعه،عليه السلام حكيم في أقواله وأفعاله وشرعه ،واعلم أن الله عزيز لا يغلبه شيء

ۣوقدره



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLA AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

مجھے اِ نے کہا کہ اے میرے پروردگار(علیہ السلام) اور جب ابراہیم *
(جناب باری تعالیٰ نے) دکھا تو مُردوں کو کس طرح زندہ کرے گا؟
کیا تمہیں ایمان نہیں؟ جواب دیا ایمان تو ہے لیکن میرے دل ،فرمایا
، ان کے ٹکڑے کر ڈالو، فرمایا چار پرند لو،کی تسکین ہو جائے گی
تمہارے ،پھر ہر پہاڑ پر ان کا ایک ایک ٹکڑا رکھ دو پھر انہیں پکارو
پاس دوڑتے ہوئے آجائیں گے اور جان رکھو کہ الله تعالیٰ غالب ہے
حکمتوں والا ہے

★ और याद करो जब इबराहीम ने कहा, "ऐ मेरे रब। मुझे दिखा दे, तू मुर्दों को कैसे जीवित करेगा?" कहा," क्या तुझे विश्वास नहीं?" उसने कहा,"क्यों नहीं, किन्तु निवेदन इसलिए है कि मेरा दिल संतुष्ट हो जाए।" कहा, "अच्छा, तो चार पक्षी ले, फिर उन्हें अपने साथ भली-भाँति हिला-मिला से, फिर उनमें से प्रत्येक को एक-एक पर्वत पर रख दे, फिर उनको पुकार, वे तेरे पास लपककर आएँगे। और जान ले कि अल्लाह अत्यन्त प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है।"

* And (remember) when Ibrahim (Abraham) said, "My Lord! Show me how You give life to the dead." He (Allah) said: "Do

you not believe?" He [Ibrahim (Abraham)] said: "Yes (I believe),



بےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھ<mark>ے</mark> Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah 鄉, Hanifa (i.e. to worship none but Allah 鄉), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah , and those who joined Christina Kerimah , Khadija Mazlomova..@ Hyd,TS,Bharat,...

but to be stronger in Faith." He said: "Take four birds, then cause them to incline towards you (then slaughter them, cut them into pieces), and then put a portion of them on every hill, and call them, they will come to you in haste. And know that Allah is All-Mighty, All-Wise."

🖈 আর স্মরণ করো৷ ইব্রাহীন বললেন -- "আমার প্রভু৷ আমাকে দেখাও কেমন করে তুমি মৃতকে জীবিত করো।" তিনি বললেন --"তুমি কি বিশ্বাস করো না?" তিনি বললেন,"না, তবে যাতে আমার হৃদয় শান্ত হয়।" তিনি বললেন -- "তা হলে পাখীদের চারটি তুমি নাও ও তাদের তোমার প্রতি অনুগত করো, তারপর প্রতিটি পাহাড়ে তাদের এক একটি অংশ স্থাপন করো, তারপর তাদের ডাক দাও, তারা ছুটে আসবে তোমার কাছে। আর জেনে রেখো, নিঃসন্দেহ আল্লাহ্ মহাশক্তিশালী, পরমজ্ঞানী।"





ایے سک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, Bet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

يَّأُهْلَ ٱلْكِتَٰبِ لِمَ تُحَاجُونَ فِى ۗ إِبْرُهِيمَ وَمَآ أُنزِلتِ ٱلتَّوْرَئةُ وَٱلْإِنجِيلُ إِلَّا مِنُ بَعْدِهِۦٓ أَفْلًا تَعْقِلُونَ

كيف يجادل كل منكم ،يا أصحاب الكتب المنزلة من اليهود والنصارى ★ وما أنزلت التوراة والإنجيل ،في أن إبراهيم عليه السلام كان على ملته إن إبراهيم كان يهوديا أو إلا من بعده؟ أفلا تفقهون خطأ قولكم وقد علمتم أن اليهودية والنصرانية حدثت بعد وفاته بحين؟،نصرانيا

تم ابراہیم کی بابت کیوں جھگڑتے ہو حالانکہ تورات اِاے اہل کتاب ★ کیا تم پھر بھی نہیں سمجھتے؟،وانجیل تو ان کے بعد نازل کی گئیں

"ऐ किताबवालो। तुम इबराहीम के विषय में हमसे क्यों झगड़ते हो? जबिक तौरात और इंजील तो उसके पश्चात उतारी गई है, तो क्या तुम समझ से काम नहीं लेते?

★ O people of the Scripture (Jews and Christians)! Why do you

dispute about Ibrahim (Abraham), while the Taurat (Torah)



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah), Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

and the Injeel (Gospel) were not revealed till after him? Have you then no sense?

হৈ গ্রন্থধারিগণ। তোমরা কেন ইব্রাহীম সম্বন্ধে হুজ্জত করো, অথচ তওরাত ও ইনজীল তাঁর পরে ছাড়া অবতীর্ণ হয় নি? তোমরা কি তাহলে বুঝো না?



★ Aal-i-Imraan (3:66)



هَأُنتُمْ هَوُلاءِ حُجَجْتُمْ فِيمَا لَكُم بِهِ

عِلمٌ فَلِمَ تُحَآجُونَ فِيمَا لَيْسَ لَكُم

به عِلمٌ وَٱللهُ يَعْلَمُ وَأَنتُمْ لَا تَعْلَمُونَ

ها أنتم يا هؤلاء جادلتم رسول الله محمدًا صلى الله عليه وسلم فيما * فلِمَ ، مما تعتقدون صحته في كتبكم،لكم به علم من أمر دينكم

تجادلون فيما ليس لكم به علم من أمر إبراهيم؟ والله يعلم الأمور على



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

وأنتم لا تعلمون،خفائها

- تم لوگ اس میں جھگڑ چکے جس کا تمہیں علم تھا پھر اب استو ★ اس بات میں کیوں جھگڑتے ہو جس کا تمہیں علم ہی نہیں؟ اور الله ،تعالیٰ جانتا ہے اور تم نہیں جانتے
- ★ "ये तुम लोग हो कि उसके विषय में वाद-विवाद कर चुके जिसका तुम्हें कुछ ज्ञान था। अब उसके विषय में क्यों वाद-विवाद करते हो, जिसके विषय में तुम्हें कुछ भी ज्ञान नहीं? अल्लाह जानता है, तुम नहीं जानते"
- ★ Verily, you are those who have disputed about that of which you have knowledge. Why do you then dispute concerning that which you have no knowledge? It is Allah Who knows, and you know not.
- ★ দেখো। তোমরাই তারা যারা তর্ক করেছ যে-বিষয়ে তোমাদের জ্ঞান ছিল, তবে কেন তোমরা হুজ্জত করছো যে বিষয়ে তোমাদের সম্যক জ্ঞান নেই? আর আল্লাহ্ জানেন, অথচ তোমরা জানো না।





بیشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

* Aal-i-Imraan (3:67)

بساراللهم اللحماد

مَا كَانَ إِبْرُهِيمُ يَهُودِيًّا وَلَا تَصْرَانِيًّا

وَلَٰكِن كَانَ حَنِيقًا مُسْلِمًا وَمَا كَانَ مِنَ

ٱلمُشْرِكِينَ

فلم تكن اليهودية ولا النصرانية إلا ،ما كان إبراهيم يهوديا ولا نصرانيا ★
وما كان ، مستسلمًا لربه، ولكن كان متبعًا لأمر الله وطاعته،من بعده
من المشركين

(خالص) ابراہیم تو نہ یہودی تھے نہ نصرانی تھے بلکہ وہ تو یک طرفہ ، وہ مشرک بھی نہیں تھے،مسلمان تھے

★ इबराहीम न यहूदी था और न ईसाई, बल्कि वह तो एक ओर को होकर रहनेवाला मुस्लिम (आज्ञाकारी) था। वह कदापि मुशरिकों में से न था

★ Ibrahim (Abraham) was neither a Jew nor a Christian, but



بیشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے. وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

he was a true Muslim Hanifa (Islamic Monotheism – to worship none but Allah Alone) and he was not of Al-Mushrikun (See V. 2:105).

★ ইব্রাহীম ইহুদী ছিলেন না, খ্রীষ্টানও নহেন, বরং তিনি ছিলেন ঋজু স্বভাব, মুসলিম, আর তিনি মুশরিকদের অন্তর্ভুক্ত ছিলেন না।



* Aal-i-Imraan (3:68)

بس<u>ارالله</u>م الرحمل

إنّ أوْلَى ٱلنَّاسِ بِإِبْرُهِيمَ للذِينَ *

أَتْبَعُوهُ وَهَٰذَا أَلْنَبِي وَٱلذِينَ ءَامَنُوا

وَٱللهُ وَلِيُ ٱلمُؤْمِنِينَ

الذين آمنوا به وصدقوا برسالته ،إن أحق الناس بإبراهيم وأخصهم به ★ وهذا النبي محمد صلى الله عليه وسلم والذين آمنوا ،واتبعوه على دينه

. والله ولىُ المؤمنين به المتبعين شرعه.به



ایے سک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

سب لوگوں سے زیادہ ابراہیم سے نزدیک تر وہ لوگ ہیں جنہوں نے ان کم مومنوں کا ولی اور ،کا کہا مانا اور یہ نبی اور جو لوگ ایمان لاٹے ،سہارا الله ہی ہے

★ निस्संदेह इबराहीम से सबसे अधिक निकटता का सम्बन्ध रखनेवाले वे लोग है जिन्होंने उसका अनुसरण किया, और यह नबी और ईमानवाले लोग। और अल्लाह ईमानवालों को समर्थक एवं सहायक है

★ Verily, among mankind who have the best claim to Ibrahim (Abraham) are those who followed him, and this Prophet (Muhammad SAVV) and those who have believed (Muslims).
And Allah is the Wali (Protector and Helper) of the believers.

নিঃসন্দেহ ইব্রাহীমের নিকটতম লোক ছিলেন যাঁরা তাঁকে অনুসরণ করে চলতেন, আর এই নবী, আর যারা ঈমান এনেছে। আর আল্লাহ্ বিশ্বাসীদের রক্ষাকারী বন্ধু।



* Aal-i-Imraan (3:69)

بسراللهم اللاحمان

وَدّت طَائِفَةٌ مِّنْ أَهْلِ ٱلْكِتَّبِ لَوْ يُضِلُونَكُمْ وَمَا يُضِلُونَ إِلاَّ أَنفُسَهُمْ وَمَا يَشْعُرُونَ وَمَا يَشْعُرُونَ

عن ا- أيها المسلمون- تمنّت جماعة من اليهود والنصارى لو يضلونكم ★ وما يدرون ذلك ولا يعلمونه، وما يضلون إلا أنفسهم وأتباعهم،لإسلام

اہل کتاب کی ایک جماعت چاہتی ہے کہ تمہیں گمراہ کر دیں۔ دراصل ★ وہ خود اپنے آپ کو گمراہ کر رہے ہیں اور سمجھتے نہیں

किताबवालों में से एक गिरोह के लोगों की कामना है कि काश। वे तुम्हें पथभ्रष्ट कर सकें, जबकि वे केवल अपने-आपकों पथभ्रष्ट कर रहे है। किन्तु उन्हें इसका एहसास नहीं

* A party of the people of the Scripture (Jews and Christians)

wish to lead you astray. But they shall not lead astray



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

anyone except themselves, and they perceive not.

 গ্রন্থপ্রাপ্তদের একদল চায় তোমাদের বিপথগামী করতে, আর তারা বিপথে নেয় না নিজেদের ছাড়া অন্য কাউকে, আর তারা উপলব্ধি করতে পারছে না।

0

* Aal-i-Imraan (3:70)

بس<u>االلهم</u> اللجيمان

يَّأُهْلَ ٱلكِتَٰبِ لِمَ تَكَفَّرُونَ بِالنِّتِ ★

ٱللهِ وَأَنتُمْ تَشْهَدُونَ

يا أهل التوراة والإنجيل لم تجحدون آيات الله التي أنزلها على رسله ★ ، وفيها أن محمدًا صلى الله عليه وسلم هو الرسول المنتظر،في كتبكم وأنتم تشهدون بذلك؟ ولكنكم تنكرونه،وأن ما جاءكم به هو الحق

🖈 دانستہ الله کی (باوجود قائل ہونے کے پھر بھی) اے اہل کتاب تم 🖈

آیات کا کیوں کفر کر رہے ہو؟



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

- ★ ऐ किताबवालों। तुम अल्लाह की आयतों का इनकार क्यों करते हो, जबकि तुम स्वयं गवाह हो?
- ★ O people of the Scripture! (Jews and Christians): "Why do you disbelieve in the Ayat of Allah, [the Verses about Prophet Muhammad SAW present in the Taurat (Torah) and the Injee! (Gospel)] while you (yourselves) bear witness (to their truth)."
 - ★ হে গ্রন্থধারিগণ। কেন তোমরা আল্লাহ্র নির্দেশে অবিশ্বাস পোষণ করো, যখন তোমরা প্রত্যক্ষদর্শী?



وَمَآ أُنزِلَ عَلَىٰ إِبْرُهِيمَ وَإِسْمُعِيلَ



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah), Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. \$By

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

وَإِسْحَقَ وَيَعْقُوبَ وَٱلنَّسْنِاطِ وَمَلَّ أُوتِىَ مُوسَىٰ وَعِيسَىٰ وَٱلنَّبِيُونَ مِن رَبِّهِمْ لَا ثَقْرِقُ بَيْنَ أَحَدٍ مِنْهُمْ وَنَحْنُ لهُ، مُسْلِمُونَ

ولا ، فلا رب لنا غيره، صدقنا بالله وأطعنا السول قل لهم له والذي أنزله على ، وآمنا بالوحي الذي أنزله الله علينا، معبود لنا سواه وابن ابنه يعقوب بن ، وابنيه إسماعبل وإسحاق إبراهيم خليل الله وهم الأنبياء الذين كانوا في قبائل - والذي أنزله على الأسباط إسحاق وما أوتي موسى وعيسى -بني إسرائيل الاثنتي عشرة من ولد يعقوب ولا ، نؤمن بذلك كله، وما أنزله الله على أنبيائه ،من التوراة والإنجيل مقرون له به ونحن لله وحده منقادون بالطاعة ،نفرق بين أحد منهم الربوبية والألوهية والعبادة

آپ کہہ دیجئے کہ ہم الله تعالیٰ پر اور جو کچھ ہم پر اتارا گیا ہے اور (علیہ السلام) اور اسماعیل(علیہ السلام) اور جو کچھ موسیٰ (علیہ السلام) یعقوب اوران کی اولاد پر اتارا گیا اور جو کچھ موسیٰ (علیہ السلام) یعقوب

الله تعالىٰ (عليهم السلام) اور دوسرے انبياء(عليهما السلام) وعيسىٰ



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLA AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

ہم ان میں سے کسی ، ان سب پر ایمان لائے،کی طرف سے دیئے گئے کے درمیان فرق نہیں کرتے اور ہم الله تعالیٰ کے فرمانبردار ہیں

★ कहो, "हम तो अल्लाह पर और उस चीज़ पर ईमान लाए जो हम पर उतरी है, और जो इबराहीम, इसमाईल, इसहाक़ और याकूब़ और उनकी सन्तान पर उतरी उसपर भी, और जो मूसा और ईसा और दूसरे निबयो को उनके रब की ओर से प्रदान हुई (उसपर भी हम ईमान रखते हैं) । हम उनमें से किसी को उस ओर से प्रदान हुई (उसपर भी हम ईमान रखते हैं) । हम उनमें से किसी को उस सम्बन्ध से अलग नहीं करते जो उनके बीच पाया जाता है, और हम उसी के आज्ञाकारी (मुस्लिम) है।"

★ Say (O Muhammad SAVV): "We believe in Allah and in what has been sent down to us, and what was sent down to Ibrahim (Abraham), Isma'il (Ishmael), Ishaque (Isaac), Ya'qub (Jacob) and Al-Asbat [the twelve sons of Ya'qub (Jacob)] and what was given to Musa (Moses), 'lesa (Jesus) and the Prophets from their Lord. We make no distinction between one another among them and to Him (Allah) we have submitted (in Islam)."



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah), Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

★ তুমি বলো -- "আমরা বিশ্বাস করি আল্লাহ্তে আর যা আমাদের কাছে অবতীর্ণ হয়েছে, আর যা নাযিল হয়েছিল ইব্রাহীম ও ইসমাইল ও ইসহাক ও ইয়াকুব ও গোত্রদের কাছে, আর যা দেওয়া হয়েছিল মূসাকে ও ঈসাকে ও নবীদের তাঁদের প্রভুর তরফ থেকে। আমরা তাঁদের কোনো একজনের মধ্যেও পার্থক্য করি না, আর তাঁরই কাছে আমরা আত্মসমর্পণকারী।"



★ Yusuf (12:6)



وَكَذَالِكَ يَجْتَبِيكَ رَبُكَ وَيُعَلِّمُكَ مِن
تأويل الْأَحَادِيثِ وَيُتِمُ نِعْمَتَهُ عَلَيْكَ
وَعَلَى عَالَى عَقُوبَ كَمَا أَتْمَهَا عَلَى
وَعَلَى عَالَ يَعْقُوبَ كَمَا أَتْمَهَا عَلَى
أَبُويْكَ مِن قُبْلُ إِبْرُهِيمَ وَإِسْحُقَ إِنَ
رَبُكَ عَلِيمٌ حَكِيمٌ
رَبُكَ عَلِيمٌ حَكِيمٌ
رَبُكَ عَلِيمٌ حَكِيمٌ
مَا الْمُ حَكِيمٌ وَالْمُ الْمُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّه



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, diolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah).

BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. \$By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

اور اسی طرح تجھے تیرا پروردگار برگزیدہ کرے گا اور تجھے معاملہ ہم بھی سکھائے گا اور اپنی نعمت تجھے (یا خوابوں کی تعبیر) فہمی جیسے کہ ،بھرپور عطا فرمائے گا اور یعقوب کے گھر والوں کو بھی اس نے اس سے پہلے تیرے دادا اور پردادا یعنی ابراہیم واسحاق کو یقینا تیرا رب بہت بڑے علم والا اور ،بھی بھرپور اپنی نعمت دی زبردست حکمت والا ہے

★ "Thus will your Lord choose you and teach you the interpretation of dreams (and other things) and perfect His Favour on you and on the offspring of Ya'qub (Jacob), as He perfected it on your fathers, Ibrahim (Abraham) and Ishaque (Isaac) aforetime! Verily, your Lord is All-Knowing, All-Wise."

★ "আর এইভাবে তোমার প্রভু তোমাকে মনোনীত করবেন, আর তোমাকে শিক্ষা দেবেন ঘটনাবলীর ব্যাখ্যা সম্পর্কে, আর তাঁর অনুগ্রহ পূর্ণাঙ্গ করবেন তোমার প্রতি ও ইয়াকুবের বংশধরদের প্রতি, যেমন তিনি তা পূর্ণাঙ্গ করেছিলেন এর আগে তোমার পূর্বপুরুষ ইব্রাহীম ও ইসহাকের প্রতি। নিঃসন্দেহ তোমার প্রভু সর্বজ্ঞাতা, পরমজ্ঞানী।" بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

और ऐसा ही होगा, तेरा रब तुझे चुन लेगा और तुझे बातों की तथ्य तक पहुँचना सिखाएगा और अपना अनुग्रह तुझपर और याकूब के घरवालों पर उसी प्रकार पूरा करेगा, जिस प्रकार इससे पहले वह तेरे पूर्वज इबराहीम और इसहाक़ पर पूरा कर चुका है। निस्संदेह तेरा रब सर्वज्ञ, तत्वदर्शी है।"



* Aal-i-Imraan (3:94)

بس<u>اراللهم</u> اللحيم

فَمَن أَفْتَرَىٰ عَلَى اللهِ الكذبَ مِن ﴿ ★ يَعْدِ دَٰلِكَ فَأُولَٰئِكَ هُمُ الطَّلِمُونَ

فأولئك هم ،فمَن كذب على الله من بعد قراءة التوراة ووضوح الحقيقة * الظالمون القائلون على الله بالباطل

اس کے بعد بھی جو لوگ الله تعالیٰ پر جھوٹ بہتان باندھیں وہی





بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

- * अब इसके पश्चात भी जो व्यक्ति झूठी बातें अल्लाह से जोड़े, तो ऐसे ही लोग अत्याचारी है
- Then after that, whosoever shall invent a lie against Allah, ...
 such shall indeed be the Zalimun (disbelievers).
- ★ অতএব যে কেউ এরপর আল্লাহ্র বিরুদ্ধে মিথ্যারোপ করে, তাহলে তারা নিজেরাই হচ্ছে অন্যায়কারী।



* Aal-i-Imraan (3:95)



قُلْ صَدَقَ ٱللهُ فَأَتَبِعُوا مِلَةَ إِبْرُهِيمَ حَنِيفًا وَمَا كَانَ مِنَ ٱلمُشْرِكِينَ

صادقين في محبتكم وانتسابكم لخليل الله إبراهيم عليه السلام فاتبعوا

√ فإن كنتم ِ صَدَق الله فيما اخبر به وفيما شرعه-ايها الرسول- قل لهم ★



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah).

But Alguraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

فإنها ،ملته التي شرعها الله على لسان محمد صلى الله عليه وسلم وما كان إبراهيم عليه السلام من المشركين بالحق الذي لا شك فيه الله في توحيده وعبادته أحدًا

کہہ دیجئے کہ الله تعالیٰ سچا ہے تم سب ابراہیم حنیف کے ملت کی ★ جو مشرک نہ تھے،پیروی کرو

★ कहो, "अल्लाह ने सच कहा है; अतः इबराहीम के तरीक़े का अनुसरण करो, जो हर ओर से कटकर एक का हो गया था और मुशरिकों में से न था

★ Say (O Muhammad SAVV): "Allah has spoken the truth; follow the religion of Ibrahim (Abraham) Hanifa (Islamic Monotheism, i.e. he used to worship Allah Alone), and he was not of Al-Mushrikun." (See V. 2:105)

★ বলো -- "আল্লাহ্ সত্যকথা বলেন, কাজেই ঋজুস্বভাব ইব্রাহীমের ধর্ম অনুসরণ করো, আর তিনি বহুখোদাবাদীদের অন্তর্ভুক্ত ছিলেন

না।"

یےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova. Hvd.TS.Bharat...



"निस्ंसदेह इबादत के लिए पहला घर जो 'मानव के लिए' बनाया गया
 वहीं है जो मक्का में है, बरकतवाला और सर्वथा मार्गदर्शन, संसारवालों

के लिए



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah∰, Hanifa (i.e. to worship none but Allah∰), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah∰, and those who joined partners with Allah∰).

Beta AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

Verily, the first House (of worship) appointed for mankind was that at Bakkah (Makkah), full of blessing, and a guidance for Al-'Alamin (the mankind and jinns).

★ নিঃসন্দেহ মানবজাতির জন্য প্রথম যে ভোজনালয় প্রতিষ্ঠা হয়েছিল তা হচ্ছে বাক্কাতে, -- অশেষ কল্যাণময়, আর সব মানবগোষ্ঠীর জন্য পথপ্রদর্শক।



★ Aal-i-Imraan (3:97)



فِيهِ ءَايَٰتُ بَيِّنَتُ مَقَامُ إِبْرُهِيمَ وَمَن دَخَلُهُۥ كَانَ ءَامِنًا وَلِلهِ عَلى أَلنَّاس حِجُ ٱلْبَيْتِ مَن ٱسْتَطَاعَ إِلَيْ



بیشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

ألعلمين

وأن الله عظمه ،في هذا البيت دلالات ظاهرات أنه من بناء إبراهيم لله وهو الحَجَر الذي كان يقف ، مقام إبراهيم عليه السلام: منها،وشرّفه ومن دخل ،عليه حين كان يرفع القواعد من البيت هو وابنه إسماعيل وقد أوجب الله على هذا البيت أمِنَ على نفسه فلا يناله أحد بسوء المستطيع من الناس في أي مكان قصد هذا البيت لأداء مناسك الحج ، والله غني عنه وعن حجّه وعمله،ومن جحد فريضة الحج فقد كفر وعن سائر خَلقه

اس میں جو آ ، مقام ابراہیم ہے،جس میں کھلی کھلی نشانیاں ہیں ★ جائے امن والا ہو جاتا ہے الله تعالیٰ نے ان لوگوں پر جو اس کی طرف راہ پا سکتے ہوں اس گھر کا حج فرض کر دیا گیا ہے۔ اور جو تمام دنیا سے بے پرواہ (اس سے بلکہ) کوئی کفر کرے تو الله تعالیٰ حمام دنیا سے بے پرواہ (اس سے بلکہ) کوئی کفر کرے تو الله تعالیٰ

ہے

* "उसमें स्पष्ट निशानियाँ है, वह इबराहीम का स्थल है। और जिसने उसमें प्रवेश किया, वह निश्चिन्त हो गया। लोगों पर अल्लाह का हक़ है कि जिसको वहाँ तक पहुँचने की सामर्थ्य प्राप्त हो, वह इस घर का हज करें

और जिसने इनकार किया तो (इस इनकार से अल्लाह का कुछ नहीं



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah), Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. \$By

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

बिगडता) अल्लाह तो सारे संसार से निरपेक्ष है।"

★ In it are manifest signs (for example), the Maqam (place) of Ibrahim (Abraham); whosoever enters it, he attains security. And Hajj (pilgrimage to Makkah) to the House (Ka'bah) is a duty that mankind owes to Allah, those who can afford the expenses (for one's conveyance, provision and residence); and whoever disbelieves [i.e. denies Hajj (pilgrimage to Makkah), then he is a disbeliever of Allah], then Allah stands not in need of any of the 'Alamin (mankind and jinns).

★ এতে আছে সুস্পষ্ট নিদর্শনাবলী -- মক্কামে ইব্রাহীম; আর যে কেউ
 এখানে প্রবেশ করবে সে হচ্ছে নিরাপদ, আর আল্লাহ্র উদ্দেশ্যে
 এই গৃহে হজ করা মানবগোষ্ঠীর জন্য আবশ্যিক -- যারই
 সেখানকার পাথেয় অর্জনের ক্ষমতা আছে। আর যে অবিশ্বাস
 পোষণ করে -- তাহলে নিঃসন্দেহ আল্লাহ্ সমস্ত সৃষ্ট জগতের
 থেকে স্বয়ং-সম্পূর্ণ।



★ An-Nisaa (4:54)

بسراللهم اللاحمان مرالاجيمام

أَمْ يَحْسُدُونَ ٱلنَّاسَ عَلَى ٰ مَآ ۗ ★

ءَاتبهمُ ٱللهُ مِن فضلِهِ عَقدْ ءَاتيناً

ءَالَ إِبْرُهِيمَ ٱلكِتَٰبَ وَٱلحِكْمَةُ

وَءَاتَيْنَهُم مُلكًا عَظِيمًا

بل أيحسدون محمدًا صلى الله عليه وسلم على ما أعطاه الله من نعمة
و، ويحسدون أصحابه على نعمة التوفيق إلى الإيمان،النبوة والرسالة
ويتمنون زوال ، والتمكين في الأرض، واتباع الرسول،التصديق بالرسالة
-من قبْلُ- هذا الفضل عنهم؟ فقد أعطينا ذرية إبراهيم عليه السلام
التي أنزلها الله عليهم وما أوحي إليهم مما لم يكن كتابا مقروءا،الكتب
وأعطيناهم مع ذلك ملكا واسعا،

یا یہ لوگوں سے حسد کرتے ہیں اس پر جو الله تعالیٰ نے اپنے فضل 🖈 پس ہم نے تو آل ابراہیم کو کتاب اور حکمت بھی ،سے انہیں دیا ہے



- या ये लोगों से इसलिए ईर्ष्या करते है कि अल्लाह ने उन्हें अपने उदार दान से अनुग्रहित कर दिया? हमने तो इबराहीम के लोगों को किताब और हिकमत (तत्वदर्शिता) दी और उन्हें बड़ा राज्य प्रदान किया
- ★ Or do they envy men (Muhammad SAVV and his followers) for what Allah has given them of His Bounty? Then We had already given the family of Ibrahim (Abraham) the Book and Al-Hikmah (As-Sunnah Divine Inspiration to those Prophets not written in the form of a book), and conferred upon them a great kingdom.
 - ★ অথবা তারা কি লোকদের ঈর্ষা করে আল্লাহ্ তাঁর করুণাভান্ডার থেকে তাদের যা দিয়েছেন সেজন্য? তবে আমরা নিশ্চয়ই ইব্রাহীমের বংশধরদের দিয়েছি কিতাব ও জ্ঞানবিজ্ঞান, আর আমরা তাদের দিয়েছি এক বিশাল রাজত্ব।





<mark>...Folio.....</mark>146



وَمَنْ أَحْسَنُ دِينًا مِّمِّنْ أَسْلُمَ وَجْهَهُ ﴿ وَاللّٰهِ وَهُوَ مُحْسِنُ وَأَتْبَعَ مِلَةً إِبْرُهِيمَ حَنِيقًا وَٱتَّخَدَ ٱللّٰهُ إِبْرُهِيمَ خَلِيلًا

،لا أحد أحسن دينًا ممن انقاد بقلبه وسائر جوارحه لله تعالى وحده ★ مائلا عن العقائد الفاسدة و، واتبع دين إبراهيم وشرعه،وهو محسن -عليه الصلاة والسلام- وقد اصطفى الله إبراهيم الشرائع الباطلة إثبات صفة الخُلة لله ، وفي هذه الآية واتخذه صفيّاً من بين سائر خلقه والاصطفاء، وهي أعلى مقامات المحبة-تعالى-

باعتبار دین کے اس سے اچھا کون ہے؟ جو اپنے کو الله کے تابع کر ★ ساتھ ہی یکسوئی والے ابراہیم کے دین کی ،دے اور ہو بھی نیکو کار کو الله تعالیٰ نے اپنا (علیہ السلام) پیروی کر رہا ہو اور ابراہیم دوست بنا لیا ہے

★ और दीन (धर्म) की स्पष्ट से उस व्यक्ति से अच्छा कौन हो सकता है, जिसने अपने आपको अल्लाह के आगे झुका दिया और इबराहीम के तरीक़े का अनुसरण करे, जो सबसे कटकर एक का हो गया था?

अल्लाह ने इबराहीम को अपना घनिष्ठ मित्र बनाया था



★ And who can be better in religion than one who submits his face (himself) to Allah (i.e. follows Allah's Religion of Islamic Monotheism); and he is a Muhsin (a good-doer - see V. 2:112).

And follows the religion of Ibrahim (Abraham) Hanifa (Islamic Monotheism - to worship none but Allah Alone). And Allah did take Ibrahim (Abraham) as a Khalil (an intimate friend).

★ আর আল্লাহ্রই যা-কিছু আছে মহাকাশমন্ডলে ও যা-কিছু পৃথিবীতে। আর আল্লাহ্ হচ্ছেন সব-কিছুরই বেষ্টনকারী।



★ An-Nisaa (4:126)



وَلِلهِ مَا فِي السَّمُوٰتِ وَمَا فِي *

اللهُ عَالَ شَا فِي السَّمُوٰتِ وَمَا فِي *
اللهُ عَالَ شَا فِي مُحيطِ

<mark>...Folio.....</mark>148



- . فهي ملك له تعالى وحده،ولله جميع ما في هذا الكون من المخلوقات ★ لا يخفى عليه شيء من أمور خلقه،وكان الله تعالى بكل شيء محيطًا
- آسمانوں اور زمین میں جو کچھ ہے سب الله ہی کا ہے اور الله تعالی ﴿ ہر چیز کو گھیرنے والا ہے
 - ★ जो कुछ आकाशों में और जो कुछ धरती में है, वह अल्लाह ही का है और अल्लाह हर चीज़ को घेरे हुए है
- ★ And to Allah belongs all that is in the heavens and all that is in the earth. And Allah is Ever Encompassing all things.
 - ★ আর নারীদের সম্বন্ধে তারা তোমার কাছে সিদ্ধান্ত চায়। বলো -"আল্লাহ্ তাদের সম্বন্ধে তোমাদের কাছে সিদ্ধান্ত দিয়েছেন, আর যা
 তোমাদের কাছে কিতাবখানিতে বর্ণনা করা হয়েছে নারীদের এতীম
 সন্তানদের সম্বন্ধে, যাদের তোমরা দিতে চাও না তাদের জন্য
 নির্ধারিত প্রাপ্য, অথচ তোমরা ইচ্ছা করো যে তাদের তোমরা বিয়ে
 করবে, আর সন্তানসন্ততিদের মধ্যের দুর্বলদের সম্বন্ধে, আর যেন
 এতীমদের প্রতি ন্যায়্যবিচার করা তোমরা কায়েম করো।" আর

ভালো বিষয়ের যা-কিছু তোমরা করো, নিঃসন্দেহ আল্লাহ্ সে-



সন্বন্ধে হচ্ছেন সর্বজ্ঞাতা।



* An-Nisaa (4:163)

بس<u>اراللهم</u> اللحمان

إِنَّ أَوْحَيْنَا إِلَيْكَ كَمَا أَوْحَيْنَا إِلَىٰ *
ثُوحٍ وَٱلنَّبِيّ مِن بَعْدِه ِ وَأُوْحَيْنَا
إِلَىٰ إِبْرُهِيمَ وَإِسْمُعِيلَ وَإِسْحُقَ
وَيَعْقُوبَ وَٱللَّسْبَاطِ وَعِيسَىٰ وَأَيُوبَ
وَيَعْقُوبَ وَٱللَّسْبَاطِ وَعِيسَىٰ وَأَيُّوبَ

وَيُونُسَ وَهَرُونَ وَسَلَيْمَٰنَ وَءَاتَيْنَا دَاوُهُ دَ رَبُورًا

بتبليغ الرسالة كما أوحيط إلى نوح و-أيها الرسول- إنا أوحينا اليك لله وأوحينا إلى نوح و-أيها الرسول- إنا أوحينا اليك عده وأوحينا إلى إبراهيم وإسماعيل وإسحاق ويعقوب والأ،النبيين من بعده وهم الأنبياء الذين كانوا في قبائل بني إسرائيل الاثنتي عشرة - سباط

وآتینا داود . وعیسی وأیوب ویونس وهارون وسلیمان-من ولد یعقوب



وهو کتاب وصحف مکتوبة،زبورًا

یقینا ہم نے آپ کی طرف اسی طرح وحی کی ہے جیسے کہ نوح ★ اور ہم نے ، اور ان کے بعد والے نبیوں کی طرف کی(علیہ السلام) وحی کی ابراہیم اور اسماعیل اور اسحاق اور یعقوب اور ان کی اولاد پر اور عیسیٰ اور ایوب اور یونس اور ہارون اور سلیمان کی طرف۔ کو زبور عطا فرمائی(علیہ السلام) اور ہم نے داؤد

★ हमने तुम्हारी ओर उसी प्रकार वह्यड की है जिस प्रकार नूह और उसके बाद के निबयों की ओर वह्यु की। और हमने इबराहीम, इसमाईल, इसहाक़ और याक़ूब और उसकी सन्तान और ईसा और अय्यूब और यूनुस और हारून और सुलैमान की ओर भी वह्यक की। और हमने दाउद को ज़बूर प्रदान किया

Verily, We have inspired you (O Muhammad SAW) as We inspired Nuh (Noah) and the Prophets after him; We (also) inspired Ibrahim (Abraham), Isma'il (Ishmael), Ishaque (Isaac), Ya'qub (Jacob), and Al-Asbat [the twelve sons of Ya'qub (Jacob)], 'lesa (Jesus), Ayub (Job), Yunus (Jonah),

Harun (Aaron), and Sulaiman (Solomon), and to Dawud



(David) We gave the Zabur (Psalms).

য়্বার রসূলগণকে যাঁদের কথা ইতিপূর্বে তোমার কাছে বর্ণনা
করেছি, আর রসূলগণকে যাঁদের বিষয়ে তোমার কাছে উল্লেখ করি

নি; আর আল্লাহ্ মূসার সঙ্গে বলেছিলেন কথাবার্তা, --

0

★ Al-Anbiyaa (21:51)

بس<u>اراللهم</u> اللحمان

وَلَقَدْ ءَاتَيْنَآ إِبْرُهِيمَ رُشْدَهُۥ مِن

قبل وکتا ہے۔ علمین

یقینا ہم نے اس سے پہلے ابراہیم کو اس کی سمجھ بوجھ بخشی ★ تھی اور ہم اس کے احوال سے بخوبی واقف تھے

★ And indeed We bestowed aforetime on Ibrahim (Abraham)

his (portion of) guidance, and We were Well-Acquainted

with him (as to his Belief in the Oneness of Allah, etc.).



আর অবশ্যই আমরা ইব্রাহীমকে ইতিপূর্বে তাঁর সত্যনিষ্ঠতা
 দিয়েছিলাম, আর তাঁর সন্বন্ধে আমরা সম্যক পরিজ্ঞাত ছিলাম।

★ और इससे पहले हमने इबराहीम को उसकी हिदायत और समझ दी थी- और हम उसे भली-भाँति जानते थे। -



* Al-Anbiyaa (21:57)



وَتَأَلِلُهِ لَأُكِيدَنَّ أَصْنَمَكُم بَعْدَ أَن ثُولُوا مُدْبِرِينَ

میں تمہارے ان معبودوں کے ساتھ جب تم علیحدہ ااور الله کی قسم ★
پیٹھ پھیر کر چل دو گے ایک چال چلوں گا

* "And by Allah, I shall plot a plan (to destroy) your idols after

you have gone away and turned your backs."



- "আর আল্লাহ্র কসম, আমি অবশ্যই তোমাদের প্রতিমাদের সন্বন্ধে পরিকল্পনা গ্রহণ করব তোমরা যখন পিটটান দিয়ে ফিরে যাবে।"
 - ★ और अल्लाह की क़सम। इसके पश्चात कि तुम पीठ फेरकर लौटो, मैं तुम्हारी मूर्तियों के साथ अवश्य एक चाल चलूँगा।"



★ Al-Anbiyaa (21:58)



فَجَعَلَهُمْ جُدُّدًا إِلَّا كَبِيرًا لَهُمْ لَعَلَهُمْ الْعُلَهُمْ الْعُلَهُمْ الْعُلَهُمْ الْعُلَهُمْ الْعُلَهُمْ الْعُلَهُمْ الْعُلَهُمْ الْعُلَهُمْ الْعُلَهُمُ الْعُلَهُمُ الْعُلَهُمُ الْعُلَهُمُ الْعُلَهُمُ الْعُلَهُمُ الْعُلَهُمُ الْعُلَهُمُ الْعُلِهُمُ الْعُلَهُمُ الْعُلَهُمُ الْعُلَهُمُ الْعُلَهُمُ الْعُلَهُمُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الل

- پس اس نے ان سب کے ٹکڑے ٹکڑے کر دیئے ہاں صرف بڑے بت کو ﴿
 چھوڑ دیا یہ بھی اس لئے کہ وہ سب اس کی طرف ہی لوٹیں
- ★ So he broke them to pieces, (all) except the biggest of them,

that they might turn to it.





তারপর তিনি তাদের টুক্রো টুক্রো করে ফেললেন তাদের বড়িট
 ছাড়া, যাতে তারা এর কাছে ফিরে আসতে পারে।

★ अतएव उसने उन्हें खंड-खंड कर दिया सिवाय उनकी एक बड़ी के,
 कदाचित वे उसकी ओर रुजू करें



★ Al-Anbiyaa (21:59)



قَالُوا مَن فَعَلَ هَذَا بِـِ الْهَتِنَآ إِنَّهُ وَ

لمِنَ ٱلظلمِينَ

کہنے لگے کہ ہمارے خداؤں کے ساتھ یہ کس نے کیا؟ ایسا شخص تو

یقینا ٔ ظالموں میں سے ہے

★ They said: "Who has done this to our aliha (gods)? He must

indeed be one of the wrong-doers."



An-Nahl (16:120)

بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

★ তারা বললে -- "আমাদের দেবতাদের প্রতি এ কাজ কে করেছে? নিঃসন্দেহ সে তো অন্যায়কারীদের একজন।"

* वे कहने लगे, "किसने हमारे देवताओं के साथ यह हरकत की है? निश्चय ही वह कोई ज़ालिम है।"



★ Al-Anbiyaa (21:60)



قالوا سَمِعْنَا فَتَى يَدْكُرُهُمْ يُقَالُ

له، إبرهيم

بولے ہم نے ایک نوجوان کو ان کا تذکرہ کرتے ہوئے سنا تھا جسے کہا جاتا ہے(علیہ السلام) ابراہیم

★ They said: "We heard a young man talking (against) them

who is called Ibrahim (Abraham)."





★ তারা বললে -- "আমরা এদের সম্বন্ধে একজন যুবককে বলাবলি করতে শুনেছিলাম, তাকে বলা হয় ইব্রাহীম।"

★ (कुछ लोग) बोले, "हमने एक नवयुवक को, जिसे इबराहीम कहते है,
 उसके विषय में कुछ कहते सुना है।"



★ Al-Anbiyaa (21:61)



قالوا فأثوا به على أغين ألناس

لعَلهُمْ يَشْهَدُونَ

سب نے کہا اچھا اسے مجمع میں لوگوں کی نگاہوں کے سامنے لاؤ تاکہ سب دیکھیں

★ They said: "Then bring him before the eyes of the people, that





they may testify."

★ তারা বললে -- "তাহলে তাকে লোকদের চোখের সামনে নিয়ে এসো, যেন তারা সাক্ষ্য দিতে পারে।"

* उन्होंने कहा, "तो उसे ले आओ लोगों की आँखों के सामने कि वे भी गवाह रहें।"

★ Al-Anbiyaa (21:62)

بساراللهم اللحماد

قَالُوا عَأَنتَ فَعَلتَ هَذَا بِالْهَتِنَا

يَّانِرُهِيمُ

کیا تو نے ہی ہمارے خداؤں کے (علیہ السلام) اے ابراہیماکہنے لگے ★

ساتھ یہ حرکت کی ہے

★ They said: "Are you the one who has done this to our gods, O





Ibrahim (Abraham)?"

★ তারা বললে -- "হে ইব্রাহীম, তুমিই কি আমাদের দেবতাদের প্রতি এই কাজ করেছ?

★ उन्होंने कहा, "क्या तूने हमारे देवों के साथ यह हरकत की है, ऐ इबराहीम!"



★ Al-Anbiyaa (21:63)



قالَ بَلْ فَعَلَهُۥ كبيرُهُمْ هَٰذَا فُسْ ُلُوهُمْ إِن كاثُوا يُنطِقُونَ فُسْ ُلُوهُمْ إِن كاثُوا يُنطِقُونَ

آپ نے جواب دیا بلکہ اس کام کو ان کے بڑے نے کیا ہے تم اپنے خداؤں سے ہی پوچھ لو اگر یہ بولتے چالتے ہوں

★ [Ibrahim (Abraham)] said: "Nay, this one, the biggest of them





(idols) did it. Ask them, if they can speak!"

★ তিনি বললেন — "আলবং কেউ এটা করেছে, এই তো এদের প্রধান, কাজেই এদের জিজ্ঞেস করো, যদি তারা বলতে পারে।"

★ उसने कहा, "नहीं, बल्कि उनके इस बड़े ने की होगी, उन्हीं से पूछ लो, यदि वे बोलते हों।"



★ Al-Anbiyaa (21:64)



فَرَجَعُوا إلى أنفسهم فقالوا إتكم

أنتُمُ ٱلظّلِمُونَ

پس یہ لوگ اپنے دلوں میں قائل ہوگئے اور کہنے لگے واقعی ظالم تو

تم ہی ہو

★ So they turned to themselves and said: "Verily, you are the

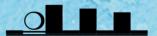




Zalimun (polytheists and wrong-doers)."

তখন তারা নিজেদের দিকে ফিরল এবং বললে -- "নিঃসন্দেহ তোমরা নিজেরাই অন্যায়াচারী।"

* तब वे उसकी ओर पलटे और कहने लगे, "वास्तव में, ज़ालिम तो तुम्हीं लोग हो।"



★ Al-Anbiyaa (21:65)



ثم تُكِسُوا عَلَىٰ رُءُوسِهِمْ لَقَدْ عَلِمْتَ مَا هَوْلاَءِ يَنطِقُونَ عَلِمْتَ مَا هَوْلاَءِ يَنطِقُونَ

یہ تو تجھے (اور کہنے لگے کہ) پھر اپنے سروں کے بل اوندھے ہوگئے ہ بھی معلوم ہے کہ یہ بولنے چالنے والے نہیں

★ Then they turned to themselves (their first thought and





said): "Indeed you [Ibrahim (Abraham)] know well that these (idols) speak not!"

★ তারপর তাদের হেটঁ করা হ'ল তাদের মাথার উপরে "তুমি তো অবশ্যই জানো যে এরা কথা বলে না।"

★ किन्तु फिर वे बिल्कुल औंधे हो रहे। (फिर बोले,) "तुझे तो मालूम है कि ये बोलते नहीं।"



Al-Anbiyaa (21:66)

بسااللهم الاجمار

قالَ أَفْتَعْبُدُونَ مِن دُونِ ٱللهِ مَا لَا يَنفَعُكُمْ شَيْـُـًا وَلَا يَضُرُكُمْ

کیا تم الله کے علاوہ ان اِالله کے خلیل نے اسی وقت فرمایا افسوس ★

کی عبادت کرتے ہو جو نہ تمہیں کچھ بھی نفع پہنچا سکیں نہ



نقصان

- ★ [lbrahim (Abraham)] said: "Do you then worship besides Allah, things that can neither profit you, nor harm you?
- ★ তিনি বললেন -- "তোমরা কি তবে আল্লাহ্কে ছেড়ে দিয়ে এমন কিছুর উপাসনা কর যা তোমাদের কোনো উপকার করতে পারে না আর তোমাদের অপকারও করে না?
- ★ उसने कहा, "फिर क्या तुम अल्लाह से इतर उसे पूजते हो, जो न तुम्हें कुछ लाभ पहुँचा सके और न तुम्हें कोई हानि पहुँचा सके?



★ Az-Zukhruf (43:26)

بس<u>االلهم</u> الرحمن مرادجية

وَإِذْ قَالَ إِبْرُهِمُ لِأَبِيهِ وَقُوْمِهِ ـ ٓ

إتنى بَرَآءٌ مِمّا تَعْبُدُونَ

<mark>...Folio.....</mark>163



- نے اپنے والد سے اور اپنی قوم سے (علیہ السلام) اور جبکہ ابراہیم ٭ فرمایا کہ میں ان چیزوں سے بیزار ہوں جن کی تم عبادت کرتے ہو
- ★ And (remember) when Ibrahim (Abraham) said to his father and his people: "Verily, I am innocent of what you worship,
 - ★ আর স্মরণ করো৷ ইব্রাহীম তাঁর পিতৃকে ও তাঁর স্বজাতিকে বললেন, "তোমরা যার পূজা কর তা থেকে আমি অবশ্যই মুক্ত,
- ★ याद करो, जबिक इबराहीम ने अपने बाप और अपनी क़ौम से कहा, "तुम जिनको पूजते हो उनसे मेरा कोई सम्बन्ध नहीं,



أللهِ أفلا تعقِلونَ

- تف ہے تم پر اور ان پر جن کی تم الله کے سوا عبادت کرتے ہو۔ کیا ★ تمہیں اتنی سی عقل بھی نہیں؟
- ★ "Fie upon you, and upon that which you worship besides Allah!
 Have you then no sense?"
 - ★ "ধিক্ তোমাদের প্রতি এবং আল্লাহ্কে বাদ দিয়ে তোমরা যাদের উপাসনা কর তাদেরও প্রতি। তোমরা কি তবুও বুঝবে না?"
 - धिक्कार है तुमपर, और उनपर भी, जिनको तुम अल्लाह को छोड़कर पूजते हो। तो क्या तुम बुद्धि से काम नहीं लेते?"



★ Al-Anbiyaa (21:68)



قالوا حَرَّقُوهُ وَأَنصُرُوا عَالِهَتَكُمْ إِن *



كنتُم فعلِينَ

کہنے لگے کہ اسے جلا دو اور اپنے خداؤں کی مدد کرو اگر تمہیں ★ کچھ کرنا ہی ہے

★ They said: "Burn him and help your aliha (gods), if you will be doing."

★ তারা বললে -- "তাকে পুড়িয়ে ফেলো, এবং তোমাদের দেবতাদের সাহায্য করো যদি তোমরা কিছু করতে চাও।"

★ उन्होंने कहा, "जला दो उसे, और सहायक हो अपने देवताओं के, यदि तुम्हें कुछ करना है।"

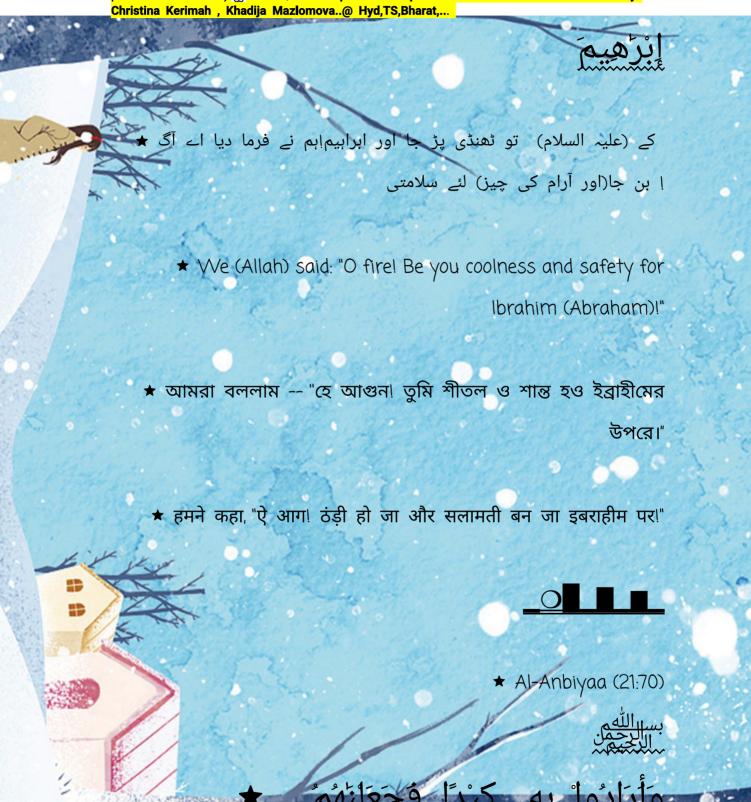


Al-Anbiyaa (21:69)



قُلْنَا يِنَارُ كُونِي بَرْدًا وَسَلَّمًا عَلَى ۚ ★





<mark>...Folio.....</mark>167



بےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سُے نہ تھ<mark>ے</mark> Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah , Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah #, and those who joined Christina Kerimah , Khadija Mazlomova..@ Hyd,TS,Bharat,...

لیکن ہم نے انہیں ناکام ، کا برا چاہا(علیہ السلام) گو انہوں نے ابرا بنا دیا

* And they wanted to harm him, but We made them the worst losers.

★ আর তারা চেয়েছিল তাঁর বিরুদ্ধে ষ্ডযন্ত্র করতে কিন্তু আমরা তাদেরই বেশি ক্ষতিগ্রস্ত করেছিলাম।

★ उन्होंने उसके साथ एक चाल चलनी चाही, किन्तु हमने उन्हीं को घाटे में



له و وَيَعْقُوبَ تَافِلُةً



وَكُلّا جَعَلْنَا صَلِّحِينَ

اور ہم نے اسےاسحاق عطا فرمایااور یعقوب اس پر مزید۔ اور ہرایک کو ہم نے صالح بنایا

- ★ And We bestowed upon him Ishaque (Isaac), and (a grandson) Ya'qub (Jacob). Each one We made righteous.
- ★ আর আমরা তাঁকে দিয়েছিলাম ইসহাক এবং পৌত্ররূপে ইয়াকুবকে। আর সবাইকে আমরা বানিয়েছিলাম সৎপথাবলন্বী।
- ★ और हमने उसे इसहाक़ प्रदान किया और तदिधक याक़ूब भी। और प्रत्येक को हमने नेक बनाया



Al-Anbiyaa (21:73)



وَجَعَلْنَهُمْ أَئِمَّةً يَهْدُونَ بِأَمْرِتا *



وَأُوْحَيْنَا إِلَيْهِمْ فِعْلَ ٱلْخَيْرَاتِ وَإِقَامَ الصّلواةِ وَإِيتَاءَ ٱلرّكواةِ وَكَاثُوا لِنَا عَبِدِينَ

اور ہم نے انہیں پیشوا بنا دیا کہ ہمارے حکم سے لوگوں کی رہبری ★ کریں اور ہم نے ان کی طرف نیک کاموں کے کرنے اور نمازوں کے اور وہ سب کے سب ، کی(تلقین) قائم رکھنے اور زکواۃ دینے کی وحی ہمارے عبادت گزار بندے تھے

* And We made them leaders, guiding (mankind) by Our Command, and We inspired in them the doing of good deeds, performing Salat (Iqamat-as-Salat), and the giving of Zakat and of Us (Alone) they were worshippers.

আর আমরা তাঁদের বানিয়েছিলাম নেতৃবৃন্দ, তাঁরা আমাদের নির্দেশ অনুসারে সৎপথে চালাতেন, আর তাঁদের কাছে আমরা প্রত্যাদেশ দিয়েছিলাম সৎকাজ করতে ও নামায अससलाह কায়েম করতে ও যাকাত প্রদান করতে, আর তাঁরা আমাদের প্রতি বন্দনাকারী

ছিলেন।



* और हमने उन्हें नायक बनाया कि वे हमारे आदेश से मार्ग दिखाते थे और हमने उनकी ओर नेक कामों के करने और नमाज़ अससलाह की पाबन्दी करने और ज़कात देने की प्रकाशना की, और वे हमारी बन्दगी में लगे हुए थे





★ Al-Hajj (22:26)



وَإِذْ بَوَانَا لِإِبْرُهِيمَ مَكَانَ الْبَيْتِ أَن لَا تَشْرِكُ بِي شَيْـًا وَطَهِّرْ بَيْتِيَ لِلطَآئِفِينَ وَٱلْقَائِمِينَ وَٱلرُّكِعِ ٱلسُّجُودِ

کو کعبہ کے مکان کی جگہ مقرر (علیہ السلام) اور جبکہ ہم نے ابراہیم ★



کر دی اس شرط پر کہ میرے ساتھ کسی کو شریک نہ کرنا اور میرے گھر کو طواف قیام رکوع سجدہ کرنے والوں کے لئے پاک صاف رکھنا

★ And (remember) when VVe showed Ibrahim (Abraham) the site of the (Sacred) House (the Ka'bah at Makkah) (saying): "Associate not anything (in worship) with Me, [La ilaha ill-Allah (none has the right to be worshipped but Allah Islamic Monotheism], and sanctify My House for those who circumambulate it, and those who stand up for prayer, and those who bow (submit themselves with humility and obedience to Allah), and make prostration (in prayer, etc.);"

আর স্মরণ করো। আমরা ইব্রাহীমের জন্য গৃহের স্থান স্থির করে
দিয়েছিলাম এই বলে -- "আমার সঙ্গে কোনো-কিছুকে অংশী করো
না, আর আমার গৃহকে পবিত্র করো তওয়াফকারীদের জন্য এবং
দন্ডায়মানদের ও রুকু-সিজদা-কারীদের জন্য॥"

\star याद करो जब कि हमने इबराहीम के लिए अल्लाह के घर को ठिकाना

बनाया, इस आदेश के साथ कि "मेरे साथ किसी चीज़ को साझी न



ठहराना और मेरे घर को तवाफ़ (परिक्रमा) करनेवालों और खड़े होने और झुकने और सजदा करनेवालों के लिए पाक-साफ़ रखना।"



★ Al-Hajj (22:27)

بس<u>ارالله</u>م راللجيمان مراللجيمان

وَأَدِّن فِى ٱلنَّاسِ بِٱلْحَجِّ يَأْتُوكَ *
رَجَالًا وَعَلَىٰ كُلِّ ضَامِرٍ يَأْتِينَ مِن كُلِّ

فج عَمِيق

اور لوگوں میں حج کی منادی کر دے لوگ تیرے پاس پا پیادہ بھی آئیں گے اور دبلے پتلے اونٹوں پر بھی اور دور دراز کی تمام راہوں سے آئیں گے

★ And proclaim to mankind the Hajj (pilgrimage). They will come to you on foot and on every lean camel, they will come

from every deep and distant (wide) mountain highway (to



perform Hajj).

★ আর লোকদের মধ্যে হজের কথা ঘোষণা ক'রে দাও, তারা তোমার কাছে আসবে পায়ে হেঁটে আর প্রত্যেক শীর্ণ উটের উপরে, প্রত্যেক দূর-দুরান্ত দেশ থেকে, --

* और लोगों में हज के लिए उद्घोषणा कर दो कि "वे प्रत्येक गहरे मार्ग से, पैदल भी और दुबली-दुबली ऊँटनियों पर, तेरे पास आएँ

0

★ Al-Hajj (22:28)

بس<u>اراللهم</u> رالحجمل مرالحيم

لِيَشْهَدُوا مَنْفِعَ لَهُمْ وَيَذَكُرُوا أَسْمَ اللهِ فِي َ أَيّامٍ مَعْلُومَتٍ عَلَىٰ مَا رَزْقَهُم مِّنْ بَهِيمَةِ ٱلأَنْعَم فَكُلُوا مِنْهَا وَأَطْعِمُواْ ٱلْيَانِينَ ٱلْقَقِّدَ



اپنے فائدے حاصل کرنے کو آجائیں اور ان مقررہ دنوں میں الله کا ★ نام یاد کریں اور چوپایوں پر جو پالتو ہیں۔ پس تم آپ بھی کھاؤ اور بھوکے فقیروں کو بھی کھلاؤ

★ That they may witness things that are of benefit to them (i.e. reward of Hajj in the Hereafter, and also some worldly gain from trade, etc.), and mention the Name of Allah on appointed days (i.e. 10th, 11th, 12th, and 13th day of Dhul-Hijjah), over the beast of cattle that He has provided for them (for sacrifice) (at the time of their slaughtering by saying: Bismillah, VVAllahu-Akbar, Allahumma Minka wa llaik). Then eat thereof and feed therewith the poor who have a very hard time.

থাতে তারা প্রত্যক্ষ করে তাদের জন্য উপকারসমূহ, আর যেন তারা আল্লাহ্র নাম স্মরণ করতে পারে নির্ধারিত দিনগুলোতে চতুস্পদ গবাদি-পশুদের উপরে যেগুলো দিয়ে তিনি তাদের জীবিকা দিয়েছেন, তারপর যেন তোমরা তা থেকে খেতে পরো এবং দুঃস্থ ও নিঃস্বকে খাওয়াতে পারো।

<mark>...Folio.....</mark>175



तािक वे उन लाभों को देखें जो वहाँ उनके लिए रखे गए है। और कुछ ज्ञात और निश्चित दिनों में उन चौपाए अर्थात मवेशियों पर अल्लाह का नाम लें, जो उसने उन्हें दिए है। फिर उसमें से स्वयं भी खाओ और तंगहाल मुहताज को भी खिलाओ।"



★ Al-Hajj (22:29)



ثم ليَقْضُوا تَفَتَهُمْ وَلَيُوقُوا تُدُورَهُمْ *
وَلَيَطُوقُوا تُدُورَهُمْ *
وَلِيَطُوقُوا بِٱلْبَيْتِ ٱلْعَتِيقِ

پھر وہ اپنا میل کچیل دور کریں اور اپنی نذریں پوری کریں اور الله 🖈 کے قدیم گھر کا طواف کریں

★ Then let them complete the prescribed duties (Manasik of Hajj) for them, and perform their vows, and circumambulate

the Ancient House (the Ka'bah at Makkah)

<mark>...Folio.....</mark>176



★ তারপর তারা সমাধা করুক তাদের পরিস্কার-পরিচ্ছন্নতা, আর তাদের মানতগুলো তারা পূর্ণ করুক, আর তারা তওয়াফ করুক এই প্রাচীন গৃহের।

★ फिर उन्हें चाहिए कि अपना मैल-कुचैल दूर करें और अपनी मन्नतें पूरी करें और इस पुरातन घर का तवाफ़ (परिक्रमा) करें

★ Al-Hajj (22:30)

بس<u>االلهم</u> اللحمان

ذلك ومَن يُعَظِمْ حُرُمَٰتِ اللهِ فَهُوَ ★
خَيْرٌ لهُ عِندَ رَبِّهِ وَأُحِلَتْ لَكُمُ الْأَنْعُمُ
إِلَّا مَا يُتْلَىٰ عَلَيْكُمْ فَأَجْتَنِبُوا ٱلرَّجْسَ
مِنَ اللَّوْتِن وَأَجْتَنِبُوا قُولَ الرَّورِ

لئے اس کے رب کے پاس بہتری ہے۔ اور تمہارے لئے چوپائے جانور حلا



ال کر دیئے گئے بجز ان کے جو تمہارے سامنے بیان کیے گئے ہیں پس تمہیں بتوں کی گندگی سے بھی پر پریز کرنا چاہئے اور جھوٹی بات سے بھی پربیز کرنا چاہئے

★ That (Manasik prescribed duties of Hajj is the obligation that mankind owes to Allah), and whoever honours the sacred things of Allah, then that is better for him with his Lord. The cattle are lawful to you, except those (that will be) mentioned to you (as exceptions). So shun the abomination (worshipping) of idol, and shun lying speech (false statements)

★ এইটিই। আর যে কেউ আল্লাহ্র অনুষ্ঠানগুলোর সম্মান করে তাহলে সেটি তার প্রভুর কাছে তার জন্যে উত্তম। আর গবাদি-পশু তোমাদের জন্য বৈধ করা হয়েছে সে-সব ব্যতীত যা তোমাদের কাছে বিবৃত করা হয়েছে, সুতরাং তোমরা দেবদেবীর কদর্যতা পরিহার করো এবং বর্জন করো মিথ্যা কথাবার্তা, --

🖈 इन बातों का ध्यान रखों और जो कोई अल्लाह द्वारा निर्धारित मर्यादाओं

का आदर करे, तो यह उसके रब के यहाँ उसी के लिए अच्छा है। और



तुम्हारे लिए चौपाए हलाल है, सिवाय उनके जो तुम्हें बताए गए हैं। तो मूर्तियों की गन्दगी से बचो और बचो झूठी बातों से

0

★ Al-Hajj (22:31)

بساراللهم اللحمل

حُنَفَآءَ لِلهِ غَيْرَ مُشْرِكِينَ بِهِ وَمَن يُشْرِكُ بِٱللهِ فَكَأْتُمَا خَرِّ مِنَ ٱلسَّمَآءِ فَتَخْطَفُهُ ٱلطِيْرُ أَوْ تَهْوِي بِهِ ٱلرِّيحُ فَتَخْطَفُهُ ٱلطِيْرُ أَوْ تَهْوِي بِهِ ٱلرِّيحُ

الله کی توحید کو مانتے ہوئے اس کے ساتھ کسی کو شریک نہ کرتے اب ، الله کے ساتھ شریک کرنے والا گویا آسمان سے گر پڑا|ہوئے۔ سنو یا تو اسے پرندے لچک لے جائیں گے یا ہوا کسی دور دراز کی جگہ پھینک دے گی

★ Hunafa' Lillah (i.e. to worship none but Allah), not associating



partners (in worship, etc.) unto Him and whoever assigns partners to Allah, it is as if he had fallen from the sky, and the birds had snatched him, or the wind had thrown him to a far off place.

★ আল্লাহ্র প্রতি একনিষ্ঠ হয়ে, তাঁর সঙ্গে কোনো অংশী আরোপ না করে। আর যে কেউ আল্লাহ্র সঙ্গে অংশী দাঁড় করায় সে যেন তাহলে আকাশ থেকে পড়ল, তখন পাখিরা তাকে ছোঁ মেরে নিয়ে যায়, অথবা বায়ৣপ্রবাহ তাকে উড়িয়ে নিয়ে যায় এক দূরবর্তী স্থানে।

★ इस तरह कि अल्लाह ही की ओर के होकर रहो। उसके साथ किसी को साझी न ठहराओ, क्योंकि जो कोई अल्लाह के साथ साझी ठहराता है तो मानो वह आकाश से गिर पड़ा। फिर चाहे उसे पक्षी उचक ले जाएँ या वायु उसे किसी दूरवर्ती स्थान पर फेंक दे

0

As-Saaffaat (37:102)



<mark>...Folio.....</mark>180



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے. وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. \$By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

فَلْمَا بَلْغَ مَعَهُ السَّعْىَ قَالَ يَبُنَى * الْمِنَامِ أَتِى أَدْبَحُكَ الْمِنَامِ أَتِى أَدْبَحُكَ فَا فَانْظُرْ مَاذَا تَرَىٰ قَالَ يَّأْبَتِ اَقْعَلْ مَا فَانْظُرْ مَاذَا تَرَىٰ قَالَ يَّأْبَتِ اَقْعَلْ مَا تُؤْمَرُ سَتَجِدُنِى آنِ شَآءَ اللهُ مِنَ تُؤْمَرُ سَتَجِدُنِى آنِ شَآءَ اللهُ مِنَ اللهُ ال

، اتنی عمر کو پہنچا کہ اس کے ساتھ چلے پھرے(بچہ) پھر جب وہ ★
میں خواب اِ نے کہا میرے پیارے بچے(ابراہیم علیہ السلام) تو اس
میں اپنے آپ کو تجھے ذبح کرتے ہوئے دیکھ رہا ہوں۔ اب تو بتا کہ
جو حکم ہوا ہے اسے اتیری کیا رائے ہے؟ بیٹے نے جواب دیا کہ ابا
بجا لائیے انشاءالله آپ مجھے صبر کرنے والوں میں سے پائیں گے

* And, when he (his son) was old enough to walk with him, he said: "O my son! I have seen in a dream that I am slaughtering you (offer you in sacrifice to Allah), so look what you think!" He said: "O my father! Do that which you are commanded, Insha' Allah (if Allah will), you shall find me

of As-Sabirin (the patient ones, etc.)."



اید مشرکوں میں سے نہ تھے Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. \$\phi\$By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

★ তারপর যখন সে তাঁর সঙ্গে কাজ করার যোগ্যতায় উপনীত হল তখন তিনি বললেন -- "হে আমার পুত্রধন। নিঃসন্দেহ আমি স্বপ্নে দেখলাম যে আমি তোমাকে কুরবানি করছি, অতএব ভেবে দেখো -- কী তুমি দেখছো ।" তিনি বললেন -- "হে আমার আব্বা। আপনি তাই করুন যা আপনাকে আদেশ করা হয়েছে। ইন-শা-আল্লাহ্ আপনি এখনি আমাকে পাবেন অধ্যবসায়ীদের অন্তর্ভুক্ত।

★ फिर जब वह उसके साथ दौड़-धूप करने की अवस्था को पहुँचा तो उसने कहा, "ऐ मेरे प्रिय बेटे! मैं स्वप्न में देखता हूँ कि तुझे क़ुरबान कर रहा हूँ। तो अब देख, तेरा क्या विचार है?" उसने कहा, "ऐ मेरे बाप! जो कुछ आपको आदेश दिया जा रहा है उसे कर डालिए। अल्लाह ने चाहा तो आप मुझे धैर्यवान पाएँगे।"



As-Saaffaat (37:103)





بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

فلمّا أسلمًا وتله ولجبين *

(بیٹے کو) اس کو(باپ نے) غرض جب دونوں مطیع ہوگئے اور اس نے پیشانی کے بل گرا دیا

- ★ Then, when they had both submitted themselves (to the VVIII of Allah), and he had laid him prostrate on his forehead (or on the side of his forehead for slaughtering);
 - ★ সুতরাং তাঁরা উভয়ে যখন আত্মসমর্পণ করলেন এবং তিনি তাঁকে ভূপাতিত করলেন কপালের জন্য,
 - * अन्त्रतः जब दोनों ने अपने आपको (अल्लाह के आगे) झुका दिया और उसने (इबाराहीम ने) उसे कनपटी के बल लिटा दिया (तो उस समय क्या दृश्य रहा होगा, सोचो!)

★ As-Saaffaat (37:104)



یے ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah.

Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah , Khadija Mazlomova.

Hyd.TS.Bharat...





بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

بیشک ہم نیکی کرنے و،یقیناً تو نے اپنے خواب کو سچا کر دکھایا ★ الوں کو اسی طرح جزا دیتے ہیں

★ You have fulfilled the dream (vision)!" Verily! Thus do We reward the Muhsinun (good-doers - see V. 2:112).

★ "তুমি তো স্বপ্নাদেশ সত্যই পালন করলে। নিঃসন্দেহ এইভাবেই আমরা সৎকর্মশীলদের পুরস্কার দিয়ে থাকি।

★ तूने स्वप्न को सच कर दिखाया। निस्संदेह हम उत्तमकारों को इसी प्रकार बदला देते है।"



درحقیقت یہ کھلا امتحان تھا 🖈



یےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah.

By Christina Kerimah . Khadija Mazlomova... Hvd.TS.Bharat....







ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah∰, Hanifa (i.e. to worship none but Allah∰), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah∰, and those who joined partners with Allah∰).

Beta AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

🖈 और हमने उसे (बेटे को) एक बड़ी क़ुरबानी के बदले में छुड़ा लिया



★ As-Saaffaat (37:108)



وَتَرَكَّنَا عَلَيْهِ فِي ٱلْءَاخِرِينَ *

اور ہم نے ان کا ذکر خیر پچھلوں میں باقی رکھا ★

★ And We left for him (a goodly remembrance) among generations (to come) in later times.

\star আর আমরা তাঁর জন্য পরবর্তীদের মধ্যে রেখেছিলাম --

और हमने पीछे आनेवाली नस्लों मैं उसका ज़िक्र छोड़ा,

0



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, Bet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...





ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah∰, Hanifa (i.e. to worship none but Allah∰), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah∰, and those who joined partners with Allah∰).

Beta AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

ہم نیکو کاروں کو اسی طرح بدلہ دیتے ہیں ★

★ Thus indeed do We reward the Muhsinun (good-doers - see

V. 2:112).

\star এইভাবেই আমরা প্রতিদান দিই সৎকর্মশীলদের।

★ उत्तमकारों को हम ऐसा ही बदला देते है

0

★ Saad (38:45)

بس<u>اراللهم</u> الرحمن بالرحيم

وَأَدْكُرْ عِبْدَتَا إِبْرُهِيمَ وَإِسْحُقَ وَأَدْكُرْ عِبْدَتَا إِبْرُهِيمَ وَإِسْحُقَ وَالْأَبْطُرِ وَيَعْقُوبَ أُولِى ٱللَّيْدِي وَٱللَّبْطُر

کا بھی لوگوں (علیہم السلام) اسحاق اور یعقوب،ہمارے بندوں ابراہیم ★

۔ اسے ذکر کرو جو ہاتھوں اور آنکھوں والے تھے



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

* And remember Our slaves, Ibrahim (Abraham), Ishaque (Isaac), and Ya'qub (Jacob), (all) owners of strength (in worshipping Us) and (also) of religious understanding.

আর স্মরণ করো আমাদের দাস ইব্রাহীম ও ইসহাক ও ইয়াকুবকে, তাঁরা ছিলেন ক্ষমতার ও অন্তদৃষ্টির অধিকারী।

★ हमारे बन्दों, इबराहीम और इसहाक़ और याक़ूब को भी याद करो, जो हाथों (शक्ति) और निगाहोंवाले (ज्ञान-चक्षुवाले) थे





بیشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے. وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

- * Verily, We did choose them by granting them (a good thing, i.e.) the remembrance of the home [in the Hereafter and they used to make the people remember it, and also they used to invite the people to obey Allah and to do good deeds for the Hereafter].
 - ★ নিঃসন্দেহ আমরা তাঁদের বানিয়েছিলাম এক অকৃত্রিম গুণে নিষ্ঠাবান -- বাসস্থানের স্মরণ।
 - ★ निस्संदेह हमने उन्हें एक विशिष्ट बात के लिए चुन लिया था और वह वास्तविक घर (आख़िरत) की याद थी







ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, Bet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

یہ سب ہمارے نزدیک برگزیدہ اور بہترین لوگ تھے 🖈

★ And they are with Us, verily, of the chosen and the best!

★ আর তাঁরা নিশ্চয়ই আমাদের কাছে ছিলেন মনোনীত ও সজ্জনদের অন্তর্ভুক্ত।

★ और निश्चय ही वे हमारे यहाँ चुने हुए नेक लोगों में से है



★ Saad (38:48)



وَأَدْكُرْ إِسْمَعِيلَ وَٱلْيَسَعَ وَدَا ٱلْكِقْلِ
وَكُلُّ مِّنَ الْأَخْيَارِ

کا بھی ذکر کر دیجئے۔ یہ (علیہم السلام) یسع اور ذوالکفل،اسماعیل ★

سب بہترین لوگ تھے



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah∰, Hanifa (i.e. to worship none but Allah∰), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah∰, and those who joined partners with Allah∰).

Beta AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

* And remember Isma'il (Ishmael), Al-Yasa'a (Elisha), and Dhul-Kifl (Isaiah), all are among the best.

★ আর স্মরণ কর ইসমাইল ও ইয়াসাআ ও যুল-কিফলকে, কারণ তাঁরা সবাই ছিলেন সজ্জনদের অন্যতম।

★ इसमाईल और अल-यसअ और ज़ुलिकफ़्ल को भी याद करो। इनमें से प्रत्येक ही अच्छा रहा है



★ Al-Hajj (22:32)



دلك وَمَن يُعَظِّمْ شَعَيْرَ اللهِ فَإِنْهَا مِن تَقْوَى الْقُلُوبِ

۔ الله کی نشانیوں کی جو عزت وحرمت کرے ایہ سن لیا اب اور سنو ★

اس کے دل کی پرہیز گاری کی وجہ سے یہ ہے



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

- * Thus it is I what has been mentioned in the above said Verses (27, 28, 29, 30, 31) is an obligation that mankind owes to Allah I. And whosoever honours the Symbols of Allah, then it is truly from the piety of the heart.
- ★ এইটিই। আর যে কেউ আল্লাহ্র নিদর্শনসমূহকে সম্মান করে সেটি তাহলে নিশ্চয়ই হৃদয়ের ধর্মনিষ্ঠা থেকে উদ্ভূত।
- ★ इन बातों का ख़याल रखो। और जो कोई अल्लाह के नाम लगी चीज़ों का आदर करे, तो निस्संदेह वे (चीज़ें) दिलों के तक़वा (धर्मपरायणता) से सम्बन्ध रखती है



ثم مَحِلهَا إلى ٱلبَيْتِ ٱلعَتِيقِ



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

ان میں تمہارے لئے ایک مقرر وقت تک فائدہ ہے پھر ان کے حلال ★ ہونے کی جگہ خانہ کعبہ ہے

★ In them (cattle offered for sacrifice) are benefits for you for an appointed term, and afterwards they are brought for sacrifice unto the ancient House (the Haram - sacred territory of Makkah city).

★ এদের মধ্যে তোমাদের জন্য উপকার রয়েছে এক নির্দিষ্ট কাল পর্যন্ত, তারপর তাদের কুরবানির স্থান হচ্ছে প্রাচীন গৃহের সয়িকটে।

उनमें एक निश्चित समय तक तुम्हारे लिए फ़ायदे है। फिर उनको उस
 पुरातन घर तक (क़ुरबानी के लिए) पहुँचना है







وَلِكُلِّ أُمَّةٍ جَعَلنَا مَنسَكًا لِيَذْكُرُواْ ﴿ السُّمَ اللهِ عَلَىٰ مَا رَزْقُهُم مِّنُ بَهِيمَةِ النَّعْمَ فَإِلَّهُكُمْ إِلَّهُ وَحِدٌ فَلَهُۥٓ أَسْلِمُواْ وَبَشِر المُخْبِتِينَ

اور ہر امت کے لئے ہم نے قربانی کے طریقے مقرر فرمائے ہیں تاکہ وہ ★
ان چوپائے جانوروں پر الله کا نام لیں جو الله نے انہیں دے رکھے
ہیں۔ سمجھ لو کہ تم سب کا معبود برحق صرف ایک ہی ہے تم اسی
کے تابع فرمان ہو جاؤ عاجزی کرنے والوں کو خوشخبری سنا دیجئے

* And for every nation We have appointed religious ceremonies, that they may mention the Name of Allah over the beast of cattle that He has given them for food. And your llah (God) is One llah (God Allah), so you must submit to Him Alone (in Islam). And (O Muhammad SAW) give glad tidings to the Mukhbitin [those who obey Allah with humility and are humble from among the true believers of Islamic

Monotheism],



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah), Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. \$By

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

আর প্রত্যেক জাতির জন্য আমরা কুরবানির বিধান দিয়েছি, যেন
তারা আল্লাহ্র নাম স্মরণ করে চতুস্পদ গবাদি-পশুদের যেগুলো
দিয়ে তিনি তাদের রিযেক দিয়েছেন সে-সবের উপরে। বস্তুতঃ
তোমাদের উপাস্য একক উপাস্য, সুতরাং তাঁরই নিকট তোমরা
আত্মসমর্পণ করো। আর সুসংবাদ দাও বিনয়নম্রদের,

★ और प्रत्येक समुदाय के लिए हमने क़ुरबानी का विधान किया, तािक वे उन जानवरों अर्थात मवेशियों पर अल्लाह का नाम लें, जो उसने उन्हें प्रदान किए हैं। अतः तुम्हारा पूज्य-प्रभु अकेला पूज्य-प्रभु है। तो उसी के आज्ञाकारी बनकर रहो और विनम्रता अपनानेवालों को शुभ सूचना दे दो





ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLA AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

ٱلصّلواةِ وَمِمّا رَزَقْتُهُمْ يُنفِقُونَ

انہیں کہ جب الله کا ذکر کیا جائے ان کے دل تھرا جاتے ہیں۔ انہیں ★ نماز قائم کرنے والے ہیں اور ،جو برائی پہنچے اس پر صبر کرتے ہیں جو کچھ ہم نے انہیں دے رکھا ہے وہ اس میں سے بھی دیتے رہتے ہیں

★ Whose hearts are filled with fear when Allah is mentioned; who patiently bear whatever may befall them (of calamities); and who perform As-Salat (Iqamat-as-Salat), and who spend (in Allah's Cause) out of what We have provided them.

★ তাদের যাদের হৃদয় কাঁপতে থাকে যখন আল্লাহ্কে স্মরণ করা হয়, আর তাদের উপরে বিপদ ঘটা সত্ত্বেও যারা অধ্যবসায়ী, আর নামায় अससलाह কায়েমকারীদের, আর ওদের আমরা যে রিযেক দিয়েছি তা থেকে যারা খরচ করে থাকে তাদের।

* ये वे लोग है कि जब अल्लाह को याद किया जाता है तो उनके दिल दहल जाते है और जो मुसीबत उनपर आती है उसपर धैर्य से काम लेते



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah∰, Hanifa (i.e. to worship none but Allah∰), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah∰, and those who joined partners with Allah∰).

Beta AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

है और नमाज़ अससलाह को क़ायम करते है, और जो कुछ हमने उन्हें दिया है उसमें से ख़र्च करते है

0

★ Al-Hajj (22:36)

بساراللهم الرحمان

وَٱلبُدْنَ جَعَلَتُهَا لَكُمْ مِنْ شَعَّئِرِ ٱللهِ لَكُمْ فِيهَا خَيْرٌ فَأَدْكُرُوا ٱسْمَ ٱللهِ عَلَيْهَا صَوَآفٌ فَإِذَا وَجَبَتْ جُنُوبُهَا عَلَيْهَا صَوَآفٌ فَإِذَا وَجَبَتْ جُنُوبُهَا فَكُلُوا مِنْهَا وَأَطْعِمُوا ٱلقانِعَ وَٱلمُعْتَرِ فَكُلُوا مِنْهَا وَأَطْعِمُوا ٱلقانِعَ وَٱلمُعْتَرِ كَذَالِكَ سَخَرْتُهَا لَكُمْ لَعَلَكُمْ تَشْكُرُونَ كَاللّهُ لَعَلَكُمْ تَشْكُرُونَ كَاللّهَ لَكُمْ لَعَلَكُمْ تَشْكُرُونَ كَاللّهُ لَكُمْ لَعَلَكُمْ تَشْكُرُونَ كَاللّهُ لَا لَكُمْ لَعَلَكُمْ تَشْكُرُونَ لَعَلَكُمْ فَاللّهُ فَيَكُمْ فَيُولُونَ لَكُمْ لَعَلّمُ فَيْكُمْ فَيُكُمْ فَيُعْرُونَ فَيَعْلَمُ فَيْكُونَ فَيَعْلَمُ فَيْكُمْ فَيُعْلَمُ فَيْكُونَ فَيْ فَيْكُمْ فَيْكُونُ فَيْكُمْ فَيْكُونَ فَيْ فَيْكُمْ فَيْكُمْ فَيْكُمْ فَيْكُونَ فَيْ فَيْ فَيْكُمْ فَيْكُمْ فَيْكُونَ فَيْ فَيْكُمْ فَيْكُونُهُمْ فَيْكُمْ فَيْكُمْ فَيْكُمْ فَيْكُمْ فَيْكُمْ فَيْكُمْ فَيْهُا فَيْكُمْ فَيْكُمْ فَيْكُمْ فَيْكُمْ فَيْكُمْ فَيْكُمْ فَيْعُونُ فَيْكُمْ فَيْكُ

قربانی کے اونٹ ہم نے تمہارے لئے الله تعالیٰ کی نشانیاں مقرر کر دی ہیں ان میں تمہیں نفع ہے۔ پس انہیں کھڑا کر کے ان پر الله کا نام کھاؤ (خود بھی) پھر جب ان کے پہلو زمین سے لگ جائیں اسے،لو

اور مسکین سوال سے رکنے والوں اور سوال کرنے والوں کو بھی کھلا



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah). Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

اسی طرح ہم نے چوپایوں کو تمہارے ماتحت کردیا ہے کہ تم شکر ،اؤ گزاری کرو

And the Budn (cows, oxen, or camels driven to be offered as sacrifices by the pilgrims at the sanctuary of Makkah.) We have made for you as among the Symbols of Allah, therein you have much good. So mention the Name of Allah over them when they are drawn up in lines (for sacrifice). Then, when they are down on their sides (after slaughter), eat thereof, and feed the beggar who does not ask (men), and the beggar who asks (men). Thus have We made them subject to you that you may be grateful.

আর উট, -- আমরা তাদের তোমাদের জন্য আল্লাহ্র নিদর্শনাবলীর অন্যতম বানিয়েছি, তোমাদের জন্য তাদের মধ্যে কল্যাণ নিহিত আছে। সেজন্য সারিবদ্ধ থাকাকালে তাদের উপরে আল্লাহ্র নাম উল্লেখ করো, তারপর তারা যখন তাদের পার্শ্বে পড়ে যায় তখন তা থেকে তোমরা খাও, এবং খাওয়াও তুষ্ট-দুঃস্থকে ও ভিক্ষুককে। এইভাবেই আমরা এদের তোমাদের অধীন করে দিয়েছি যেন

তোমরা কৃতজ্ঞতা প্রকাশ কর।



★ (क़रबानी के) ऊँटों को हमने तुम्हारे लिए अल्लाह की निशानियों में से बनाया है। तुम्हारे लिए उनमें भलाई है। अतः खड़ा करके उनपर अल्लाह का नाम लो। फिर जब उनके पहलू भूमि से आ लगें तो उनमें से स्वयं भी खाओ औऱ संतोष से बैठनेवालों को भी खिलाओ और माँगनेवालों को भी। ऐसी ही करो। हमने उनको तुम्हारे लिए वशीभूत कर दिया है, तािक तुम कृतज्ञता दिखाओ



★ Al-Hajj (22:37)



لن يَنَالَ آللهَ لَحُومُهَا وَلَا دِمَآؤُهَا وَلَكِن يَنَالُهُ ٱلتَّقْوَىٰ مِنكُمْ كَذَٰلِكَ وَلَكِن يَنَالُهُ ٱلتَّقْوَىٰ مِنكُمْ كَذَٰلِكَ سَخَرَهَا لَكُمْ لِتُكَبِّرُوا ٱللهَ عَلَىٰ مَا هَدَنكُمْ وَبَشِر ٱلمُحْسِنِينَ هَدَنكُمْ وَبَشِر ٱلمُحْسِنِينَ

الله تعالیٰ کو قربانیوں کے گوشت نہیں پہنچتے نہ اس کے خون بلکہ ★



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah), Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

اسے تو تمہارے دل کی پرہیزگاری پہنچتی ہے۔ اسی طرح الله نے ان جانوروں کو تمہارے مطیع کر دیا ہے کہ تم اس کی رہنمائی کے اور نیک لوگوں کو خوشخبری ،شکریئے میں اس کی بڑائیاں بیان کرو اسنا دیجئے

★ It is neither their meat nor their blood that reaches Allah, but it is piety from you that reaches Him. Thus have We made them subject to you that you may magnify Allah for His Guidance to you. And give glad tidings (O Muhammad SAW) to the Muhsinun (doers of good).

★ তাদের মাংস কখনো আল্লাহ্র কাছে পৌঁছায় না আর তাদের রক্তও নয়, বরং তোমাদের থেকে ধর্মনিষ্ঠাই তাঁর কাছে পৌঁছায়। এইভাবেই তিনি তাদের তোমাদের অধীন করে দিয়েছেন যেন তোমরা আল্লাহ্র শ্রেষ্ঠত্ব ঘোষণা করতে পারো এজন্য যে তিনি তোমাদের পথ দেখিয়ে দিয়েছেন। আর সুসংবাদ দাও সংকর্মপরায়ণদের।

🖈 न उनके माँस अल्लाह को पहुँचते है और न उनके रक्त। किन्तु उसे

तुम्हारा तक़वा (धर्मपरायणता) पहुँचता है। इस प्रकार उसने उन्हें तुम्हारे



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

लिए वशीभूत किया है, ताकि तुम अल्लाह की बड़ाई बयान करो, इसपर कि उसने तुम्हारा मार्गदर्शन किया और सुकर्मियों को शुभ सूचना दे दो



★ Al-Hajj (22:38)



إِنَّ ٱللهَ يُدُفِعُ عَنِ ٱلذِينَ ءَامَنُوَا *
إِنَّ ٱللهَ لَا يُحِبُ كُلِّ خَوَانِ كَقُورٍ إِنَّ ٱللهَ لَا يُحِبُ كُلِّ خَوَانِ كَقُورٍ

یقیناً سچے مومنوں کے دشمنوں کو خود الله تعالیٰ ہٹا دیتا اسن رکھو 🖈 ہے۔ کوئی خیانت کرنے والا ناشکرا الله تعالیٰ کو ہرگز پسند نہیں

★ Truly, Allah defends those who believe. Verily! Allah likes not any treacherous ingrate to Allah [those who disobey Allah but obey Shaitan (Satan)].

★ নিঃসন্দেহ আল্লাহ্ দফা রফা করে দেবেন তাদের থেকে যারা

ঈমান এনেছে। নিঃসন্দেহ আল্লাহ ভালবাসেন না প্রত্যেক



বিশ্বাসঘাতককে, অকৃতজ্ঞকে।

★ निश्चय ही अल्लाह उन लोगों की ओर से प्रतिरक्षा करता है, जो ईमान लाए। निस्संदेह अल्लाह किसी विश्वासघाती, अकृतज्ञ को पसन्द नहीं करता

0

* Childhood of Prophet

Ibraheema.a.s.

* Ash-Shu'araa (26:69)



وَأَتُلُو عَلَيْهِمْ نَبَأُ إِبْرَاهِيمَ *

★ 你应当对他们宣读易卜拉欣的故事。

سنادو بھی واقعہ کا (السلام علیہ) ابراہیم انہیں ★

★ And recite to them the story of Ibrahim (Abraham).





ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah∰, Hanifa (i.e. to worship none but Allah∰), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah∰, and those who joined partners with Allah∰).

Beta AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

🖈 আর তুমি তাদের কাছে ইব্রাহীমের কাহিনী বর্ণনা করো।

★ और उन्हें इबराहीम का वृत्तान्त सुनाओ,



* Ash-Shu'araa (26:70)



إِذْ قَالَ لِأَبِيهِ وَقُوْمِهِ مَا تَعْبُدُونَ *

جبکہ انہوں نے اپنے باپ اور اپنی قوم سے فرمایا کہ تم کس کی 🖈 عبادت کرتے ہو؟

When he said to his father and his people: "What do you

worship?"

🖈 স্মরণ করো! তিনি তাঁর পিতৃপুরুষকে ও তাঁর স্বজাতিকে বললেন

-- "তোমরা কিসের উপাসনা কর?"





ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

★ जबिक उसने अपने बाप और अपनी क़ौंम के लोगों से कहा, "तुम क्या पूजते हो?"



★ Ash-Shu'araa (26:71)



قالوا تعبد أصنامًا فنظل لها *

عٰكِفِينَ

ہم تو برابر ان کے ،انہوں نے جواب دیا کہ عبادت کرتے ہیں بتوں کی 🖈 🧘 مجاور بنے بیٹھے ہیں

★ They said: "We worship idols, and to them we are ever

devoted."

🛨 তারা বললে -- "আমরা প্রতিমাদের পূজা করি, আর আমরা তাদের

আরাধনায় নিষ্ঠাবান থাকব।"





ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

उन्होंने कहा, "हम बुतों की पूजा करते है, हम तो उन्हीं की सेवा में लगे
 रहेंगे।"



*

★ Ash-Shu'araa (26:72)



قالَ هَلْ يَسْمَعُونَكُمْ إِذْ تَدْعُونَ *

آپ نے فرمایا کہ جب تم انہیں پکارتے ہو تو کیا وہ سنتے بھی ہیں؟ 🖈

★ He said: "Do they hear you, when you call (on them)?

★ তিনি বললেন, "তারা কি তোমাদের শোনে যখন তোমরা ডাকো?

★ उसने कहा, "क्या ये तुम्हारी सुनते हैं, जब तुम पुकारते हो,



 \star



یےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے. وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...



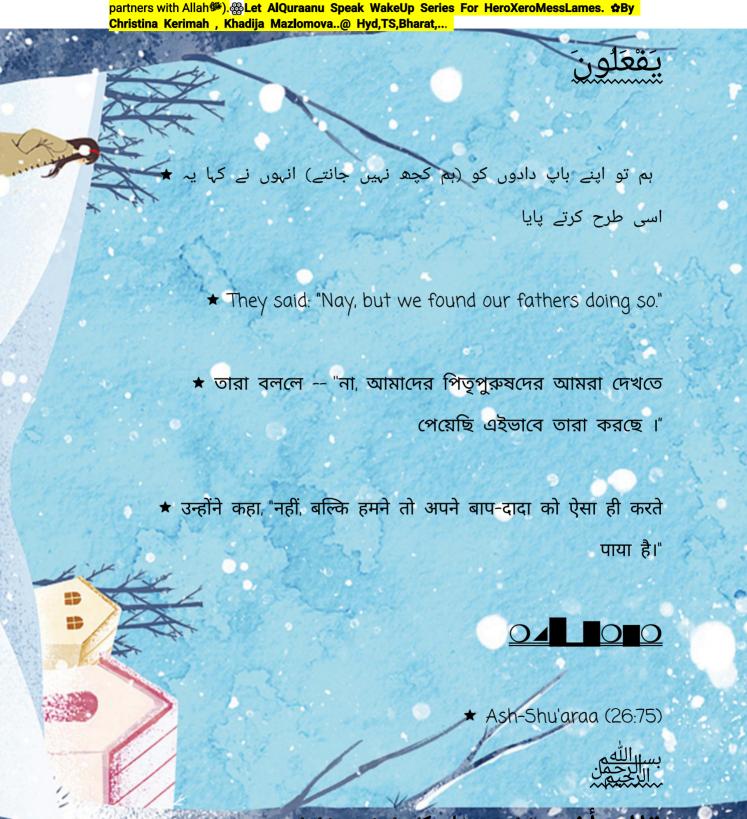
قالوا بَلْ وَجَدْنَآ ءَابَآءَنَا كَدَٰلِكَ 🖈



یےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah , Khadiia Mazlomova. Hvd.TS.Bharat...





یےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hvd,TS,Bharat....





ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah.

By Christina Kerimah . Khadiia Mazlomova... Hvd.TS.Bharat....



...**Folio**.....211

ভ-বিশ্বের প্রভ নন





ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, Bet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

★ वे सब तो मेरे शत्रु है, सिवाय सारे संसार के रब के,



★ Ash-Shu'araa (26:78)





جس نے مجھے پیدا کیا ہے اور وہی میری رہبری فرماتا ہے ★

★ "Who has created me, and it is He Who guides me;

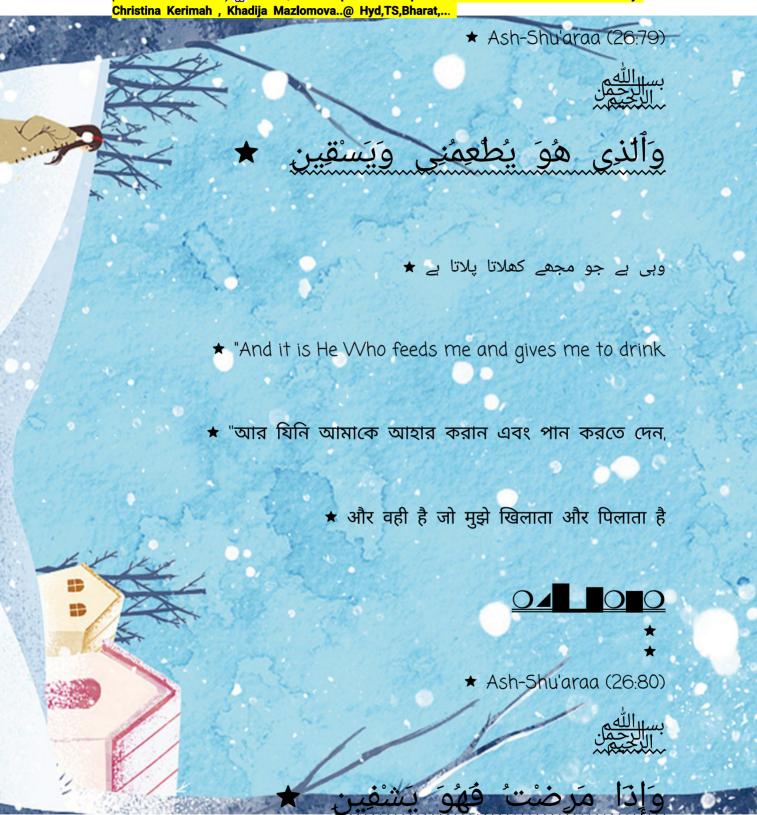
★ "যিনি আমাকে সৃষ্টি করেছেন, তারপর তিনি আমাকে পথ দেখিয়েছেন,

★ जिसने मुझे पैदा किया और फिर वही मेरा मार्गदर्शन करता है

ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, Bet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...







ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

اور جب میں بیمار پڑ جاؤں تو مجھے شفا عطا فرماتا ہے 🖈

* "And when I am ill, it is He who cures me.

🖈 "আর যখন আমি রোগে ভোগি তখন তিনিই আমাকে আরোগ্য

করেন,

★ और जब मैं बीमार होता हूँ, तो वही मुझे अच्छा करता है

04 00

*

★ Ash-Shu'araa (26:81)

بساراللهم الرحمل

وَٱلذِي يُمِيتُنِي ثُمَّ يُحْيِينِ ★

اور وہی مجھے مار ڈالے گا پھر زندہ کردے گا ★

* "And Who will cause me to die, and then will bring me to life

(again);



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLA AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...

* "আর যিনি, আমার মৃত্যু ঘটাবেন তারপরে আমাকে পুনর্জীবন দেবেন,

★ और वही है जो मुझे मारेगा, फिर मुझे जीवित करेगा



* Ash-Shu'araa (26:82)

بس<u>االلهم</u> اللحمان

وَٱلذِي أَطْمَعُ أَن يَعْفِرَ لِي *

خَطِي-َّتِي يَوْمَ ٱلدِّين

اور جس سے امید بندھی ہوئی ہے کہ وہ روز جزا میں میرے گناہوں

کو بخش دے گا

 \star "And Who, I hope will forgive me my faults on the Day of

Recompense, (the Day of Resurrection),"





بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

"আর যিনি, আমি আশা করি, বিচারের দিনে আমার ভুলভ্রান্তিগুলো আমার জন্য ক্ষমা করে দেবেন।

और वही है जिससे मुझे इसकी आकांक्षा है कि बदला दिए जाने के
 दिन वह मेरी ख़ता माफ़ कर देगा



★ Ash-Shu'araa (26:83)

بس<u>االلهم</u> اللحمان اللجيم

رَبِّ هَبْ لِى حُكُمًا وَأَلْحِقْنِى * بِالْصَلِحِينَ اللهِ الْمُلْحِينَ اللهِ الْمُلْحِينَ اللهِ الْمُلْحِينَ

مجھے قوت فیصلہ عطا فرما اور مجھے نیک لوگوں ااے میرے رب ★ میں ملا دے

★ My Lord! Bestow Hukman (religious knowledge, right judgement of the affairs and Prophethood) on me, and join

me with the righteous;





بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

🖈 "আমার প্রভু৷ আমাকে জ্ঞান দান করো, আর আমাকে সৎকর্মীদের সঙ্গে যুক্ত করো।

★ ऐ मेरे रब। मुझे निर्णय-शक्ति प्रदान कर और मुझे योग्य लोगों के साथ मिला।



* Ash-Shu'araa (26:84)



وَٱجْعَل لِى لِسَانَ صِدْق فِى * أَلْءَاخِرِينَ

اور میرا ذکر خیر پچھلے لوگوں میں بھی باقی رکھ ★

★ And grant me an honourable mention in later generations;

★ "আর আমার জন্য পরবর্তীদের মধ্যে সদালাপন সৃষ্টি করো।





ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, Bet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

\star और बाद के आनेवालों में से मुझे सच्ची ख़्याति प्रदान कर



★ Ash-Shu'araa (26:85)



وَأَجْعَلنِي مِن وَرَثَةِ جَنَّةِ ٱلنَّعِيمِ *

مجھے نعمتوں والی جنت کے وارثوں میں سے بنادے ★

★ And make me one of the inheritors of the Paradise of

Delight;

🖈 "আর আমাকে আনন্দময় উদ্যানের ওয়ারিশানের অন্তর্ভুক্ত করো।

★ और मुझे नेमत भरी जन्नत के वारिसों में सम्मिलित कर



 \bigstar





ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah∰, Hanifa (i.e. to worship none but Allah∰), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah∰, and those who joined partners with Allah∰).

Beta AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...



<mark>...Folio.....</mark>219

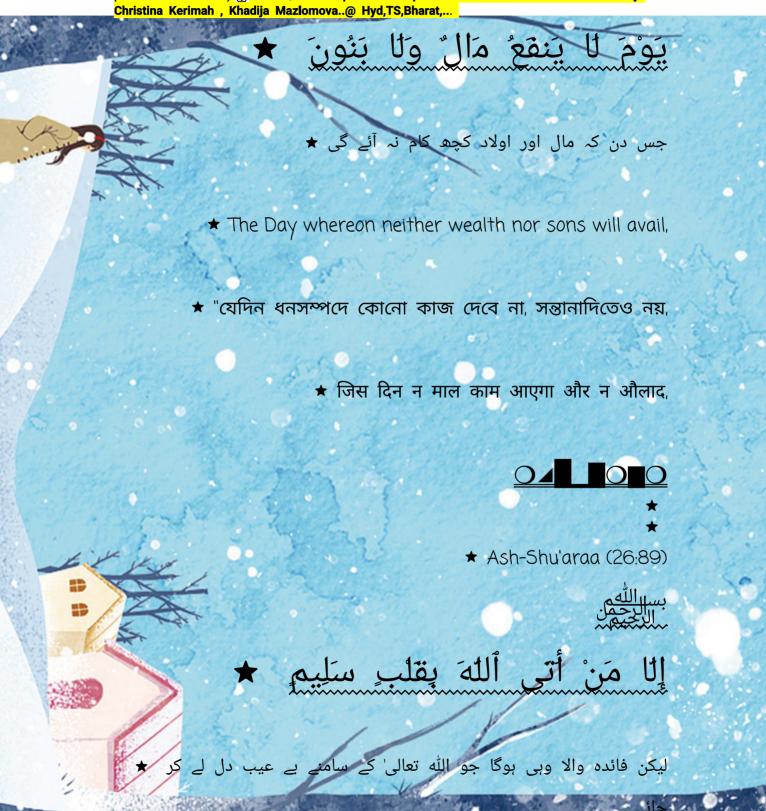


ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

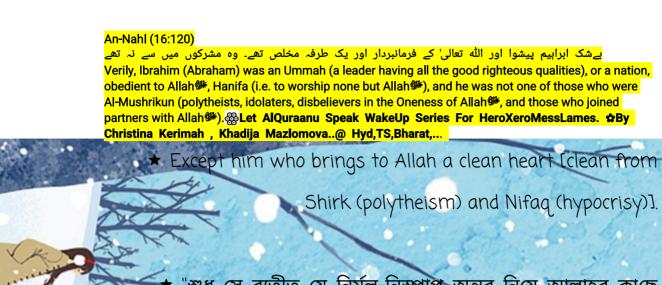
By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...



<mark>...Folio.....</mark>220





★ "শুধু সে ব্যতীত যে নির্মল-নিস্পাপ অন্তর নিয়ে আল্লাহ্র কাছে আসবে।"

★ सिवाय इसके कि कोई भला-चंगा दिल लिए हुए अल्लाह के पास आया हो।"



★ Ash-Shu'araa (26:90)





اور پرہیزگاروں کے لیے جنت بالکل نزدیک لادی جائے گی ★

* And Paradise will be brought near to the Muttaqun (pious

see V. 2:2).



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLA AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... ⊕ Hyd,TS,Bharat,...



★ और डर रखनेवालों के लिए जन्नत निकट लाई जाएगी



* Ash-Shu'araa (26:91)



وَبُرِّزْتِ ٱلْجَحِيمُ لِلْعَاوِينَ *

اور گمراہ لوگوں کے لیے جہنم ظاہر کردی جائے گی 🖈

 \star And the (Hell) Fire will be placed in full view of the erring.

★ আর দুযখকে খোলে দেওয়া হবে পথভ্রষ্টদের জন্য।

★ और भडकती आग पथभ्रष्टि लोगों के लिए प्रकट कर दी जाएगी



حيث ابراہيم پيشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں س نہ تہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat....



نے (علیہ السلام) اور وہ وقت بھی یاد کرنے کے قابل ہے جب ابراہیم ★



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

اپنے باپ آزر سے فرمایا کہ کیا تو بتوں کو معبود قرار دیتا ہے؟
بےشک میں تجھ کو اور تیری ساری قوم کو صریح گمراہی میں
دیکھتا ہوں

★ और याद करो, जब इबराहीम ने अपने बाप आज़र से कहा था, "क्या तुम मूर्तियों को पूज्य बनाते हो? मैं तो तुम्हें और तुम्हारी क़ौम को खुली गुमराही में पड़ा देख रहा हूँ।"

★ And (remember) when Ibrahim (Abraham) said to his father Azar: "Do you take idols as aliha (gods)? Verily, I see you and your people in manifest error.

★ আর স্মরণ করো। ইব্রাহীম বলেছিলেন তাঁর পিতৃ-পুরুষ আষারকে --- "তুমি কি মূর্তিদের উপাস্যরূপে গ্রহণ করেছ? নিঃসন্দেহ আমি তোমাকে ও তোমার গোষ্ঠীকে স্পষ্ট ভ্রান্তির মধ্যে দেখতে পাচ্ছি।"







ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah), Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

قَالَ أَرَاغِبُ أَنتَ عَنْ ءَالِهَتِى يَّابْرُهِيمُ لِئِن لَمْ تَنتَهِ لِأَرْجُمُنَكَ وَأَهْجُرْنِي مَلِيًّا

کیا تو ہمارے معبودوں سے روگردانی ااس نے جواب دیا کہ اے ابراہیم ★
کر رہا ہے۔ سن اگر تو باز نہ آیا تو میں تجھے پتھروں سے مار ڈالوں
جا ایک مدت دراز تک مجھ سے الگ رہ،گا

★ He (the father) said: "Do you reject my gods, O Ibrahim (Abraham)? If you stop not (this), I will indeed stone you. So get away from me safely before I punish you."

★ সে বললে — "হে ইব্রাহীম, তুমি কি আমার উপাস্যদের থেকে বীতশ্রদ্ধ? তুমি যদি না থামো তবে তোমাকে আমি নিশ্চিত পাথর ছুঁড়ে তাড়া করব, আর তুমি আমার থেকে এই মুহূর্তে দূর হয়ে যাও।"

\star उसने कहा, "ऐ इबराहीम। क्या तू मेरे उपास्यों से फिर गया है? यदि तू 🕢

बाज़ न आया तो मैं तुझपर पथराव कर दूँगा। तू अलग हो जा मुझसे



یےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hvd,TS,Bharat....





- * और इस प्रकार हम इबराहीम को आकाशों और धरती का राज्य दिखाने लगे (ताकि उसके ज्ञान का विस्तार हो) और इसलिए कि उसे विश्वास हो
 - ★ Thus did we show Ibrahim (Abraham) the kingdom of the heavens and the earth that he be one of those who have Faith with certainty.
 - ★ আর এইভাবে আমরা ইব্রাহীমকে দেখিয়েছিলাম মহাকাশমন্ডল ও পৃথিবীর সার্বভেম রাজত্ব যাতে তিনি হতে পারেন দৃঢ়প্রত্যয়ীদের অন্তর্ভুক্ত।



فَلَمّا جَنَّ عَلَيْهِ آلَيْلُ رَءَا كَوْكَبًا ★ قالَ هٰذَا رَبِّى فَلَمّاۤ أَفُلَ قَالَ لَا أُحِبُ



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah), Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. \$By

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

فلما أظلم على إبراهيم عليه السلام الليل وغطاه ناظر قومه؛ ليثبت لهم ★
، رأى إبراهيم عليه السلام كوكبًا وكانوا يعبدون النجوم،أن دينهم باطل
، فلما غاب الكوكب، هذا ربي-مستدرجا قومه لإلزامهم بالتوحيد- فقال
لا أحب الآلهة التى تغيب قال

پھر جب رات کی تاریکی ان پر چھا گئی تو انہوں نے ایک ستارہ ★ دیکھا آپ نے فرمایا کہ یہ میرا رب ہے مگر جب وہ غروب ہوگیا تو آپ نے فرمایا کہ میں غروب ہوجانے والوں سے محبت نہیں رکھتا

★ अतएवः जब रात उसपर छा गई, तो उसने एक तारा देखा। उसने कहा, "इसे मेरा रब ठहराते हो!" फिर जब वह छिप गया तो बोला, "छिप जानेवालों से मैं प्रेम नहीं करता।"

* When the night covered him over with darkness he saw a star. He said: "This is my lord." But when it set, he said: "I like not those that set."

🖈 তারপর রাত্রি যখন তাঁর উপরে অন্ধকার ছেয়ে আনলো তখন

তিনি একটি তারা দেখতে পেলেন তিনি বললেন -- "এইটি আমার



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah∰, Hanifa (i.e. to worship none but Allah∰), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah∰, and those who joined partners with Allah∰).

Beta AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

প্রভু!" তারপর যখন তা অস্ত গেল তখন তিনি বললেন -- "আমি অস্তগামীদের ভালোবাসি না।"



* Al-An'aam (6:77)



فُلمّا رَءَا ٱلقَمَرَ بَازِعًا قَالَ هَذَا رَبّى فُلمّا أَفُلَ قَالَ لئِن لَمْ يَهْدِنِي رَبّي فُلمّا أَفُلَ قَالَ لئِن لَمْ يَهْدِنِي رَبّي لأكونن مِنَ ٱلقَوْمِ ٱلضّالِينَ

-على سبيل استدراج الخصم- فلما رأى إبراهيم القمر طالعًا قال لقومه لئن لم يوفقني ربي -مفتقرا إلى هداية ربه- قال، فلما غاب،هذا ربي لأكونن من القوم الضالين عن سواء السبيل ،إلى الصواب في توحيده بعبادة غير الله تعالى

پھر جب چاند کو دیکھا چمکتا ہوا تو فرمایا کہ یہ میرا رب ہے لیکن

جب وہ غروب ہوگیا تو آپ نے فرمایا کہ اگر مجھ کو میرے رب نے



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, diolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah).

BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. \$By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

ہدایت نہ کی تو میں گمراہ لوگوں میں شامل ہوجاؤں گا

- ★ फिर जब उसने चाँद को चमकता हुआ देखा, तो कहा, "इसको मेरा रब ठहराते हो!" फिर जब वह छिप गया, तो कहा, "यदि मेरा रब मुझे मार्ग न दिखाता तो मैं भी पथभ्रष्ट! लोगों में सम्मिलित हो जाता।"
- ★ When he saw the moon rising up, he said: "This is my lord."
 But when it set, he said: "Unless my Lord guides me, I shall surely be among the erring people."
 - ★ অতঃপর যখন তিনি চন্দ্রকে উদিত হতে দেখলেন তখন বললেন -- "এইটি আমার প্রভু!" কিন্ত যখন তা অস্ত গেল তখন তিনি বললেন -- "যদি আমার প্রভু আমাকে পথ-প্রদর্শন না করতেন

তাহলে আমি অবশ্যই হয়ে পড়তাম পথভ্রষ্টদের দলভুক্ত।



★ Al-An'aam (6:78)





فَلَمَّا رَءَا ٱلشَّمْسَ بَازِغَةً قَالَ هَٰذَا ۗ رَبِّى هَٰذَ٦ أَكْبَرُ فَلَمَّاۤ أَفَلَتْ قَالَ يَٰقُوْمَ إِنِّى بَرِىٓءٌ مِّمَّا تُشْرِكُونَ

هذا أكبر من الكوكب و، هذا ربي:فلما رأى الشمس طالعة قال لقومه * إني بريء مما تشركون من عبادة الأوثان : قال لقومه، فلما غابت،القمر والنجوم والأصنام التي تعبدونها من دون الله تعالى

پھر جب آفتاب کو دیکھا چمکتا ہوا تو فرمایا کہ یہ میرا رب ہے یہ ★ تو سب سے بڑا ہے پھر جب وہ بھی غروب ہوگیا تو آپ نے فرمایا ہے شرک سے بیزار ہوں

* फिर जब उसने सूर्य को चमकता हुआ देखा, तो कहा, "इसे मेरा रब ठहराते हो। यह तो बहुत बड़ा है।" फिर जब वह भी छिप गया, तो कहा, "ऐ मेरी क़ौन के लोगो। मैं विरक्त हूँ उनसे जिनको तुम साझी ठहराते हो

★ When he saw the sun rising up, he said: "This is my lord. This

is greater." But when it set, he said: "O my people! I am

indeed free from all that you join as partners in worship



بیشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLA AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

with Allah.

★ তারপর যখন তিনি দেখলেন সূর্য উদয় হচ্ছে তখন তিনি বললেন -- "এইটি আমার প্রভু, এটি সব চাইতে বড়!" কিন্ত যখন এটিও অস্ত গেল তখন তিনি বললেন -- "হে আমার সম্প্রদায়, তোমরা যাদের শরিক কর তা থেকে আমি অবশ্যই মুক্ত।



* Al-An'aam (6:79)



إِتِى وَجَهْتُ وَجْهِىَ لِلذِى فُطْرَ * السّمَّوٰتِ وَالأَرْضَ حَنِيقًا وَمَا أَتَا مِنَ السُّمُّوٰتِ وَالأَرْضَ حَنِيقًا وَمَا أَتَا مِنَ المُشْرِكِينَ

فهو الذي خلق ،إني توجّهت بوجهي في العبادة لله عز وجل وحده ★ وما أنا من المشركين ، مائلا عن الشرك إلى التوحيد،السموات والأرض

مع الله غيره.



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

میں اپنا رخ اس کی طرف <mark>کرتا</mark> ہوں جس نے آسمانوں اور زمین کو اور میں شرک کرنے والوں میں سے نہیں ہوں،پیدا کیا یکسو ہو گر

- ★ "मैंने तो एकाग्र होकर अपना मुख उसकी ओर कर लिया है, जिसने आकाशों और धरती को पैदा किया। और मैं साझी ठहरानेवालों में से नहीं।"
- ★ Verily, I have turned my face towards Him Who has created the heavens and the earth Hanifa (Islamic Monotheism, i.e. worshipping none but Allah Alone) and I am not of Al-Mushrikun (see V. 2:105)".
 - ★ "নিঃসন্দেহ আমি তাঁর দিকে আমার মুখ ফেরাচ্ছি একনিষ্ঠভাবে যিনি মহাকাশমন্ডল ও পৃথিবী সৃষ্টি করেছেন, আর আমি বহু-খোদাবাদীদের অন্তর্ভুক্ত নই।"



★ Al-An'aam (6:80)



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah , Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah , and those who joined partners with Allah),

Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah , Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

وَحَاجَهُ قُوْمُهُ قَالَ أَتُحَجُّوْتِى فِى اللهِ وَقَدْ هَدَىٰنِ وَلَا أَخَافُ مَا اللهِ وَقَدْ هَدَىٰنِ وَلَا أَخَافُ مَا الشَّرْكُونَ بِهِ آلِلَا أَن يَشَآءَ رَبِّى شَيْءًا وَسِعَ رَبِّى كُلِّ شَيْءً عِلْمًا أَقُلًا وَسَعَ رَبِّى كُلِّ شَيْءً عِلْمًا أَقُلًا تَتَدَكَّرُونَ

أتجادلونني في توحيدي لله بوجادله قومه في توحيد الله تعالى قال ★ فإن كنتم تخوفونني بآلهتكم ، وقد وفقني إلى معرفة وحدانيته،العبادة . إلا أن يشاء ربي شيئًا،أن توقع بي ضررًا فإنني لا أرهبها فلن تضرني أفلا تتذكرون فتعلموا أنه وحده المعبود وسع ربي كل شيء علمًا المستحق للعبودية؟

آپ نے فرمایا کیا ،اور ان سے ان کی قوم نے حجت کرنا شروع کیا ٭ تم الله کے معاملہ میں محھ سے حجت کرتے ہو حالانکہ اس نے مجھ کو طریقہ بتلا دیا ہے اور میں ان چیزوں سے جن کو تم الله کے

ساتھ شریک بناتے ہو نہیں ڈرتا ہاں اگر میرا پروردگار ہی کوئی امر



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah). Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

کیا تم ،چاہے میرا پروردگار ہر چیز کو اپنے علم میں گھیرے ہوئے ہے پھر بھی خیال نہیں کرتے

★ उसकी क़ौम के लोग उससे झगड़ने लगे। उसने कहा, "क्या तुम मुझसे अल्लाह के विषय में झगड़ते हो? जबिक उसने मुझे मार्ग दिखा दिया है। मैं उनसे नहीं डरता, जिन्हें तुम उसका सहभागी ठहराते हो, बिल्क मेरा रब जो कुछ चाहता है वही पूरा होकर रहता है। प्रत्येक वस्तु मेरे रब की ज्ञान-परिधि के भीतर है। फिर क्या तुम चेतोगे नहीं?

★ His people disputed with him. He said: "Do you dispute with me concerning Allah while He has guided me, and I fear not those whom you associate with Allah in worship. (Nothing can happen to me) except when my Lord (Allah) wills something. My Lord comprehends in His Knowledge all things. Will you not then remember?

আর তাঁর লোকেরা তাঁর সঙ্গে হুজ্জৎ শুরু করল। তিনি বললেন
-- "তোমরা কি আমার সঙ্গে আল্লাহ্ সন্বন্ধে হুজ্জৎ করছো, অথচ
তিনি আমাকে নিশ্চয়ই সৎপথ দেখিয়েছেন? আর আমি তাদের

একটুও ভয় করি না যাদের তোমরা তাঁর সাথে শরিক করেছ, যদি



یےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے. وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

না আমার প্রভু অন্যবিধ ইচ্ছা করেন। আমার প্রভু সব-কিছুর উপরেই জ্ঞানে আধিপত্য রাখেন। তবু কি তোমরা অনুধাবন করবে না?



* Al-An'aam (6:81)



وكيْفَ أَخَافُ مَآ أَشْرَكْتُمْ وَلَا لَمْ تَخَافُونَ أَتَكُمْ أَشْرَكْتُم بِٱللهِ مَا لَمْ يُنَرِّلْ بِهِ عَلَيْكُمْ سُلُطْنًا فَأَيُ يُنَرِّلْ بِهِ عَلَيْكُمْ سُلُطْنًا فَأَيُ يُنَرِّلْ بِهِ عَلَيْكُمْ سُلُطْنًا فَأَيُ الْفَرِيقَيْنِ أَحَقُ بِٱلْأَمْنِ إِن كُنتُمْ ﴿ اللَّهُ اللَّلْمُ اللَّاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ ا

من غير حجة لكم على ذلك؟ فأي ،التي أشركتموها معه في العبادة فريق المشركين وفريق الموحدين أحق بالطمأنينة والسلامة والأ:الفريقين

وخلق أوثانكم ،وكيف أخاف أوثانكم وأنتم لا تخافون ربي الذي خلقكم 🖈



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLA Lalanus Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

ِأَمن من عذاب الله؟ إن كنتم تعلمون صدق ما أقول فأخبروني

اور میں ان چیزوں سے کیسے ڈروں جن کو تم نے شریک بنایا ہے ★ حالانکہ تم اس بات سے نہیں ڈرتے کہ تم نے الله کے ساتھ ایسی چیزوں کو شریک ٹھہرایا ہے جن پر الله تعالیٰ نے کوئی دلیل نازل سو ان دو جماعتوں میں سے امن کا زیادہ مستحق کون ،نہیں فرمائی ہے اگر تم خبر رکھتے ہو

★ "और मैं तुम्हारे ठहराए हुए साझीदारो से कैसे डरूँ, जबिक तुम इस बात से नहीं डरते कि तुमने उसे अल्लाह का सहभागी उस चीज़ को ठहराया है, जिसका उसने तुमपर कोई प्रमाण अवतरित नहीं किया? अब दोनों फ़रीकों में से कौन अधिक निश्चिन्त रहने का अधिकारी है? बताओ यदि तुम जानते हो

And how should I fear those whom you associate in worship with Allah (though they can neither benefit nor harm), while you fear not that you have joined in worship with Allah things for which He has not sent down to you any authority.

(So) which of the two parties has more right to be in

security? If you but know."



"আর কেমন করে আমি ভয় করবো তাদের যাদের তোমরা শরিক করো, অথচ তোমরা ভয় করো না যখন আল্লাহ্র সঙ্গে তোমরা অংশী দাঁড় করাতে যাও যার জন্য তিনি তোমাদের কাছে কোনো সনদ পাঠান নি? সুতরাং এই দুই দলের কারা নিরাপত্তা সন্বন্ধে বেশি হক্দার? যদি তোমরা জেনে থাকো।"



★ Al-An'aam (6:82)



أَلذِينَ ءَامَنُوا وَلَمْ يَلْسِوا إِيمَٰنَهُم *

بظلم أُولَٰئِكَ لَهُمُ ٱلْأَمْنُ وَهُم مُهْتَدُونَ

،الذين صدّقوا الله ورسوله وعملوا بشرعه ولم يخلطوا إيمانهم بشرك وهم الموفقون إلى طريق الحق،أولئك لهم الطمأنينة والسلامة

جو لوگ ایمان رکھتے ہیں اور اپنے ایمان کو شرک کے ساتھ مخلوط ★

<mark>...Folio.....</mark>238



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah), Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. \$By

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

ایسوں ہی کے لئے امن ہے اور وہی راہ راست پر چل رہے ،نہیں کرتے

ہیں

★ "जो लोग ईमान लाए और अपने ईमान में किसी (शिर्क) ज़ुल्म की मिलावट नहीं की, वही लोग है जो भय मुक्त है और वही सीधे मार्ग पर हैं।"

- ★ It is those who believe (in the Oneness of Allah and worship none but Him Alone) and confuse not their belief with Zulm (wrong i.e. by worshipping others besides Allah), for them (only) there is security and they are the guided.
 - ★ যারা আল্লাহ্তে ঈমান এনেছে আর যারা তাদের ঈমানকে অন্যায় আচরণ দ্বারা মাখামাখি করে নি, তারাই -- এদেরই প্রাপ্য নিরাপত্তা, আর এরাই হচ্ছে সুপথে চালিত।







بیشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLA AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

أُولَٰئِكَ ٱلذِينَ أَنْعَمَ ٱللهُ عَلَيْهِم مِّنَ خَمَلْنَا النّبِيِّنَ مِن دُرِيّةٍ عَادَمَ وَمِمّنْ حَمَلْنَا مَعَ ثُوحٍ وَمِن دُرِيّةٍ إِبْرُهِيمَ وَإِسْرَّءِيلَ مَعَ ثُوحٍ وَمِن دُرِيّةٍ إِبْرُهِيمَ وَإِسْرَّءِيلَ وَمَمِّنْ هَدَيْنَا وَأَجْتَبَيْنَا إِذَا تُتْلَىٰ عَلَيْهِمْ عَايَٰتُ ٱلرّحْمُن خَرُوا سُجِّدًا عَلَيْهِمْ عَايَٰتُ ٱلرّحْمُن خَرُوا سُجِّدًا وَبُكِيًا

یہی وہ انبیا ہیں جن پر الله تعالیٰ نے فضل وکرم کیا جو اولاد آدم ★علیہ) میں سے ہیں اور ان لوگوں کی نسل سے ہیں جنہیں ہم نے نوح اور اولاد ابراہیم ویعقوب ، کے ساتھ کشتی میں چڑھا لیا تھا(السلام سے اور ہماری طرف سے راہ یافتہ اور ہمارے پسندیدہ لوگوں میں سے ۔ ان کے سامنے جب الله رحمان کی آیتوں کی تلاوت کی جاتی تھی یہ سجدہ کرتے اور روتے گڑگڑاتے گر پڑتے تھے

* Those were they unto whom Allah bestowed His Grace from among the Prophets, of the offspring of Adam, and of those

whom We carried (in the ship) with Nuh (Noah), and of the



ایےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah). Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

offspring of Ibrahim (Abraham) and Israel and from among those whom VVe guided and chose. When the Verses of the Most Beneficent (Allah) were recited unto them, they fell down prostrating and weeping.

★ এরাই তাঁরা যাঁদের উপরে আল্লাহ্ অনুগ্রহ করেছিলেন, — আদমসন্তানদের থেকে নবীদের মধ্যেকার, আর যাদের আমরা নূহের সাথে বহন করেছিলাম তাদের মধ্যেকার, আর ইব্রাহীম ও ইসমাইলের বংশধরদের মধ্যের এবং যাদের আমরা সৎপথে চালিয়েছিলাম ও মনোনীত করেছিলাম তাদের মধ্যেকার। যখনি পরম করুণাময়ের বাণী তাদের কাছে পাঠ করা হতো তারা লুটিয়ে পড়ত সিজদারত হয়ে ও অশ্রুমোচন করতে করতে।

े ये वे पैग़म्बर है जो अल्लाह के कृपापात्र हुए, आदम की सन्तान में से और उन लोगों के वंशज में से जिनको हमने नूह के साथ सवार किया, और इबराहीम और इसराईल के वंशज में से और उनमें से जिनको हमने सीधा मार्ग दिखाया और चुन लिया। जब उन्हें रहमान की आयतें सुनाई जातीं तो वे सजदा करते और रोते हुए गिर पड़ते थे



•



یےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat....

* Yusuf (12:38)

بس<u>اراللهم</u> الرحيم

وَأَتْبَعْتُ مِلْةُ ءَابَآءِى إِبْرُهِيمَ

وَإِسْحُقَ وَيَعْقُوبَ مَا كَانَ لَنَا أَن

تُشْرُكَ بِٱللهِ مِن شَىْءٍ ذَٰلِكَ مِن فَضْلِ

اللهِ عَلَيْنَا وَعَلَى النّاسِ وَلَٰكِنَ أَكْثَرَ

النّاسِ لَا يَشْكُرُونَ

یعنی ابراہیم واسحاق اور ،میں اپنے باپ دادوں کے دین کا پابند ہوں ★
ہمیں ہرگز یہ سزاوار نہیں کہ ہم الله تعالیٰ کے ،یعقوب کے دین کا
ہم پر اور تمام اور لوگوں پر الله ،ساتھ کسی کو بھی شریک کریں
لیکن اکثر لوگ ناشکری کرتے ہیں،تعالیٰ کا یہ خاص فضل ہے

* "And I have followed the religion of my fathers, - Ibrahim

(Abraham), Ishaque (Isaac) and Ya'qub (Jacob)], and never

could we attribute any partners whatsoever to Allah. This is

from the Grace of Allah to us and to mankind, but most men



ایے سک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah),

Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

thank not (i.e. they neither believe in Allah, nor worship Him).

- 🖈 "আর আমি অনুসরণ করি আমার পিতৃপুরুষ ইব্রাহীম ও ইসহাক
- ও ইয়াকুবের ধর্মমত। এটি আমাদের জন্য নয় যে আমরা আল্লাহ্র সঙ্গে কোনো ধরনের অংশী দাঁড় করাব। এটি আমাদের প্রতি আল্লাহ্র অনুগ্রহ-প্রাচুর্যের ফলে আর মানবগোষ্ঠীর প্রতিও, কিন্তু অধিকাংশ লোকেরা কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করে না।
 - ★ अपने पूर्वज इबराहीम, इसहाक़ और याक़ूब का तरीक़ा अपनाया है। इमसे यह नहीं हो सकता कि हम अल्लाह के साथ किसी चीज़ को साझी ठहराएँ। यह हमपर और लोगों पर अल्लाह का अनुग्रह है। किन्तु अधिकतर लोग आभार नहीं प्रकट करते

Al-Maaida (5:44)

بساراللهم الاحمل الاحيم

هَادُوا لِلذِينَ أَسْلَمُوا ٱلذِينَ ٱلنَّيِيُونَ بِهَا يَحْكُمُ وَثُورٌ هُدًى فِيهَا ٱلتَوْرَنَةَ أَنْزَلْنَا إِنَّا تَخْشُوا فَلَا شُهَدَاءَ عَلَيْهِ وَكَانُوا ٱللهِ كِتَّبِ مِن ٱسْتُحْفِظُوا بِمَا وَٱلنَّحْبَارُ وَٱلرَّبُعِيُونَ ٱللهُ أَنزَلَ بِمَا يَحْكُم لَمْ وَمَن قَلِيلًا ثَمَنًا بِأَيْتِي تَشْتَرُوا وَلَا وَٱحْشُونِ ٱلنَّاسِ

ٱلكفِرُونَ هُمُ فَأُولَٰئِكَ



اید مشرکوں میں سے نہ تھے Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. \$\phi\$By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...@ Hyd,TS,Bharat,...

निस्संदेह हमने तौरात उतारी, जिसमें मार्गदर्शन और प्रकाश था। नबी जो आज्ञाकारी थे, उसको यहूदियों के लिए अनिवार्य ठहराते थे कि वे उसका पालन करें और इसी प्रकार अल्लाहवाले और शास्त्रवेत्ता भी। क्योंकि उन्हें अल्लाह की किताब की सुरक्षा का आदेश दिया गया था और वे उसके संरक्षक थे। तो तुम लोगों से न डरो, बल्कि मुझ ही से डरो और मेरी आयतों के बदले थोड़ा मूल्य प्राप्त न करना। जो लोग उस विधान के अनुसार फ़ैसला न करें, जिसे अल्लाह ने उतारा है, तो ऐसे ही लोग विधर्मी है

আমি তওরাত অবর্তীর্ন করেছি। এতে হেদায়াত ও আলো রয়েছে। আল্লাহর আজ্ঞাবহ পয়গম্বর, দরবেশ ও আলেমরা এর মাধ্যমে ইহুদীদেরকে ফয়সালা দিতেন। কেননা, তাদেরকে এ খোদায়ী গ্রন্থের দেখাশোনা করার নির্দেশ দেয়া হয়েছিল এবং তাঁরা এর রক্ষণাবেক্ষণে নিযুক্ত ছিলেন। অতএব, তোমরা মানুষকে ভয় করো না এবং আমাকে ভয় কর এবং আমার আয়াত সমূহের বিনিময়ে স্বল্পমূল্যে গ্রহণ করো না, যেসব লোক আল্লাহ যা অবতীর্ণ করেছেন, তদনুযায়ী ফায়সালা করে না, তারাই কাফের।

اسی میں یہودیوں ہے، ونور ہدایت میں جس ہے فرمائی نازل تورات نے ہم اللہ اہل اور انبیا) علیہم السلام(والے ماننے کے تعالیٰ اللہ ساتھ کے تورات



بيشك ابراہيم پيشوا اور الله تعالیٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں ميں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLA AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

کا حفاظت کی کتاب اس کی اُللہ انہیں کیونکہ تھے کرتے فیصلے علما اور کہ چاہیئے تمہیں اب تھے گواہ اقراری پر اس وہ اور تھا۔ گیا دیا حکم تھوڑے تھوڑے کو آیتوں میری رکھو، ڈر میرا صرف اور ڈرو نہ سے لوگوں نہ فیصلے ساتھ کے وحی ہوئی اتاری کی اُللہ لوگ جو بیچو، نہ پر مول بہ فیصلے ساتھ کے وحی ہوئی اتاری کی اُللہ لوگ جو بیچو، نہ پر مول

It was We who revealed the law (to Moses): therein was guidance and light. By its standard have been judged the Jews, by the prophets who bowed (as in Islam) to Allah's will, by the rabbis and the doctors of law: for to them was entrusted the protection of Allah's book, and they were witnesses thereto: therefore fear not men, but fear me, and sell not my signs for a miserable price. If any do fail to judge by (the light of) what Allah hath revealed, they are (no better than) Unbelievers.

....5/44

రానురాను రాజుగారి గుఱ్ఱం గాడిదైనట్టుయే మంద్రూ-మాకులకూ కొఱగాని యేదో హినీ వినీ టినీ -కరోనా మరోనా రోనా మాయదారిరోగం సోకిందో ..యేమోగాని అంతా తారుమారే!

నానాటికి తీసికట్లు నానంబట్టూ అన్నట్లీ యవ్వారం-నాకు గుడక సమఝ్



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

ఐతాలేద్!

కుండితులు మొద్దుబారి -ఒజ్జబొజ్జతిండిపోతుబీమన్న బండితుండ్లుగ మారారా! ముందు [[గాడిదపైన గరీబు-ఖుర్రముపైన నవాబు]] అనే రోజులలోగూడ, రివాయతీపండితులు రెండుకాళ్ళ నటరాజసర్వీసు నడకతో నడిచి గసాబుసాఐనాసరే యెండనక-వాననక-వచ్చి వైజు అడ్వైజు తో సంఘ సంస్కారం జేసేవారు-తృణం-పణం-కాంచానం-కనకం-ఇత్యాది సమర్పణలను గైకొనేదే లేదు-వెరసి దైవప్రీతికొసంమాత్రమే సంఘసేవ-మానవసేవా జేసేవాళ్ళు-వాళ్ళ నడతలో good samaritanship ద్యోతకం అయ్యేది-వాళ్ళకు నీ-నా-తన-అపనా-పరాయా-అస్మ-తస్మ-ఫీలింగులు లేకుండే- ఇబ్బుడైతై "మోడరన్ స్మార్ట్ఫోన్ స్పోర్టింగ్ యంగ్-ఓల్డు " ఒజ్జబొజ్జల సంగటులు-.

మొదటిది- యెక్కువగా యూట్యూబులో నోరూరించే-లాలసరంజిత తడివీడియోలనే దర్సిస్తారట-అలా కన్నుల-వీనుల -యింకా యేమేమో విందులు జేస్కొంటారట--- రేండోది పెద్దపేద్ద బిరియానీ హోటల్సులో ముప్పూటలా వేళకు ఠంచనుగా గుడుగుడుమోటరు గుఱ్ఱాలపై మెరుపులు యాళిపిస్తూ దిగివస్తారట-పాపీ పేట్ కీపూజా కేలియే- మూడోది వుద్దరగా దేవునిపేరుతో డబ్బు-దస్కాలూ దండుకొంటున్నారట-వాళ్ళ తరఫున చందాలు వసూలుజేసే అందచందాలచంద్రకోమరులకు 40%/50% ముట్టజెప్పి మిగిలిన కొడ్డ ఫండెడ్ ఫండు ను మనీలాండరింగు గావించి తమసొంతపేర్లతో

...Folio.....246



రియల్ఎస్టేట్ గా మార్చుకొంటున్నారట ఒజ్జబొజ్ఞ-బండితులు.:-ఒకప్పుడు

بيشك ابراہيم پيشوا اور الله تعالیٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں ميں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

మాజీలో సైకిలుదర్రాజ లేని ఒజ్జబొజ్జబండితవర్యులూ పెద్దపేద్ద 39/40-ల-కారాల బండ్లు-గాడీలు- లో చక్కర్లు కొడుతున్నారట-జాహిలు-గాఫిలు జనాలకు కల్లిబొల్లి కబుర్లుజెప్పి నీతులు

వల్లిస్తారట-చెప్పేది సిరిరంగనీతులట:--దూరేది దొమ్మారగుడిసెలట-

సేకరించిన చందా-ఫండులతో ఐష్-ఆరాము-హరాముగా రోల్-మాడల్సుగ తమ జిందగీలు తీర్పిదిద్దుకుంటారట

-మూడుపూలా-ఆరుకాయలా-?

సంపదలు చేకూరగా సరసాలకేం కొదవవుండదట-!

ఒకటికిరెండు ఫోర్ వ్లీలర్సు బండ్లతోబాటు పెండలాల సంఖ్యషగూడ ఇదాఫ ఔతాదట-సొంతూర్లో ఓ ఆడదైతే -ఆమెకు ఆస్తులు వేరేనట-ఇబ్బుడుండే వూర్లో రెండో/మూడో/నాలుగో కాపురం అట-ఇక్కడా ఆస్తుల సంఖ్య పెరుగుతూనే వుండే- [[[యెద్దుగా పుడితే దున్నిదున్ని -తిరగదున్నుతూనేసావాలట-మరిమగోడో-తెగ-తెగించి-యేంజేయాల-?"][ఉండవ లెను నరునకొక్కటి -ముండైనన్ -ముత్తైదైనన్-ముసిలిదైనన్-]]] అని ఒజ్జబొజ్జ

బండితులు సిన్నబ్బుడేసదువుకున్నరట-ఇబ్బుడు ప్రాక్టికల్సు

అమలుజేయాల్సిన అవకాశం ((బై హుక్ or క్రూక్)) - దొరక బుచ్చుకొన్నారట-

బలే చాన్నును జాఱవిడుసుకొంటారా?

త్రమ ఉదార కుక్కకక్కుర్తిస్వభావాలను ప్రదర్సిస్తూ చిత్తకార్తిజాగిలాలలా unknown depths లోకి దూసుకపోతున్నారట-

اگے بھی جانے نا تو



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

پیچھے بھی جانے نا تو یھی کرلے آرجوا پوری

యెక్కువగా వేడుకోళ్ళు జేయాల్సినముకద్దసుమహీన -పస్తులనెలలో-దైవాజ్నలనుకాలరాసి -ఇబాదతులను గాలికి వదిలేసి సిగ్గూ యెగ్గూ గోడకు లగ్గాయించి చేతిలోరసీదు బుక్కులుబట్టుకొని అఠార రాజ్యాలు దేశదిమ్మరి ఖరబసివిలా తిరుగుతున్నారట సావుపేలాలేరుకొనే ఈ బొజ్జఒజ్జ బండితులు-

[[[ఏక్-మహీనా-ఫిర్నా-గ్యార-మహినే-బైఠ్-కో ఖానా-కతే-]]]

జాహిలు జనాలు గొప్పగ చేతులు విదిలిస్తారు-మామూలుదినాలలోషకూడ
[[యెంగిలిచేత్తోకాకిని గూడ అదిలించని
పాసిపండ్లపీనాసిపుంగవుడైన-నేనూ-సాలేసాల్ పస్తులనెలలోమటుకు-

బొజ్జఒజ్జలకు చుయ్యి విదిలించి మరియాద జేస్తా,]]

ఇగ డబ్బు-దౌలతులుండే డౌలురాయుళ్ళ సంగతి చెప్పాల్సిన పనిలేద్-

<u>విపరీతంగ రాలుస్తారు పైసలను-</u>

బొజ్జఒజ్జలు ముందొక రొట్టె-రెట్టముక్క అడుక్కుంటారట-మల్ల ^{మ్మి}పేరుతో జనాలనుండి ^{్ర్} నెయ్యి గుంజుతారట-

<mark>పెండ్లి దేవాఙ్డ ల ప్రకారం సింపుల్ గజరపాలని పబ్లిక్కు నొక్కి</mark>

వక్కాణిస్తారట-కట్టం-కానుకలూ-డబ్బుదస్కాలూ హరాము అనంటారట-మళ్ళ



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

తమమాటలను మరిచిపోయి వేస్టుగజరిగే లగ్గాలలో పౌయి బిరియానీలు ఖుబానీకా మీఠాయిను రసవత్తరంగ సేవించి వరున్ని దీవించి service charges + బఖ్జిషుtips తో బాటు సమేటాయించిన Cash+kind సమేతంగ పారిపొతున్నారట-ఇదేం పద్దతో - బండితుండ్ల యవ్వారం అంతుబట్టక-అర్థంజేసుకోలేక ఓ ముసిలిRamబోకుడుబుడ్డా అసచర్యంతో తన వేలునే కొరుకొన్నాట-

అసలు యిసయం యేంటంటే ఆయెదవసన్నాసిరకం ముసిలిమాను"ఓఫ్" కు "ధనమూల-మిదం-జగత్"-"న బాప్ బడా న మయ్యా -సబ్సే బడా రుపయ్యా భయ్యా!"-Money makes everything-అనే సామెతలు తెలియవట-

బండితుండ్ల పడిగాపులన్నీ ముష్టు పైసలకోసమే-బొందలగుంతకాడ నక్కలలా-బొక్కల(bines)కాడ కుక్కలలా -వాల్ల సూపులూ యెదుటోడిజేబుపైనే-టక్టరి మక్కరి మాటలతో యేమారినయెదుటోడిని బోల్తా గొట్టించి"హాథ్ కీ సఫాయీ-"హాథేలీహస్త్రలాఘవంతో గ్రహించి

ఆనందించుటయేతమజీవనపరమాధి-అట-

"యీల్ల ఆకతాయి ఆగడాలకు ఆటకట్టు యెబ్బుడో" అని ఆ ముసిలిమాను బోకుడు....ఆవేదనబడుతుండె-

ఒజ్జ-బండితుండ్లు ఆధునిక పెట్రోలుతాగేగుఱ్ఱదర్రాజ-లపై ఆఘమేఘాలమీద వచ్చి తొందరగా తంతు-గావించి వచ్చినరీతినే అయిపులేకుండ అద్రృశ్యమైపోతుండిరి-ఐతే పొయేముందు"బందులిఫాఫ"(ఆ సీల్డు కవర్ లో

ముందుగ ఫిక్సు చేసుకొన్న ఫీజుపైసలుంటాయ్-లంచంలేనిదే మంచమెక్కను



ایے سک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

అనే పద్దతిలో పరిగెడుతున్నారు-)తప్పకగైకొంటారు-

డిప్లోమాసీ , యూర్,హేరాఫేరీ,ఎప్పటికెయ్యదిప్రస్తుతమప్పటికామాట-వీళ్ళ సక్సెసుఫుల్ modus operandi-కి బునియాదీ బేసిక్ వుసూలట-ఎటు దిరిగి డబ్బులు రాలుతూ వుండాలట-వీళ్ళముందు కేటుగాళ్ళుconmenలూ దిగదుడుపే నట-బలాదూరేనట-

An-Nahl (16:116)

اللهِ عَلَى لِتَقْتَرُوا حَرَامٌ وَهَٰذَا حَلَلٌ هَٰذَا الكذِبَ السِنَتُكُمُ تَصِفُ لِمَا تَقُولُوا وَلَا اللهِ عَلَى يَقْتَرُونَ الذِينَ إِنَّ الكذِبَ لَلهِ عَلَى يَقْتَرُونَ الذِينَ إِنَ الكذِبَ

और अपनी ज़बानों के बयान किए हुए झूठ के आधार पर यह न कहा करो, "यह हलाल है और यह हराम है," तािक इस तरह अल्लाह पर झूठ आरोपित करो। जो लोग अल्लाह से सम्बद्ध करके झूठ घड़ते है, वे कदािप सफल होनेवाले नहीं

তোমাদের মুখ থেকে সাধারনতঃ যেসব মিথ্যা বের হয়ে আসে তেমনি করে তোমরা আল্লাহর বিরুদ্ধে মিথ্যা অপবাদ আরোপ করে বল না যে, এটা হালাল এবং ওটা হারাম। নিশ্চয় যারা আল্লাহর বিরুদ্ধে মিথ্যা

আরোপ করে, তাদের মঙ্গল হবে না।



ایے سک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

ہے حلال یہ کہ کرو دیا کہہ نہ موٹ جھوٹ سے زبان اپنی کو چیز کسی تعالیٰ الله کہ لو سمجھ لو، باندھ بہتان جھوٹ پر الله کہ ہے حرام یہ اور ہیں رہتے ہی محروم سے کامیابی والے کرنے بازی بہتان پر

But say not - for any false thing that your tongues may put forth,"This is lawful, and this is forbidden," so as to ascribe false things
to Allah. For those who ascribe false things to Allah, will never
prosper.

Shared using Quran App
https://the-quran.app/r/16/116

Al-Maaida (5:63)

بسراللهم الرحمل الرحيم

كاثوا مَا لَيِئْسَ ٱلسُّحْتَ وَأَكِلِهِمُ ٱلْإِثْمَ قَوْلِهِمُ عَن وَٱلنَّحْبَارُ ٱلرَّبِّنِيُونَ يَنْهَبُهُمُ لُولًا يَصْنَعُونَ عَنْ وَٱلنَّحْبَارُ ٱلرَّبِّنِيُونَ يَنْهَبُهُمُ لُولًا يَصْنَعُونَ عَنْ وَٱلنَّحْبَارُ ٱلرَّبِّنِيُونَ يَنْهَبُهُمُ لُولًا

उनके सन्त और धर्मज्ञाता उन्हें गुनाह की बात बकने और हराम खाने से क्यों

नहीं रोकते? निश्चय ही बहुत बुरा है जो काम वे कर रहे है



ایے سک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

দূরবেশ ও আ<u>লেমরা কেন তাদেরকে পাপ কথা বলতে এবং হারাম</u> ভক্ষণ করতে নিষেধ করে না? তারা খুবই মন্দ কাজ করছে।

کھانے کے چیزوں حرام اور کہنے کے باتوں جھوٹ وعالم عابد کے ان انہیں ہے ہیں رہے کر یہ جو بے کام برا بےشک روکتے، نہیں کیوں سے

Why do not the rabbis and the doctors of Law forbid them from their (habit of) uttering sinful words and eating things forbidden?

Evil indeed are their works.

.....5/63

At-Tawba (9:31)

At-Tawba (9.51)

إِلَّا أَمِرُوٓا ۗ وَمَآ مَرْبَمَ ٱبْنَ وَٱلمَسِيحَ ٱللهِ دُونِ مِّن أَرْبَابًا وَرُهْبُنَهُمْ أَحْبَارَهُمْ ٱتَخَدُّوا يُشْرِكُونَ عَمّا سُبْحْنَهُ، هُوَ إِلَّا إِلّٰهَ لَا وَحِدًا إِلَّهَا لِيَعْبُدُوا ۗ

के बेटे ईसा को अपने रब बना लिए है - हालाँकि उन्हें इसके सिवा और कोई



ایے سک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah. BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

आदेश नहीं दिया गया था कि अकेले इष्टि-पूज्य की वे बन्दगी करें, जिसक सिवा कोई और पूज्य नहीं। उसकी महिमा के प्रतिकूल है वह शिर्क जो ये लोग करते हैं। -

তারা তাদের পন্ডিত ও সংসার-বিরাগীদিগকে তাদের পালনকর্তারূপে গ্রহণ করেছে আল্লাহ ব্যতীত এবং মরিয়মের পুত্রকেও। অথচ তারা আদিষ্ট ছিল একমাত্র মাবুদের এবাদতের জন্য। তিনি ছাড়া কোন মাবুদ নেই, তারা তাঁর শরীক সাব্যস্ত করে, তার থেকে তিনি পবিত্র।

ہے بنایا رب کو درویشوں اور عالموں اپنے کر چھوڑ کو الله نے لوگوں ان
کی ہی الله اکیلے ایک صرف انہیں حالانکہ کو مسیح بیٹے کے مریم اور
ان ہے پاک وہ نہیں معبود کوئی سوا کے جس تھا گیا دیا حکم کا عبادت
سے کرنے مقرر شریک کے

They take their priests and their anchorites to be their lords in derogation of Allah, and (they take as their Lord) Christ the son of Mary; yet they were commanded to worship but One Allah: there is no god but He. Praise and glory to Him: (Far is He) from having the partners they associate (with Him).

<u>.....9/3</u>1



ایے سک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, Let AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

At-Tawba (9:34)

الناسِ أَمْوَّلَ لِيَأْكُلُونَ وَالرُّهْبَانِ اللَّحْبَارِ مِّنَ كَثِيرًا إِنَّ ءَامَنُوَا الذِينَ يَأْيُهَا وَل وَالفِضّة الدَّهَبَ يَكَنِرُونَ وَالذِينَ اللهِ سَبِيلِ عَن وَيَصُدُونَ بِالبُّطِلِ وَالفِضّة الدَّهَبَ يَكَنِرُونَ وَالذِينَ اللهِ سَبِيلِ عَن وَيَصُدُونَ بِالبُّطِلِ وَل يُنفِقُونَهَا أَلْلهِ سَبِيلِ فِي يُنفِقُونَهَا وَاللهِ سَبِيلِ فِي يُنفِقُونَهَا اللهِ سَبِيلِ فِي اللهِ اللهِ سَبِيلِ فِي اللهِ ال

ऐ ईमान लानेवालो! अवश्य ही बहुत-से धर्मज्ञाता और संसार-त्यागी संत ऐसे है जो लोगो को माल नाहक़ खाते है और अल्लाह के मार्ग से रोकते है, और जो लोग सोना और चाँदी एकत्र करके रखते है और उन्हें अल्लाह के मार्ग में ख़र्च नहीं करते, उन्हें दुखद यातना की श्र्भ-सूचना दे दो

হে ঈমানদারগণ! পন্ডিত ও সংসারবিরাগীদের অনেকে লোকদের মালামাল অন্যায়ভাবে ভোগ করে চলছে এবং আল্লাহর পথ থেকে লোকদের নিবৃত রাখছে। আর যারা স্বর্ণ ও রূপা জমা করে রাখে এবং তা ব্যয় করে না আল্লাহর পথে, তাদের কঠোর আযাবের সুসংবাদ শুনিয়ে দিন।

جاتے کھا ناحق مال کا لوگوں عابد، اور علما اکثر والو! ایمان اے



بيشك ابرابيم پيشوا اور الله تعالىٰ كے فرمانبردار اور يک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah, and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah, BLat AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames.

By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova...

Hyd,TS,Bharat,...

چاندی سونے لوگ جو اور ہیں دیتے روک سے راہ کی الله اور ہیں انہیں کرتے، نہیں خرچ میں راہ کی الله اور ہیں رکھتے خزانہ کا دردناکے عذاب دردناکے

O ye who believe! there are indeed many among the priests and anchorites, who in Falsehood devour the substance of men and hinder (them) from the way of Allah. And there are those who bury gold and silver and spend it not in the way of Allah: announce unto them a most grievous penalty-

----9/34

మంచివి తింటే మంచి నడవడిక కలుగునని దేవ వువాచ-వేరేవి తింటే షైతానుగా మారిపోగలడు మనిసి- ఇగ మఁచి చెడ్డల తారతమ్యం obscure కాగలదట-evilకూడ good-best -అనిపిస్తాదట-

"తినగతినగ వేము తీయనాయే"-అన్నటుల హరాము-హలాలు-అనే డిఫరెన్సు మొద్దుబారిన మప్కిష్తాన్ని stimulate చేయలేవు-మనసూ నియ్యతులూ గట్టిపడిపోయే-రోజూ వల్లెవేసే డైవవాక్కుర ప్రభావం ఆ జండితుండుపై కానరాదు-కానీ అవే నీతివాక్యాలను ఉద్యోగపరంగా అందరికీ రోజూ వల్లిస్తాడు-- జుమ్మ-ఫ్రైడే రోజు యేదో రొటీన్-గా

<mark>...Folio.....</mark>255



ایے شک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سے نہ تھے

Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah, Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, diolaters, disbelievers in the Oneness of Allah, and those who joined partners with Allah).

BLet AlQuraanu Speak WakeUp Series For HeroXeroMessLames. \$By Christina Kerimah, Khadija Mazlomova... Hyd,TS,Bharat,...

యెక్కువమోతాదులో Radio Noise of Mareka లా తన సౌండు బైట్సు-డెసిబల్సు పెంచి బకబకాయిస్తాడు- సిరిరంగనీతులు వాని నోట్లో వున్నాయి గానీ హ్రాదయాంతరాలలోకి దిగలే-అట్లాదిగకుండా వాడు జాగ్రత్త పడతాడు-వాడికికావాల్సింది ధన్-దౌలత్-YT-videos-కమ్యూనికేషన్ లకు మామూలు ఫోనుసాలదా! స్మార్టుఫోనెందుకో?అశ్లీల లీలావీడియోల కోసమా? మరేంటో! కతలుచెబుతాడు-కలుషిత బండితవర్యుడు-

<u>"మనిసిజస్తేమాకేలాభం"-అంటూ శవాలపై పేలాలేరుకోనే వాడికి</u>

చిత్తశుద్ది-చిత్తడి-సుద్ది కలుగునా?

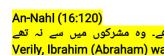
""గొడ్డుచెస్తే యజమానికినషం-""-

ఆవు యెక్కడ జతకట్టినా నోప్రాబలమ్- నా గాటిలో ఈనితే సాలు-పాలకంకుల దాసరి రాలినకాడికి రాలనీ అంటాడట-ఆదాసరే వీనికి ఐడియల్-గొప్పనమూనా అట-

ప్లోనీ దేవున్ని గురించి సరిగ్గా చెబుతున్నాడా-అంటే! అదేంలేదు!-దైవవాక్కులను మించి సచ్చిన బుజురుగు పురుగుల మాటలకే

high value-యిస్తాడీ బండితుండు-బుజురుగుల బొందలగడ్డలకు బోయి





بےشک ابراہیم پیشوا اور الله تعالیٰ کے فرمانبردار اور یک طرفہ مخلص تھے۔ وہ مشرکوں میں سُے نہ تھ<mark>ے</mark> Verily, Ibrahim (Abraham) was an Ummah (a leader having all the good righteous qualities), or a nation, obedient to Allah , Hanifa (i.e. to worship none but Allah), and he was not one of those who were Al-Mushrikun (polytheists, idolaters, disbelievers in the Oneness of Allah #, and those who joined

Christina Kerimah , Khadija Mazlomova..@ Hyd,TS,Bharat,... సూసిరా అంటాడు!యేంజూసేదాడ-సూరబ్బ గుంతనా ..యెందుకో? <u> వోడునాకేం సాయంజేయగలడ్?</u> దైవవాక్కులను పక్కకు నెట్టి/ తారుమారుజేసి/దాచేసి/ 47___47__ 47___47__47__ 47_47_47_ 47 47 47 47 47___47_





